हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • मंगलवार • 07.10.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 73 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

फ्रांस के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

पेरिस : राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोमवार की सुबह सरकार गठन के कुछ ही घंटों बाद अपना इस्तीफा दे दिया है। 27 दिनों के कार्यकाल के बाद लेकोर्नू के इस्तीफे ने उन्हें हाल के फ्रांसीसी इतिहास में सबसे कम समय पद पर रहने वाला प्रधानमंत्री बना दिया है। उन्होंने 9 सितंबर, 2025 को फ्रांस के नए प्रधानमंत्री के दौर पर पदभार ग्रहण किया था। लेकोर्नु अब 1958 के बाद से सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले व्यक्ति हैं। मैक्रों ने उन्हें चार हफ्ते पहले ही नियुक्त किया था और रविवार की शाम को लेकोर्नू ने अपने मंत्रिमंडल का गठन किया था। उनका मंत्रिमंडल उनके पूर्ववर्ती फ्रांस्वा बायरू के मंत्रिमंडल जैसा ही था। सरकार गठन के तुरंत ही मतभेद स्पष्ट हो गए और सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर कई दलों के सदस्यों ने बदलाव की कमी पर संदेह और आलोचना व्यक्त की।

छिंदवाड़ा कफ सिरप हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

छिंदवाड़ा : मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कथित तौर पर कफ सिरप के सेवन से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है, रविवार को एक अधिकारी ने कहा इन 14 मौतों के अलावा आठ बच्चों को छिंदवाड़ा के नागपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छिंदवाड़ा के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट धीरेंद्र सिंह ने कहा कि एक ड्रग कंट्रोलर टीम का गठन किया गया है और प्रतिबंधित कफ सिरप को जब्त करने के लिए छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि एक विशेष जांच दल (एसआईटी) भी गठित किया गया है जो मामले की जांच के लिए तमिलनाडु जा रहा है। एडीएम धीरेंद्र सिंह ने बताया, हमें 14 मौतों की सूचना मिली है। इसके लिए मुआवजा स्वीकृत हो गया है और राशि उनके खाते में पहुँच गई है। छिंदवाड़ा के 8 बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी निगरानी के लिए प्रशासन स्तर पर एक टीम गठित की गई है। डॉक्टर और कार्यपालक मजिस्ट्रेट उस टीम का हिस्सा हैं। ड्रग कंट्रोलर ने एक टीम गठित की है। छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में प्रतिबंधित कफ सिरप की तलाश में छापे मारे जा रहे हैं और उसे जब्त किया जा रहा है। एसआईटी का भी गठन किया गया है, जो जांच के लिए तमिलनाडु जा रही है।

इटली में भयानक हादसे ने ली चार भारतीयों की जान

मटेरा : दक्षिणी इटली के मटेरा शहर में एक सड़क दुर्घटना में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। रोम स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को यह जानकारी दी। इटली की समाचार एजेंसी एएनएसए ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित सात सीटों वाली रेनॉल्ट सीनिक कार में छह अन्य लोगों के साथ सवार थे। उनकी कार शनिवार को एग्री घाटी के मटेरा शहर के स्कैनजानो जोनिको नगरपालिका क्षेत्र में एक ट्रक से टकरा गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक मृतकों की पहचान 34 वर्षीय कुमार मनोज, 33 वर्षीय सिंह सुरजीत, 31 वर्षीय सिंह हरविंदर और 20 वर्षीय सिंह जसकरण के रूप में की गयी है।

बिहार विधानसभा चुनाव का एलान, 6 और 11 नवंबर को मतदान, 14 को मतगणना

बिहार विधानसभा चुनाव की अहम तारीखें

पहला चरण	
नोटिफिकेशन	10 अक्टूबर
नामांकन की आखिरी तारीख	17 अक्टूबर
नामांकन पत्रों की जांच की तारीख	18 अक्टूबर
नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख	20 अक्टूबर
विस चुनाव के लिए मतदान	6 नवंबर
दूसरा चरण	
नोटिफिकेशन	13 अक्टूबर
नामांकन की आखिरी तारीख	20 अक्टूबर
नामांकन पत्रों की जांच की तारीख	21 अक्टूबर
नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख	23 अक्टूबर
विस चुनाव के लिए मतदान	11 नवंबर

एजेंसी

नयी दिल्ली : बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में संपन्न होंगे। प्रथम और द्वितीय चरण का मतदान क्रमशः 6 और 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। यह जानकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को दी। ज्ञानेश कुमार ने यहां के विज्ञान भवन में सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि पहले चरण में 6 नवंबर को 121 सीटों पर और दूसरे चरण में 11 नवंबर को 122 सीटों पर मतदान होगा। बिहार विधानसभा चुनाव पूरी पारदर्शिता और शांति के साथ कराए जाएंगे। राज्य में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 3.92 करोड़ पुरुष, 3.50 करोड़ महिला और 1,725 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। इसके अलावा 7.2 लाख दिव्यांग मतदाता, 4.04 लाख 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता, 14 हजार 100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और 1.63 लाख सेवा मतदाता हैं। राज्य में 18 से 19 वर्ष की आयु के 14.01 लाख और 20 से 29 वर्ष की आयु के 1.63 करोड़ मतदाता हैं। इस चुनाव में करीब 14 लाख मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। नए मतदाताओं को 15 दिनों के भीतर वोटर कार्ड प्रदान किए जाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि राज्य में कुल 90,712 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से 76,801 ग्रामीण क्षेत्रों और 13,911 शहरी क्षेत्रों में हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर औसतन 818 मतदाता होंगे। इसके अलावा 292 दिव्यांग, 38 युवा और 1,044 महिला संचालित मतदान केंद्र बनाए गए हैं। साथ ही, 1,350 आदर्श मतदान केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध होगी ताकि निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने कहा कि बिहार ने मतदाता सूची को शुद्ध करने के मामले में पूरे देश के लिए एक मिसाल पेश की है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूचियों को अद्यतन किया गया है। मसौदा सूची प्रकाशित होने के बाद सभी राजनीतिक दलों और नागरिकों को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया गया था। अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की गई। नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पहले तक वोटर लिस्ट में नाम जोड़ा जा सकता है, लेकिन अंतिम सूची जारी होने के बाद कोई नया नाम नहीं जोड़ा जाएगा।

बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं, जिनमें 38 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) और दो सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित हैं। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को समाप्त हो रहा है। चुनाव आयोग की इस पत्रकार वार्ता में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी मौजूद थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने विश्वास जताया कि आयोग की पूरी टीम और राज्य प्रशासन मिलकर बिहार में निष्पक्ष, सुरक्षित और पारदर्शी चुनाव संपन्न कराएंगे।

घाटशिला उपचुनाव 11 नवंबर को

नयी दिल्ली : मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में संवाददाता सम्मेलन कर घाटशिला विधान सभा उपचुनाव की तारीख की घोषणा कर दी। बिहार विधानसभा चुनाव की तिथियों के साथ ही घाटशिला उपचुनाव 11 नवंबर को कराया जाएगा। वोटों की गिनती 14 नवंबर होंगे। घोषणा के साथ ही घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में आचार संहिता तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। हालांकि शुरूआत में यह चर्चा थी कि आचार संहिता पूरे जिले में लागू होगी या केवल घाटशिला क्षेत्र तक सीमित रहेगी, लेकिन आयोग ने स्पष्ट किया कि यह केवल संबंधित विधानसभा क्षेत्र में ही प्रभावी रहेगी। जिला प्रशासन ने चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर मतदान केंद्रों की समीक्षा तक का काम तेजी से चल रहा है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। घाटशिला उपचुनाव में भाग लेने के लिए प्रत्याशी नामांकन 13 अक्टूबर से दाखिल कर सकते हैं। इसके लिए अंतिम तिथि 21 अक्टूबर रखी गई है। स्क्रूटनी 22 अक्टूबर को होगी। 24 अक्तूबर तक प्रत्याशी नामांकन वापस ले सकेंगे।

बिहार चुनाव में झामुमो के प्रवेश से उसके राष्ट्रीय पार्टी बनने का मार्ग होगा प्रशस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बिहार विधानसभा चुनाव-2025 में हार-जीत भले किसी भी राजनीतिक दल की हो, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के लिए यह चुनाव ऐतिहासिक साबित हो सकता है। इस चुनाव में झामुमो के उतरने से उसकी राष्ट्रीय पार्टी बनने की दिशा में पहली औपचारिक शुरूआत हो जाएगी। राजनीति के जानकारों के अनुसार बिहार में विपक्षी गठबंधन के अंदर सीट बंटवारे पर लगभग सहमति बन चुकी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपने कोटे से पहली बार झामुमो और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) को कुल पांच सीटें देने पर हामी भरी है। इनमें झामुमो को दो सीटें और रालोजपा को तीन सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि झामुमो ने इसपर अबतक हामी नहीं भरी है। झामुमो ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सात अक्तूबर को औपचारिक रूप से अपना दावा पेश करने की बात कही है।

झामुमो ने बिहार में महागठबंधन के समक्ष अपनी हिस्सेदारी को लेकर रणनीति तय कर ली है। पार्टी की ओर से मंत्री सुदिव्य सोनू और पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय को इसके लिए अधिकृत किया गया है, जो पटना में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के समक्ष पार्टी का पक्ष रखेंगे। माना जा रहा है कि झामुमो को झारखंड सीमा से सटे जिलों की सीटों पर मैदान में उतारा जाएगा, जिससे संगठन को बिहार में आधार विस्तार का मौका मिलेगा।

सूत्रों के अनुसार झामुमो ने बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से 12 सीटों की मांग की है। ये सभी सीटें झारखंड से सटे बिहार के सीमावर्ती जिलों की हैं, जहां पार्टी का पारंपरिक जनाधार माना जाता है। जिन सीटों पर झामुमो ने दावेदारी जताई है, उनमें तारापुर, कटोरिया, मनिहारी, झाझा, बांका, ठाकुरगंज, रूपौली, रामपुर, बनमनखी, जमालपुर, पीरपैंती और चकाई विधानसभा सीट शामिल हैं। पार्टी का तर्क है कि इन इलाकों में झामुमो की उपस्थिति पहले से रही है और कई सीटों पर पूर्व में झामुमो के उम्मीदवारों को जनता का समर्थन मिल चुका है। झामुमो मानता है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में उसकी भागीदारी बढ़ने से महागठबंधन को न केवल राजनीतिक मजबूती मिलेगी, बल्कि झारखंड और बिहार के साझा सामाजिक-राजनीतक हितों को भी सशक्त आधार प्राप्त होगा। फिलहाल झामुमो झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी है और एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल (स्टेट पार्टी) के रूप में मान्यता प्राप्त है।

चीफ जस्टिस की तरफ कुछ फेंकने की कोशिश, आरोपी वकील हिरासत में

एजेंसी

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक चौंकाने वाली घटना हुई। यहां सुनवाई के दौरान एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शख्स ने कोर्ट के अंदर नारेबाजी भी की। बाद में कोर्ट में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे बाहर निकाला। इससे कुछ देर के लिए कोर्ट की कार्यवाही बाधित रही।

लाइव लॉ वेबसाइट के मुताबिक, अदालत में मौजूद लोगों ने बताया कि पकड़े गए शख्स ने नारे लगाए- सनातन धर्म का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने वेबसाइट को बताया कि व्यक्ति ने सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी, वहीं कुछ और ने कहा कि चीफ जस्टिस पर कागज का रोल फेंका गया। इस व्यक्ति के वकील की वेशभूषा में होने का भी दावा किया गया है।

दूसरी तरफ कानूनी मामलों से जुड़ी वेबसाइट बार एंड बेंच ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि जब सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों से केस के बारे में सुन रही थी, तभी एक वकील दौड़ता हुआ आगे आया और अपना चीफ जस्टिस पर हमले के लिए पैर से जूता निकालने की कोशिश करने लगा। हालांकि, लगभग तुरंत ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और कोर्ट से बाहर कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश ने इस घटना के बाद कहा कि उन्हें इन घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही जारी रखने की बात कही। बताया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में जांच बिठा दी है। वकील की तरफ से इस घटना को अंजाम दिए जाने पर भी पूछताछ जारी है।

गौरतलब है कि खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित करने वाली याचिका खारिज करने और सुनवाई के दौरान दिए गए बयानों को लेकर सीजेआई बीआर गवई का सोशल मीडिया पर काफी विरोध हुआ था। तब मुख्य न्यायाधीश ने इन टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए कहा था- 'किसी ने मुझे बताया कि मैंने जो टिप्पणियां की थीं, उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है।

सवाई मानसिंह अस्पताल में लगी आग, आठ मरीजों की मौत

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात लगी आग से आठ मरीजों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं भी हैं। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठे किए। अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ट्रॉमा सेंटर में आग लगने की घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

अधिकारियों के अनुसार रविवार रात लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर रूम में आग लगी। स्टोर में पेपर, मेडिकल उपकरण और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे हुए थे। देखते ही देखते आग ने आईसीयू को अपनी चपेट में ले लिया और पूरे वार्ड में धुआं फैल गया। फायर विभाग के कर्मचारी अवधेश पांडे के अनुसार अलार्म बजते ही टीम मौके पर पहुंच गई, लेकिन धुएं के कारण अंदर जाना संभव नहीं था। टीम ने बिल्डिंग की दूसरी ओर से खिड़कियों के शीशे तोड़कर पानी की बौछार की और लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सभी मरीजों को बेड सहित सड़क पर शिफ्ट किया गया।

भरतपुर निवासी ने बताया कि आग लगने से करीब 20 मिनट पहले वार्ड में धुआं दिखाई देने लगा था। उन्होंने स्टाफ को सूचना दी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने बताया कि अपने मरीज को उन्होंने स्वयं बाहर निकाला, लेकिन आग के दो घंटे बाद ही उन्हें ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया गया। ट्रॉमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉक्टर डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि आग जिस आईसीयू में लगी, वहां 11 मरीज भर्ती थे। इनमें से छह की मौके पर मौत हो गई। आईसीयू में ग्लास वर्क होता है। इस वजह से धुएं और जहरीली गैसों के बाहर निकलने में बाधा आई। गैस तेजी से भीतर फैली और मरीजों की दम घुटने से मौत हो गई। अग्निशमन उपकरण मौजूद थे और उनका प्रयोग किया गया।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने आग की घटना पर दुःख जताया

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने की घटना में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने की घटना में हुई मौतों की खबर बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी घटना पर दुख जताते हुए एक्स पर कहा कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में आग लगने की घटना दु:खद है। स्थानीय प्रशासन मरीजों की सुरक्षा, इलाज और प्रभावित लोगों की देखभाल के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। जिन लोगों ने इस हादसे में अपनी जान गंवाई हैं, मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

भारत के समुद्री बेड़े में शामिल हुआ उथला जल पोत आईएनएस 'एंड्रोथ', तटीय क्षेत्रों में शत्रुओं का मुकाबला करने में होगी आसानी

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय नौसेना ने सोमवार को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में दूसरे पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) आईएनएस एंड्रोथ को अपने समुद्री बेड़े में शामिल कर लिया। यह पोत अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और संचार प्रणालियों से लैस है, जिससे यह सतह के नीचे के खतरों का सटीकता से पता लगा सकता है। इस वजह से नौसेना की समुद्री जल क्षमता बढ़ेगी और तटीय क्षेत्रों में शत्रुओं का मुकाबला करने में आसानी होगी।

नौसेना ने आईएनएस एंड्रोथ को 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ भारत की समुद्री आत्मनिर्भरता का एक चमकदार प्रतीक बताया है।

आईएनएस एंड्रोथ को 77 मीटर लंबाई और लगभग 1500 टन विस्थापन क्षमता के साथ तटीय और उथले पानी में पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। यह पोत अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और संचार प्रणालियों से लैस है, जिससे यह सतह के नीचे के खतरों का सटीकता से पता लगाकर उन्हें बेअसर कर सकता है। तकनीकी रूप से उन्नत मशीनरी और नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित यह पोत उथले पानी में लंबे समय तक संचालन कर सकता है। कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में निर्मित यह पोत समुद्री डीजल इंजनों से संचालित होगा। इसकी क्षमताएं समुद्री निगरानी, खोज और बचाव, तटीय रक्षा मिशन और निम्न तीव्रता वाले समुद्री अभियानों तक विस्तृत हैं। आईएनएस एंड्रोथ की भूमिका तटीय क्षेत्रों में शत्रुओं के खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण होगी। इस जहाज का नौसेना में शामिल होना स्वदेशीकरण, नवाचार और क्षमता संवर्धन पर निरंतर जोर देने के साथ ही भारत की समुद्री सुरक्षा संरचना को मजबूत करने में जीआरएसई के महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है। जहाज का नाम लक्षद्वीप समूह के सबसे उत्तरी द्वीप एंड्रोथ के नाम पर रखा गया है, जो भारत के समुद्री क्षेत्र में अपने ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व के लिए जाना जाता है।

कमीशनिंग के अवसर पर पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर ने जहाज के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया और उन्हें जहाज की निर्माण यात्रा और नई स्वदेशी क्षमताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। समारोह के दौरान उन्होंने जहाज के कमीशनिंग क्रू और जीआरएसई के अधिकारियों के साथ बातचीत की और आईएनएस एंड्रोथ की समय पर तैनाती के लिए उनके समर्पित प्रयासों के लिए उन्हें बधाई दी।

जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद खगेन पर जानलेवा हमला, टीएमसी पर लगा आरोप

एजेंसी

जलपाईगुड़ी : पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला किया है। वहीं इसे लेकर भाजपा नेता अमित मालवीय ने टीएमसी पर आरोप है, एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा- बंगाल में टीएमसी का जंगलराज! उत्तरी मालदा से दो बार सांसद रहे और एक सम्मानित आदिवासी नेता, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर टीएमसी के गुंडों ने उस समय हमला किया जब वे जलपाईगुड़ी के दुआर्स क्षेत्र के नागराकाटा में विनाशकारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्यों में मदद करने जा रहे थे।

अमित मालवीय ने अपने पोस्ट में आगे लिखा- जब ममता बनर्जी अपने कोलकाता कार्निवल में नाच रही थीं, तब टीएमसी और राज्य प्रशासन गायब था। जो लोग वास्तव में लोगों की मदद कर रहे थे, भाजपा नेता और कार्यकर्ता, उन पर राहत कार्य करने के लिए हमला किया जा रहा है। यह टीएमसी का बंगाल है, जहां क्रूरता का बोलबाला है और दया की सजा।

एक नजर

मारपीट के आरोपी को जेल, आरोपी की पत्नी ने भी थाना में दिया आवेदन

बरही : बरही थाना क्षेत्र के गुड़ियों में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में संजय रविदास को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में संजय रविदास और उमेश रविदास के बीच विवाद हुआ था, जिसमें उमेश रविदास घायल हो गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि संजय ने तलवार से जानलेवा हमला किया। इस घटना के बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने संजय रविदास को जेल भेज दिया। वहीं संजय रविदास की पत्नी दयामती देवी ने भी बरही थाना में आवेदन देकर उमेश रविदास और उनके परिवार के अन्य सदस्यों पर मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप लगाया। पुलिस दोनों पक्षों के आरोपों की गंभीरता से जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

शहीद सुनील प्रसाद फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता 10 से

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के सांढ़ पंचायत अंतर्गत ग्राम शिवाडीह स्थित कुशवाहा खेल मैदान शिवाडीह में शहीद सुनील प्रसाद को श्रद्धांजलि अर्पित हेतु फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया जाएगा। शिवाडीह ग्राम अध्यक्ष खिरोधर प्रसाद ने बताया कि प्रतियोगिता का खेल का प्रारंभ 10 अक्टूबर से किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में कुल 32 टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार बड़ा खस्सी 30 किलो एवं द्वितीय पुरस्कार छोटा खस्सी 20 किलो का दिया जाएगा। आयोजक कुशवाहा समाज शिवाडीह है। उक्त आशय की जानकारी ग्राम अध्यक्ष खिरोधर प्रसाद, सचिव वास्तव प्रसाद दांगी, कोषाध्यक्ष मुकुलदेव प्रसाद एवं खेल मंत्री टेकलाल प्रसाद के द्वारा संयुक्त रूप से दी गई।

गुड़ियों में नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत ग्राम गुड़ियों स्थित शिवांगी धाम मैदान में युवा क्लब गुड़ियों के द्वारा नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। उद्घाटन जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर एवं पूर्व जिप प्रतिनिधि मो क्यूम ने फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं खेल प्रेमियों की उपस्थिति रही। उद्घाटन के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और पूरे मैदान में जोश और ऊर्जा का माहौल बना रहा। इस अवसर पर जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि युवा क्लब द्वारा इस तरह का आयोजन ग्रामीण क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। मो क्यूम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत है उसे निखारने की। टूर्नामेंट की शुरूआत रोमांचक मैच के साथ हुई, जिसे देखने के लिए दर्शकों में विशेष उत्सुकता रही। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, पंसस प्रतिनिधि रोहित यादव,युवा समाजसेवी मुन्ना यादव,पंसस प्रतिनिधि कोल्हूवाकला विनोद यादव, पूर्व मुखिया दशरथ यादव, रघु मोदी, सुनील यादव वा सैकड़ों में ग्रामीण शामिल हुए।

तिरंगे में लिपटा लौटा चौपारण का लाल, शहीद अमित सिंह को नम आंखों से अंतिम विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के झापा पंचायत अंतर्गत कोल्हुआ गांव का माहौल सोमवार को शोक और गर्व से भर गया। गांव का जांबाज सपूत बीएसएफ जवान अमित सिंह अब तिरंगे में लिपटकर अपने घर लौटा। जैसे ही पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, पूरा इलाका भारत माता की जय और अमित सिंह अमर रहें के नारों से गूंज उठा। हर आंख नम थी और हर हृदय गर्व से भरा हुआ। अमित सिंह की दिल्ली में डेंगू के इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। वे अपने कर्तव्य को सर्वोपरि मानने वाले सच्चे सैनिक थे। बताया जाता है कि जब उनके पिता का श्राद्धकर्म चल रहा था, उसी समय सीमा पर बढ़ते तनाव को देखते हुए उन्होंने अपने घर लौटने के बजाय सीमा की रक्षा को चुना। उन्होंने अपने कर्तव्य और राष्ट्रप्रेम की मिसाल पेश करते हुए दिखाया कि देशभक्ति शब्दों से नहीं, कर्मों से साबित होती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया था, उस समय भी अमित सिंह सीमा पर डटे रहे थे। गांव में जब उनका पार्थिव शरीर पहुंचा, तो हजारों की संख्या में ग्रामीण अपने वीर सपूत के अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। चतरा मोड़ पर डीएसपी अजीत कुमार विमल और चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने जवान को सलामी दिए और श्रद्धांजलि अर्पित की। पूरा माहौल गम और गर्व से भरा था। लोग अपने वीर बेटे के बलिदान पर रो रहे थे, लेकिन साथ ही गर्व से सिर भी ऊंचा था। पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला और जिला परिषद सदस्य रवि शंकर अकेला ने शव यात्रा में शामिल होकर श्रद्धांजलि दी। रवि शंकर अकेला ने तिरंगा झंडे के साथ शहीद को पुष्प अर्पित किया, जबकि उमाशंकर अकेला ने कंधा देकर कहा, अमित सिंह जैसे सपूत पर पूरा झारखंड गर्व करता है। उन्होंने यह दिखाया कि सच्चा सैनिक अपने कर्तव्य से कभी पीछे नहीं हटता। अंतिम संस्कार के दौरान का दृश्य अत्यंत भावुक था। शहीद अमित सिंह के बेटे ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। यह पल पूरे गांव को रुला गया। चारों ओर सिर्फ एक ही आवाज गूंज रही थी अमित सिंह अमर रहें। अंतिम संस्कार के समय बीएसएफ के जवानों ने अपने साथी को सलामी दी और गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। पूरे क्षेत्र में मातम और गर्व का मिला जुला माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि अमित सिंह ने अपने कर्म से साबित किया कि एक सच्चा सिपाही केवल परिवार का नहीं, बल्कि पूरे देश का बेटा होता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने शहीद को नमन किया।

झींगीबराई ने डपोक को हराकर क्रिकेट फाइनल में जीता खिताब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के ग्राम डपोक स्थित पद्मानंद मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच में विधायक मनोज कुमार यादव, जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, पूर्व जिप प्रतिनिधि मो क्यूम, जिला उपाध्यक्ष भाजपा रमेश ठाकुर एवं जे एल के एम नेता कृष्ण यादव जी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

फाइनल मैच शिव शक्ति क्लब डपोक और झींगीबराय के बीच खेला गया। टॉस जीतकर डपोक की टीम ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। झींगीबराय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 ओवर में 5 विकेट पर 91 रन बनाई जवाब में डपोक की टीम ने 92 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दमदार खेल दिखाया, लेकिन निर्धारित ओवरों में 6 विकेट पर 85 रन ही बना सकी। इस तरह झींगीबरायी की टीम विजेता बनी। विधायक मनोज कुमार यादव सहित अन्य अतिथियों ने विजेता एवं उप विजेता टीम को पुरस्कृत किया। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, युवा समाजसेवी मुन्ना यादव सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

बरसात में दलदल बनी सड़क, ग्रामीणों ने खुद शुरू किया मरम्मती कार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के दुलमहा पंचायत के लखना गांव के बडका लखना गिरि मुहल्ला में विकास के इस दौर में भी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों की उदासीनता के कारण कीचड़युक्त सड़क से आवागमन करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने वर्षों से कच्ची गड्ढानुमा जर्जर सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक गुहार लगाई परंतु किसी के द्वारा सुनी नहीं गई। अंततः ग्रामीणों ने मजबुरन 5 सितम्बर को आपस में बैठकर आपसी चंदे के द्वारा सड़क मरम्मत करने का निर्णय लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने आपस में चंदा इकट्ठा कर सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया है। मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से जर्जर कीचड़ युक्त व गड्ढानुमा सड़क में जान जोखिम में डालकर आवागमन करने पर मजबूर थे। बरसात के दिनों ठेहूना भर किचड़ में गिरते हुए आना जाना करना पड़ता है। खास कर स्कूली बच्चों के लिए यह सड़क जान का जंजाल था। कोई भी स्कूल गाड़ी इस सड़क में आना नहीं चाहते हैं। जिसके कारण बच्चों को आधा किलोमीटर पैदल जा कर स्कूल गाड़ी पकडना पड़ता है।एम्बूलेंस भी गांव नहीं पहुंच पाती है। मरीजों को कंधे पर उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है। सड़क का निर्माण व मरम्मती को लेकर कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर बड़े अधिकारियों तक गुहार लगाया गया। परंतु किसी के द्वारा पहल नहीं हुआ। इस मुहल्ले में लगभग 30 घर की 150 की आबादी है। तथा अधिकांश किसानों का खेती भी यही सडक में पड़ता है।अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के उदासीनता के बाद आखिरकार ग्रामीणों ने गांव में चंदा इकट्ठा कर इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य का बीड़ा उठाया।

लड़कियों की मानव तस्करी समाज के लिए गहरी चिंता का विषय : आशुतोष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : लड़कियों की मानव तस्करी एक गंभीर सामाजिक समस्या के रूप में समाज के सामने प्रस्तुत है। इसी विषय पर डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के प्रांगण में कक्षा दशम, एकादश और द्वादश की छात्राओं के बीच काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर आशुतोष कुमार मैढ ने की। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में पुलिस और सामाजिक संगठनों के संयुक्त अभियान में दर्जनों नाबालिक लड़कियों को तस्करी के चंगुल से मुक्त कराया गया है ।यह लड़कियां बिहार, झारखंड उड़ीसा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से झूठे वादों के जरिए लाई गई थी। जांच में खुलासा हुआ कि तस्कर गरीब परिवारों को रोजगार, विवाह या शिक्षा के नाम पर बहकाते हैं और फिर लड़कियों को घरेलू काम, जबरन विवाह या देह व्यापार जैसी अमानवीय स्थितियों में धकेल देते हैं। हमें इस प्रकार की समस्याओं के प्रति सजगता दिखाते हुए अपने और अपने समाज के लिए बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। प्राचार्य महोदय ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सरकार को इस दिशा में कड़े कानून बनाने का निर्देश दिया है। जिसके तहत उजाला अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से पीड़ितों की पुनर्वास की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए समाज में सभी व्यक्ति के साथ-साथ समाजसेवियों को भी आगे आना होगा। पर यह तभी संभव है जब जन जागरूकता, शिक्षा और पुलिस की सतर्कता तीनों एक साथ काम करें। प्राचार्य महोदय ने छात्राओं से आग्रह किया कि वे अजनबियों के झूठे प्रलोभनों से सतर्क रहें और स्वयं के साथ-साथ दूसरों को भी सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मानव तस्करी केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि हर लड़की सुरक्षित शिक्षित और स्वतंत्र जीवन जी सके।

बरही पुलिस की फुर्ती से चोरों की योजना नाकाम, चोरी हुई थार दो घंटे में बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की गई महिंद्रा थार गाड़ी को पुलिस ने महज दो घंटे के भीतर बरामद कर लिया। मामला सामंतों पेट्रोल पंप के पास का है, जहां यशपाल यादव पिता प्रभु यादव की गाड़ी संख्या जेएच 02 बीआर/4734 घर के बाहर खड़ी थी। सोमवार अहले सुबह करीब 3 बजे चोरों ने वाहन को उड़ा लिया। घटना की सूचना मिलते ही वाहन स्वामी ने थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार को जानकारी दी। इंस्पेक्टर ने तत्परता दिखाते हुए चारों मार्गों पर नाकेबंदी करा दी और गश्ती दल को सक्रिय कर दिया। साथ ही एसआई नरेंद्र पांडेय और कपूल दीपक नाग को विशेष तौर पर वाहन की तलाश में लगाया गया। पुलिस की कड़ी दबिश और चौकसी के कारण अपराधियों ने गाड़ी लेकर भागना मुश्किल समझा और जियादा प्रक्षेत्र में वाहन छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने वाहन को बरामद कर थाना परिसर ले आई। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत एक्शन में आई और चारों ओर नाकेबंदी व वाहन जांच शुरू कर दी गई। इसी वजह से अपराधी गाड़ी लेकर भाग नहीं सके और उसे छोड़कर भाग खड़े हुए। बरही पुलिस की त्वरित कार्रवाई की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है और लोगों ने इसकी सराहना की है।

मृतक रोहित साव के परिजन पहुंचे सांसद कार्यालय दोषियों की गिरफ्तारी की लगाई गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : नवरात्रि की अष्टमी से लापता युवक रोहित साव का शव सोमवार को ओकनी देवी मंडप रोड स्थित एक अर्धनिर्मित मकान के पीछे बरामद होने के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन और स्थानीय लोग आक्रोशित हो उठे। सोमवार की शाम लगभग 4:30 बजे परिजन सांसद मनीष जायसवाल के कार्यालय पहुंचे और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। सांसद मनीष जायसवाल उस समय शहर से बाहर थे, किंतु उन्होंने घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत अपने लोकसभा प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह एवं सह प्रतिनिधि विनोद झुनझुनवाला को कार्यालय परिसर पहुंचकर परिजनों से मिलने और प्रशासनिक स्तर पर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया।

उनके निर्देश के पश्चात दोनों प्रतिनिधि कार्यालय पहुंचे और परिजनों से विस्तृत वार्ता की। इस दौरान संबंधित थाना प्रभारी भी कार्यालय परिसर पहुंचे, जहाँ शांतिपूर्ण माहौल में बातचीत हुई। वार्ता के उपरांत परिजन संतुष्ट नजर आए और उन्होंने शव का अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया। थाना प्रभारी द्वारा त्वरित राहत के रूप में परिजनों को 10,000 रु की सहायता राशि दी गई, वहीं सीओ द्वारा मंगलवार को 20,000 रु की अतिरिक्त सहायता प्रदान किए जाने की घोषणा की गई। इस विषय पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। मैं शीघ्र ही हजारीबाग लौटकर मृतक के परिजनों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करूंगा तथा उन्हें हरसंभव सहयोग और न्याय दिलाने का पूरा प्रयास करूंगा। दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पंचमाधव में फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ समापन, रालो की टीम बनी विजेता

बरही : बरही प्रखंड के बसरिया पंचायत अंतर्गत पंचमाधव फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का सोमवार को सफलता पूर्वक उत्साह के साथ समापन हुआ। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला लाईनस क्लब पंचमाधव और रालो की टीम के बीच खेला गया। जिसमें रालो की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट का सफल आयोजन बसरिया पंचमाधव कमेटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार राणा, सचिव मंजीत यादव और कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश यादव के नेतृत्व में किया गया। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में बसरिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, विशिष्ट अतिथि में वरिष्ठ समाज सेवी प्रकाश ठाकुर, बीरेंद्र यादव, कैलाश यादव, बिपुल राणा व कई अन्य लोग शामिल हुए। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को कप व शील्ड प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए हरेंद्र गोप ने कहा कि खेल से हमारे मानसिक और शारीरिक विकास के साथ-साथ समाज में अनुशासन और एकता की भावना बढ़ती है। खेल युवाओं को नशाखोरी जैसी बुराइयों से दूर रखता है। मौके पर जीतेन्द्र राणा, जीतेन्द्र कुमार, संतोष यादव, रॉकी शर्मा, कमेटी के सदस्य समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

भारतीय गोवंश के रक्षण एवं संवर्द्धन को लेकर विश्व हिन्दू परिषद की बैठक संपन्न

बरकट्ठा : भारतीय गोवंश के रक्षण एवं संवर्द्धन को लेकर विश्व हिन्दू परिषद की गोरक्षा प्रभाग की एक बैठक प्रखंड के पेसरा में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता हजारीबाग जिला गोरक्षा प्रमुख इन्द्रदेव गुप्ता एवं संचालन मीडिया प्रभारी मिथलेश कुमार ने किया । इस बैठक को संबोधित करते हुए जिला गोरक्षा प्रमुख इंद्रदेव गुप्ता ने कहा कि भारतीय गाय हमारी धार्मिक आस्था और संस्कृति के केन्द्र बिन्दु होने के साथ साथ चलता फिरता औषधालय है, जो मानव जीवन को समस्त ब्याधियों से मुक्त कर इसे संरक्षित और संवर्धित करता है ।उन्होंने कहा कि गोमूत्र किडनी, लिवर, सुगर, एलर्जी, चर्मरोग के साथ कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों को दूर करने की क्षमता रखता है। गाय का गोबर सभी प्रकार के रेडिएशन रोधक होने के साथ साथ भारतीय संस्कृति में पूजनीय है। इसका दूध मानव जीवन के लिए वरदान है । इससे बनने वाली दही और माठा मानव जीवन के लिए अमृत है जो असाध्य बीमारी को भी साध्य बना देता है । गाय के दूध से बना घी भारतीय सनातन परंपरा का वाहक होने के साथ साथ नजला,जुकाम व खांसी का नाशक है ।इसका प्रयोग नाभि में करने से कई प्रकार की आंतरिक बीमारी को भी दमन करता है ।इसलिए मानव समाज गोवंश के रक्षण व संवर्द्धन का कार्य करे और कसाई के हाथों में जाने से बचाये। इस बैठक में जिला सह गोरक्षा प्रमुख महेंद्र प्रसाद, सोशल मीडिया प्रमुख मिथिलेश कुमार के अलावा कई ग्रामीण उपस्थित थे।

काली पूजा समिति का गठन, धूमधाम से मनाने का लिया गया निर्णय

बड़कागांव : बड़कागांव काली मंदिर में काली पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर ग्रामीणों की बैठक की हुई, जिसकी अध्यक्षता रामसेवक सोनी एवं संचालन पंचायत समिति सदस्य सह पत्रकार रितेश ठाकुर ने किया। बैठक में पिछले वर्ष की आय- व्यय का ब्यौरा दिया गया। उपस्थित ग्रामीणों ने बारी-बारी से पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर सुझाव दिए। बेहतर तरीके से पूजा कैसे किया जाए इससे संबंधित रूपरेखा तैयार किया गया। मंदिर की रख- रखाव, साफ - सफाई, बिजली इत्यादि की व्यवस्था पर गहन विचार विमर्श किया गया। पूजा को संपन्न कराने के लिए काली पूजा समिति के अध्यक्ष रघुनाथ राम, सचिव नागेंद्र राम एवं कोषाध्यक्ष राजू कुमार को बनाया गया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने पूजा को धूमधाम से मनाने को लेकर डाक बढ़कर अपना आर्थिक योगदान भी दिए। साथ ही, पूजा समिति ने ग्रामीणों से सहयोग की आशा जताई है। मौके पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, रामसेवक सोनी, विष्णु रजक, कर्णपुरा महाविद्यालय के प्रिंसिपल कीर्तिनाथ महतो, डॉक्टर बालेश्वर महतो, संदीप कुशवाह, रवि राम, रामपति राम, महेश राम, चेतलाल राम, रामेश्वर राम, सुकेश कुमार, ओमप्रकाश सोनी, राजीव रंजन, राजू सोनी, सावरमल अग्रवाल, आदित्य प्रजापति, अभिषेक राय, शंभू चौरसिया, किशोर कुमार के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

इचाक में मनाया गया गोस्वामी कल्याण फाउंडेशन का 32वां स्थापना दिवस

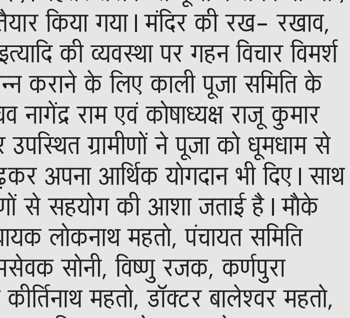

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के इचाक प्रखंड अंतर्गत ग्राम जमुआरी के देवी मंडप में गोस्वामी कल्याण फाउंडेशन का 32 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जितेंद्र गिरी एवं संचालन सुधीर भारती ने किया। बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष उमेश गिरी एवं विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष दीपक गिरी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में गोस्वामी कल्याण फाउंडेशन की ओर से चलाए जा रहे जन कल्याणकारी कार्यक्रम की चर्चा की गई। साथ ही फाउंडेशन के विकास एवं गोस्वामी समाज के विकास को लेकर भावी रणनीति तैयार की गई। इस कार्यक्रम में संगठन की मजबूती पर बल देते हुए प्रदेश अध्यक्ष उमेश गिरी ने कहा की वर्तमान समय में गोस्वामी कल्याण फाउंडेशन को जन-जन तक पहुंचाना फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य है। जिला अध्यक्ष जितेंद्र गिरी ने कहा कि गोस्वामी कल्याण फाउंडेशन हमेशा से ही जनकल्याण को अपना मुख्य लक्ष्य रखा है। यही कारण है कि गोस्वामी कल्याण फाउंडेशन आज जन-जन का आवाज बनते जा रहा है। कार्यक्रम में राजेंद्र गिरी, लक्ष्मण गिरि,राजेश भारती, रामपति गिरी, कृष्ण देव पांडे, रणधीर गिरी, प्रमोद गिरी, विजय गिरी, ईश्वर गिरी, राजेंद्र भारती, रामा नंद भारती, गौतम गिरी, अभिषेक गिरी, अमित गिरी, उज्जवल गिरी, सचिन गिरी, प्रदुमन गिरी, सरवन भारती, रूपेश कुमार गिरी, बेबी गिरी, संजू देवी, कविता देवी, संदीप कुमार गिरी, विकास कुमार गिरी, प्रदीप गिरि, विनोद भारती, ओमप्रकाश भारती सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

एक नजर

मंत्री चमरा लिंडा ने छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा की

रांची : झारखंड के अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने सोमवार को रांची के मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्प्लेक्स में छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी और अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक पिछड़ा वर्ग के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 11.34 लाख छात्रों को लाभ देने का लक्ष्य रखा गया था। अब तक 7.45 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 1202.89 करोड़ की राशि सफलतापूर्वक ट्रांसफर की जा चुकी है। मंत्री लिंडा ने कहा कि करीब 900 करोड़ की राशि केंद्र सरकार से अब तक नहीं मिली है, जिससे बाकी पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति देने में देरी हो रही है। राज्य सरकार ने केंद्र को इस बारे में जानकारी दी है और जल्द राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर का प्रतीक है। राज्य सरकार की पूरी कोशिश है कि कोई भी योग्य छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहे और उनकी पढ़ाई में कोई बाधा न आए। सरकार शिक्षा और छात्रों के भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है।

डीसी के जनता दरबार में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादी

रांची : दुर्गा पूजा के बाद आयोजित जनता दरबार में रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के समक्ष सोमवार को बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। इस अवसर पर अधिकतर शिकायतें ग्रामीण इलाकों से आईं, जिन्हें प्राथमिकता देकर निपटाया गया। जनता दरबार में एक महिला ने सामाजिक सुरक्षा के तहत वृद्धा पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की। उपायुक्त ने सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा को मामले की जांच का निर्देश दिया। जांच में पाया गया कि महिला की पेंशन स्वीकृत थी और बैंक खाते में राशि भी आई थी, लेकिन केवाईसी अपडेट न होने के कारण निकासी में समस्या आ रही थी। उपायुक्त ने संबंधित बैंक को डीबीटी चालू करने का निर्देश दिया। रांची के डोरंडा निवासी एक बुजुर्ग अपने बेटों द्वारा जमीन से बेदखल किए जाने की शिकायत लेकर जनता दरबार पहुंचे। उपायुक्त ने सिटी एसपी और संबंधित अंचल अधिकारी को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एसजीडब्ल्यू.272-252-टी-62, दिनांक 03.10.2025, मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/परियोजना/मुख्यालय, पूर्व रेलवे, तीसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए समतुल्य प्रकृति के कार्य का समुचित अनुभव तथा संतोषजनक न्यूनतम पात्रता के मानदंड रखने वाले अनुभवी एवं स्थापित ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नाम: डेपुटी सीएसटीई/डब्ल्यू/हावड़ा एवं डेपुटी सीएसटीई/डब्ल्यू/III/सियालदह के अधिकार क्षेत्र के अधीन परियोजना पर्यवेक्षण सेवाओं (पीएसएस) की नियुक्ति। कार्य की अनुमानित लागत: रु. 3,90,35,981.76; जमा की जाने वाली बयाना राशि: रु. 3,45,200; कार्य पूरा करने की अवधि: 24 (चौबीस) महीने। प्रस्ताव की वैधता: निविदा खुलने की तारीख से 120 दिन। निविदा दस्तावेज ऑनलाइन जमा करने की अंतिम (बंद होने की) तारीख एवं समय: 05.11.2025 को 15.00 बजे तक। खुलने की तारीख एवं समय: 05.11.2025 को 15.30 बजे। वेबसाइट का पता, निविदा दस्तावेज उपलब्ध होने का समय तथा तारीख: भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर दिनांक 03.10.2025 से। वेबसाइट जहां निविदा बोली जमा की जा सकती है: 1. बोलियां सिर्फ ऑनलाइन जमा की जानी चाहिए। 2. ई-निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए निविदादाताओं को भारतीय रेल की ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) साइट यानी www.ireps.gov.in पर पंजीयन करवाना अनिवार्य है। आवश्यक परिवर्तन, संशोधनी/संयोजनी, आवश्यकता पड़ने पर, सिर्फ इस वेबसाइट पर जारी की जाएगी। 3. बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। 4. इस निविदा के लिए मैनुअल बोली/प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। 5. रेलवे बोर्ड पत्रांक 2017/ट्रांस/01/पॉलिसी/पीटी-एस दिनांक 28.03.2018 के अनुसार कार्य अनुबंध (रु. 50.00 करोड़ अथवा अधिक) के लिए इलेक्ट्रॉनिक रिवर्स ऑक्शन (ई-आरए) लागू है।

(CON-44/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

स्वदेशी से ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू, केंद्रीय राज्यमंत्री संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, चंपई सोरेन समेत कई सांसद, विधायक और पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भारत स्वदेशी आंदोलन के बल पर ही आत्मनिर्भरता के संकल्प को सिद्ध करेगा। उन्होंने कहा कि ह्लस्वदेशी भाव भारत की आत्मा है। इसी भावना के क्षीण होने से देश ने वर्षों की गुलामी झेली। मरांडी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में स्वदेशी भाव ने ही जन-

जन को जोड़ा – चाहे नमक आंदोलन हो, सत्याग्रह या भारत छोड़ो आंदोलन। चरखा और खादी उसी स्वदेशी अभियान के प्रतीक थे। उन्होंने बताया कि प्राचीन भारत की आर्थिक स्थिति विश्व में अग्रणी थी – मौर्य काल में भारत की विश्व जीडीपी में 33% हिस्सेदारी थी, जो औपनिवेशिक शासन के दौरान घटकर 4% रह गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने आजादी के बाद भी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, जबकि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से स्वावलंबी बन रहा है।

भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है : आदित्य साहू

प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति कर रहा है। उन्होंने बताया कि आज भारत में बिकने वाले 99.2% मोबाइल मेड इन इंडिया हैं। खिलौना निर्यात 239% बढ़ा है, फार्मा सेक्टर में भारत अमेरिका को 40% और ब्रिटेन को 25% दवाएं निर्यात कर रहा है। टेक्सटाइल में भारत छठा बड़ा निर्यातक और ट्रैक्टर निर्माण में पहला देश बन चुका है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान चौतरफा प्रयासों से ही साकार होगा।

मोदी सरकार ने आपदा को अवसर में बदला : संजय सेठ

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने कहा कि मोदी सरकार ने संकट के दौर में भी आत्मनिर्भरता का रास्ता चुना। उन्होंने बताया कि सितंबर माह में 1.81 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ, जो आर्थिक सशक्तता का संकेत है। भारत में आज 1.92 लाख स्टार्टअप, 6 करोड़ से अधिक एमएसएमई और आत्मनिर्भर नौसेना देश की शक्ति का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जैसे नेतृत्व के कारण ही भारत आज आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि 10 से 15 अक्टूबर के बीच सभी विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलन आयोजित होंगे, जो स्वदेशी आंदोलन को नई ऊर्जा देंगे। वहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम ने कहा कि जीएसटी सुधार और स्वदेशी अभियान एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की आर्थिक नीतियों से जनता की क्रयशक्ति बढ़ी है, जिससे स्वदेशी उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी।

झारखंड के 17 जिलों में सात को गर्जन के साथ तेज हवा चलने का येलो अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के 17 जिलों में मंगलवार को गर्जन के साथ तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। इस दौरान कहीं कहीं पर हल्की बारिश भी हो सकती है। यह जानकारी मौसम विभाग ने सोमवार को दी। विभाग के अनुसार जिन जिलों में गर्जन के साथ तेज हवा चलने की आशंका है उनमें झारखंड के उत्तर पूर्वी जिलों (देवघर, दुमका, जामताड़ा, सिमडेगा, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा) को छोड़कर शेष सभी जिले शामिल हैं। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और गुनगुनी धूप खिली रही। ऐसे में लोगों को लगातार हो रही बारिश

से राहत मिली और लोगों ने अपना दिनचर्या पूरा किया। 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान जमशेदपुर में 33. 2 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 19. 2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस दौरान रांची में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री, डाल्टनगंज में 30.1 डिग्री, बोकारो में 30.5 डिग्री, चाईबासा में 30.8, 28.3 डिग्री और लोहरदगा में अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

जंगल सिकुड़ रहा, सरकार कर रही जल जंगल, जमीन की बात : पंकज मिश्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखण्ड में जंगल सिकुड़ रहे हैं। सघन वन क्षेत्र में भारी कमी आयी है। दूसरी तरफ सरकार जल, जंगल, जमीन को बचाने का दावा करती है। आंकड़ो के साथ सरकार के दावों का मिलान करने पर तस्वीर चौकाने वाली है, जो अधिकारियों की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है। जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव पंकज मिश्र ने झारखण्ड सरकार को वन क्षेत्र का वास्तविक आकलन करा कर जनता के बीच रखने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 में झारखण्ड के 22,531 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र था. वर्ष 2015 में मामूली

वृद्धि के साथ 23,478 वर्ग किलोमीटर हुआ। इसमें से 70 फीसदी क्षेत्र को सघन वन क्षेत्र माना जाता था। लगभग 18,000 वर्ग किलोमीटर सघन वन क्षेत्र था। फॉरेस्ट सर्वे आफ इंडिया और स्टेट आफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में महज 2,588 वर्ग किलोमीटर ही सघन वन क्षेत्र है, जो कुल वन क्षेत्र का महज 3.25 फीसद ही है। जंगल बचाने के नाम पर करोडो का बजट प्रति वर्ष बनाया जाता है। जबकि जंगल सिकुड़ा जा रहा है। खुले वन और सामान्य वन क्षेत्र में भी भारी गिरावट आयी है। श्री मिश्र ने वन अधिकारियों पर आंकडों के साथ खेलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी दस वर्षों से उतना ही वन क्षेत्र दर्शा रहें हैं जो 2015 में बताए थे। जयप्रकाश जनता दल भ्रष्टाचार के खिलाफ है और सरकार से वन क्षेत्रों का आकलन करा कर वास्तविक स्थिति की जानकरी मांगती है। वर्तमान स्थिति को देखकर सरकार का जल , जंगल जमीन को बचाने का दावा खोखला साबित हो रहा।

कफ सिरप से बच्चों के प्रभावित होने की खबर के बाद रांची जिला प्रशासन अलर्ट

बिना डॉक्टर की पर्ची के कफ सिरप की बिक्री पर रोक, जांच के निर्देश जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कफ सिरप के सेवन से बच्चों के प्रभावित होने की खबरों के बाद रांची जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने इस संबंध में सिविल सर्जन रांची को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि जिले में किसी भी बच्चे के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने निर्देश दिया है कि बिना डॉक्टर की पर्ची के किसी भी मेडिकल स्टोर में कफ सिरप की बिक्री नहीं की जाएगी। सिविल सर्जन के माध्यम से सभी चिकित्सकों को यह भी निर्देशित किया गया है कि वे केवल उन्हीं आयु वर्ग के बच्चों को कफ सिरप दें जिनमें किसी प्रकार के दुष्प्रभाव की संभावना न हो। जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले मेडिकल स्टोर या चिकित्सक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही कफ सिरप की गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच हेतु सिविल सर्जन के माध्यम से बाजार में उपलब्ध विभिन्न ब्रांडों के सैंपल की जांच कराई जाएगी। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे डॉक्टर की सलाह के बिना बच्चों को कोई भी कफ सिरप न दें।

प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष बने शिशिर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डिजिटल पंचायत सचिवालय प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ की ओर से सोमवार को ओरमांझी में बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से शिशिर टोप्पो (सिमडेगा) को संघ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा संघ में रामरेख यादव (देवघर) को सचिव, सन्नी पाट पिंगुआ (पश्चिम सिंहभूम) को कोषाध्यक्ष, अमरनाथ गुप्ता (गुमला) को मीडिया प्रभारी, अमित चंद्रवंशी (बोकारो) और शिव नायक (रांची) को उपाध्यक्ष एवं अमीर राज पांडेय (धनबाद) को सह सचिव मनोनीत किया गया। साथ ही संगठन के कार्यों को दिशा देने और निर्णयों को सुचारू रूप से लागू करने के लिए प्रदेश कोर कमिटी का गठन किया गया है। इसमें कपिलदेव शुक्ला, विनय दे, मृणाल कांति पाल, तपन मंडल, फनी भूषण महतो, नवीन कुमार, मुदस्सर नजीर, संगम गहलोत, रविकांत शाह, पुरुषोत्तम दास, वीरेन्द्र प्रसाद, रमेश पटेल, इरफान अंसारी और ब्रजेश प्रजापति को शामिल किया गया है। बैठक की अध्यक्षता पलामू जिले के प्रज्ञा केंद्र संचालक कपिलदेव शुक्ला ने की। उन्होंने कहा कि डिजिटल पंचायत सचिवालय गांवों को शासन से जोड़ने की सबसे अहम कड़ी है। प्रज्ञा केंद्र संचालक न केवल तकनीकी सेवाओं के वाहक हैं, बल्कि वे गांवों में शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बैठक में प्रज्ञा केंद्र संचालकों की समस्याओं, मानदेय, तकनीकी सहायता, पंचायत स्तर पर डिजिटल सेवाओं के प्रसार और सरकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन पर व्यापक चर्चा की गई।

रांची के सदर अस्पताल में पहली बार बाईं ओर के गॉलब्लैडर का हुआ सफल ऑपरेशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के सदर अस्पताल के लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में नई उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल में पहली बार ऐसे मरीज का ऑपरेशन किया गया, जिसके शरीर के सभी प्रमुख अंग अपनी सामान्य स्थिति से उल्टी दिशा में थे। चिकित्सा विज्ञान में इसे कंप्लीट साइटस इनवर्सस कहा जाता है। यह अत्यंत दुर्लभ स्थिति है, जो लगभग 10 हजार से 20 हजार मरीजों में से किसी एक में पाई जाती है। इस जटिल केस का सफल ऑपरेशन अस्पताल के एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ अजीत कुमार के नेतृत्व में किया गया। मरीज बी बाड़ा, जो बेड़ो थाना क्षेत्र के ईंटा चिंद्ररी, रांची की

निवासी हैं और वर्तमान में मोरहाबादी में रहती हैं, पिछले दो से तीन महीनों से पेट दर्द से परेशान थीं। जांच में पता चला कि उन्हें एक्यूट पेनक्रिएटाइटिस हुआ है और उनके गॉलब्लैडर (पीत की थैली) में कई पत्थर हैं। विशेष बात यह थी कि उनका गॉलब्लैडर शरीर के बाएं हिस्से में स्थित था, जबकि सामान्य रूप से यह दाईं ओर होता है। बाद में ईको और सीटी स्कैन से पुष्टि हुई कि मरीज को कंप्लीट साइटस इनवर्सस है। उनका हृदय दाईं ओर था और अन्य आंतरिक अंग भी उल्टी दिशा में स्थित थे। इस कारण सर्जरी तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि सर्जन को सामान्य स्थिति के विपरीत दिशा से खड़े होकर ऑपरेशन करना पड़ा। सदर अस्पताल की टीम ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को पूरी सफलता के साथ अंजाम दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति स्थिर बताई गई है। सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरी तरह निःशुल्क की गई। मरीज के पति जोसेफ उरांव, जो किसान हैं, ने सदर अस्पताल प्रशासन और डॉ अजीत कुमार की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में उन्हें मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिला, जिसके लिए वे सदर अस्पताल के सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को धन्यवाद देते हैं। ऑपरेशन टीम में डॉ अजीत कुमार (एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन), डॉ वसुधा गुप्ता और डॉ विकास बल्लभ (एनेस्थेटिस्ट), सिस्टर स्नेह लता, एवं ओटी स्टाफ संदीप, संतोष, सृष्टि, सुरेश, अमन, विरंजन, कल्पना और नंदिनी शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

अग्रसेन भवन में लगे स्पार्कल मेले का हुआ उदघाटन

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच सृजन शाखा की ओर से आयोजित दो दिवसीय स्पार्कल मेला का शुभारंभ सोमवार को महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने फीता काटकर मेले का औपचारिक उद्घाटन किया। इस दौरान शाखा अध्यक्ष नेहा सरावगी , शाखा सचिव रीता मोदी और कोषाध्यक्ष निधी शर्राफ भी मौजूद थे। इस दौरान राशि सरावगी ने गणेश वंदना की। मौके पर महुआ माजी ने महिला उद्यमियों के लिए सरकार की नई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराती है और विदेश में एग्ज़िबिशन लगाने वाली महिला उद्यमियों को यातायात में रियायत दी जाती है। उन्होंने मेले में स्टॉल लगाने वाली सभी महिलाओं का उत्साहवर्धन किया और सृजन शाखा की बहनों के कार्यों की सराहना की। सृजन शाखा की सचिव रीता मोदी ने बताया कि मेले में कुल 55 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां दिवाली के त्योहार से संबंधित विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी की जा सकती है। इसके अलावा, मेले में लजीज व्यंजन भी उपलब्ध हैं। इससे लोग खरीदारी के साथ-साथ स्वादिष्ट भोजन का भी आनंद ले सकते हैं। मंच संचालन पूजा डालमिया ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मंत्री अनिल अग्रवाल, मारवाड़ी महिला मंच की सदस्यों की भागीदारी है। मौके पर अमिता केडिया, राशी सरावगी, शालू सिंघानिया, नम्रता बगला, सोनल अग्रवाल, श्वेता सरावगी, अनामिका केडिया, आकृति सिंघानिया, सोनम सरावगी, शिखा सुरेका, सोनल जैनसहित अन्य मौजूद थे।

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शरद पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया गया

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में शरद पूर्णिमा उत्सव बड़े हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्याम बाबा को श्वेत पोशाक में सजाया गया और श्वेत पुष्पों की मोटी-मोटी मालाओं व श्वेत आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया। रात्रि में श्वेत प्रसाद और काजू का भोग लगाया गया। यह विशेष श्रृंगार

साल में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही किया जाता है। दिन के 12:15 बजे विश्राम आरती के बाद मंदिर के पट बंद कर दिए गए। दोपहर में मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका और कोषाध्यक्ष मनोज खेतान की देखरेख में बाबा श्याम का दिव्य श्रृंगार संपन्न हुआ। इस दौरान कोलकाता, बेंगलुरु, रायपुर और दिल्ली से मंगाई गई क्रिस्टनमम, ऑर्किड, गुलाब, जिप्सी और रजनीगंधा की मालाओं से भगवान का सज्जा किया गया। गर्भगृह की सभी लाइटों को श्वेत रंग में बदल दिया गया। संध्या 5:00 बजे के बाद भक्तों ने बाबा श्याम के दर्शन कर भाव विभोर होकर *जय खाटू नरेश* के जयघोष किए। रात्रि 9:00 बजे विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। ओमप्रकाश कश्यप ने अखंड ज्योति प्रज्वलित की और मेवा प्रसाद का भोग लगाया। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया ने गणेश वंदना के साथ भजन कार्यक्रम शुरू किया। इसके बाद पंकज गाड़ोदिया, श्यामसुंदर शर्मा, राजेश चौधरी, प्रवीण अग्रवाल, सलज अग्रवाल, राजेश ढांढनिया और अन्य ने भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं। मंदिर की सभी व्यवस्थाओं की देखरेख महामंत्री गौरव अग्रवाल ने की। विशेष प्रसाद की सेवा शारदा मोदी, निर्मल मोदी, अलका मोदी द्वारा की गई, जबकि बागा सेवा में सीताराम साहू, प्रभा देवी, पवन गुप्ता और विशेष श्रृंगार की सेवा ओमप्रकाश कश्यप, नीलम सिंह, रोहित रंजन ने निभाई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा पर उठाए सवाल

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर धार्मिक स्थलों की सुरक्षा में भेदभाव करने का आरोप लगाया है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को लिखा है कि राज्य में आदिवासियों के सरना स्थल, मसना स्थल, हड़गड़ी और जाहरथान जैसे धार्मिक स्थलों पर लगातार अतिक्रमण और हमले हो रहे हैं। लेकिन सरकार ने कभी भी इनकी सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठाया। मरांडी ने कहा कि अब सिमडेगा में चर्च की सुरक्षा के लिए प्रशासनिक अधिकारी ईसाई धर्मगुरुओं के साथ बैठक कर रहे हैं, जो एकतरफा कार्रवाई है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर चर्च को ही विशेष सुरक्षा की जरूरत क्यों महसूस की जा रही है। क्या यह मतांतरण कराने वाले गिरोहों को सुरक्षा देने की तैयारी है। सिमडेगा में लगभग 51 प्रतिशत आबादी का ईसाई धर्म में मतांतरण हो चुका है, जिसे लेकर लोगों में संदेह है। मरांडी ने कहा कि मतांतरण कराने वाले गिरोह 'चंगाई सभा' के नाम पर भोले-भाले आदिवासियों को धर्मांतरण करा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि अगर सुरक्षा व्यवस्था करनी ही है, तो सिर्फ चर्च के लिए क्यों। सरना, मसना, हड़गड़ी स्थल, जाहेरथान, मांझी थान, मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारों की सुरक्षा की चिंता क्यों नहीं है। उन्होंने कहा कि सिमडेगा में होने वाली बैठक का मूल एजेंडा सार्वजनिक किया जाए या फिर सभी धर्म-समाज के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उन सबके धर्मस्थलों की सुरक्षा पर चर्चा की जाए। उल्लेखनीय है कि सिमडेगा जिले के उपायुक्त कार्यालय के गोपनीय शाखा से एक पत्र जारी किया गया है। इस बैठक में चर्चों में सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक प्रशासनिक सहयोग पर चर्चा किया जाना है। यह बैठक 15 अक्टूबर को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में 11 बजे से बुलाया गया है।

आजसू ने की केंद्रीय समिति और रांची महानगर के नए पदाधिकारियों की घोषणा

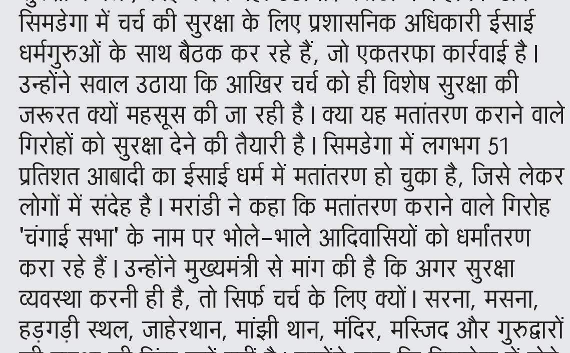

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के निर्देश पर पार्टी की केंद्रीय समिति और रांची महानगर संगठन का विस्तार किया गया है। इस विस्तार के तहत नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान ने बताया कि पार्टी संगठन को और मजबूत करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

ईएसएल वॉकाथॉन फिटनेस, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : वेदांता स मूह की इकाई ईएसएल स्टील लिमिटेड की ओर से आज बोकारो में ईएसएल वॉकाथॉन का भव्य आयोजन किया गया। फिटनेस, एकता और सामुदायिक भावना को समर्पित इस आयोजन में बोकारोवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नया मोड़ से हुआ और समापन लाल बहादुर शास्त्री चौक, सेक्टर 6 पर किया गया। लगभग 300 से अधिक प्रतिभागियों ने इस उत्साहपूर्ण वॉकाथॉन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवीण सिंह साथ ही ईएसएल स्टील लिमिटेड के डिप्टी सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने वॉकाथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा हमारा उद्देश्य केवल फिटनेस तक सीमित नहीं है। अभियान के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे देश का कोई भी बच्चा भूखा न सोए। उन्होंने आगे बताया कि वेदांता समूह ने एक अनोखे मोबाइल ऐप से साझेदारी की है, जिसके जरिए लोग चलने या दौड़ने से भी समाज में योगदान दे सकते हैं। हर किलोमीटर के साथ, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के माध्यम से नंद घर पहल के तहत एक बच्चे के लिए एक भोजन प्रदान किया जाता है। इस तरह हर कदम दया और सेवा का प्रतीक बन जाता है।

यह पहल देशव्यापी का हिस्सा है, जो पिछले 5 वर्षों से दिल्ली हाफ मैराथन से जुड़ा हुआ है। इस वर्ष का मुख्य आयोजन 12 अक्टूबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष वेदांता समूह ने 1 करोड़ से अधिक भोजन प्रदान किए थे और इस वर्ष भी इसी लक्ष्य को दोहराने का संकल्प लिया गया है। केवल बोकारो स्थित ईएसएल इकाई ने अब तक 1,17,000 भोजन का योगदान दिया है, जो कर्मचारियों की सामाजिक प्रतिबद्धता और फिटनेस के प्रति समर्पण को दशार्ता है।

10 किलोमीटर की इस वॉकाथॉन में ईएसएल के कर्मचारियों ने ऊजार्वान भागीदारी दिखाई।

वॉकाथॉन के विजेताओं की सूची इस प्रकार रहीः

प्रथम स्थानः लगन हास्ते, द्वितीय स्थानः रविंद्र कुमार पांडे ,तृतीय स्थानः जोसे एस. एल तीनो ही सिक्योरिटी विभाग में कार्यरत है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में चंदन दुबे उपस्थित रहे।

साथ ही ईएसएल के वरिष्ठ नेतृत्व टीम के सदस्यः

आशीष भारद्वाज, सुश्री श्यामली मिन्ज, संजय सिन्हा, अनुप सिंह नागी, संजीव तिवारी, सुकांता बिस्वाल, दुर्गा प्रसन्न पांडा एवं जगेश्वर प्रसाद वर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और सभी प्रतिभागियों के उत्साह एवं समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम का समापन जोश, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ हुआ। सभी प्रतिभागियों ने एक स्वर में संदेश दियाः सच्ची सफलता वही है, जब हम फिट रहें और समाज की सेवा करें।

एक नजर

मुकेश अग्रवाल बनेंगे रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष

बोकारो : रोटरी क्लब चास के बोर्ड सदस्यों की एक बैठक कल दिनांक 5 अक्टूबर 2025 को अध्यक्ष डिंपल कौर के अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से मुकेश अग्रवाल को क्लब के आगामी सत्र 2026-2027 के लिए अध्यक्ष चुना गया। इस संबंध में रोटरी जिला 3250 को भी औपचारिक सूचना दे दी गई है। मुकेश अग्रवाल रोटरी क्लब से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। वे सत्र 2024-2025 में क्लब के सचिव पद की जिम्मेदारी भी सफलता पूर्वक निभा चुके हैं। वर्तमान में वे बोकारो चेंबर के सचिव भी है । उनकी समर्पित कार्यशैली और सेवा भावना को देखते हुए उन्हें अध्यक्ष पद की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपने चयन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुकेश अग्रवाल ने कहा,मैं इस जिम्मेदारी के लिए क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं। रोटरी की परंपराओं और सेवा मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए मैं पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करूंगा। इस अवसर पर क्लब के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद , पूर्व अध्यक्षगण -मनोज चौधरी, सिद्धार्थ पारख, पूजा बैद,नरेंद्र सिंह,कमल तनेजा,विनय सिंह, कुमार अमरदीप एवं विनोद चोपड़ा, सचिव श्वेता रस्तोगी, डॉ परिंदा, डॉ श्रवण कुमार, चनप्रीत सिंह सहित अनेक सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

डुमरी विधायक जय राम महतो की हत्या की सुपारी डेढ़ करोड़ रुपये में दी गई थी

बोकारो : झारखंड में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का एकमात्र विधायक और पार्टी का संस्थापक जयराम महतो की हत्या करने के लिए माफिया ने डेढ़ करोड़ रुपए की सुपारी दी थी। डुमरी विधायक जयराम महतो ने इसका खुलासा एक आमसभा में की है। विधायक जयराम महतो ने कहा कि कुछ दिन पहले उसके पास दो लोग आए और कहा कि आपकी हत्या करने की सुपारी डेढ़ करोड़ रुपए में हम लोगों को दी गई है । आपसे आग्रह है कि आप अपनी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर ले। उन लोगों ने यह भी बताया कि गिरोह के सरगना को हत्या करने की सुपारी दी गई है । उसके मुखिया ने कहा है कि जयराम महतो में हमारे बचपन की याद आती है , इसलिए उन्हें इसकी गुप्त सूचना दे दी जाए । इसीलिए उसने दो लोगों को गुप्त सूचना देने के लिए उसे भिजवाया था । महतो ने कहा है कि अगर हमारी हत्या हो जाती है, तो झारखंड में भूचाल आ जाएगा।

बीएसएल के चिकित्सा और सुरक्षा विभाग में 08 पदाधिकारीयों ने दिया योगदान

बोकारो : सोमवार को अक्टूबर को बी एस एल के चिकित्सा और सुरक्षा विभाग में पदस्थापित 08 पदाधिकारियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में एक सप्ताह का लोकल इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक सुश्री नीता बा उपस्थित थीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री नीता बा ने सुरक्षा शपथ के बाद सभी पदाधिकारीयों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए बोकारो स्टील प्लांट में उनका स्वागत किया और बदलते तकनीकी परिवेश के अनुसार पदाधिकारीयों को अपनी दक्षता को बढाने हेतु प्रेरित किया।

रेलवे कॉलोनी से रेलकर्मी का फंदे से झूलता शव बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बालीडीह थाना क्षेत्र स्थित रेलवे कॉलोनी के एक सरकारी क्वार्टर से एक रेलकर्मी का शव फंदे से झूलता हुआ बरामद किया गया है। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के कांटाडीह निवासी दुलाल मंडल के रूप में हुई है, जो बोकारो में पदस्थापित थे। पैकेजः मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह रेलवे कॉलोनी में स्थित एक आवास से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बालीडीह थाना पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां रेलकर्मी दुलाल मंडल का शव फंदे से झूलता मिला। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को मच्युर्री में रखवाया गया। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है, जो बोकारो पहुंच चुके हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल घटना की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

इलाज में लापरवाही से महिला की मौत मेडिकेंट हॉस्पिटल पर परिजनों का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एनएच 23, सेक्टर 12, बियाडा स्टाफ कॉलोनी स्थित विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा एवं इलाज की दावा करने वाली मेडिकेंट सुपर स्पेशलिटी कैंसर हॉस्पिटल पर एक बार फिर इलाज में लापरवाही से मौत का आरोप लगा है। परिजनों के अनुसार राणा प्रताप नगर, चास निवासी सुषमा देवी को मल-मूत्र त्याग में परेशानी थी। 29 सितम्बर को उन्हें बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां संबंधित रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर की अवकाश में होने के कारण हॉस्पिटल प्रबंधन ने मरीज को किसी अन्य अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। जिसके बाद 02 अक्टूबर को परिजनों ने सुषमा देवी को मेडिकेंट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां 04 अक्टूबर को उनका ऑपरेशन किया गया। पति संजीव कुमार सिंह ने बतलाया कि ऑपरेशन के उपरांत डॉक्टर रवि रंजन ने खुद बतलाया कि मरीज का ऑपरेशन सफल हो गया है। देर शाम सुषमा को ओपीडी में शिफ्ट कर दिया जाएगा । जब परिजनों ने सुषमा से मिलने की बात कही तो हॉस्पिटल प्रबंधन कुछ न कुछ बहाना जैसे अभी बेड चेंज हो रहा है आदि कह कर परिजनों को मरीज से मिलने नहीं दिया गया। देर रात परिजनों से कहा गया कि देर रात हो गई है पेशेंट सो गया है ।आप लोग सवेरे आ कर मिल लीजिएगा। दो अटेंडेंट को छोड़ सभी आश्वस्त हो घर लौट गए। रात भर दोनों अटेंडेंट को भी मरीज से मिलाया नहीं गया। अगले दिन सवेरे 6 बजे डॉक्टरों ने सूचना दी कि मरीज सुषमा की हार्ट फ्लेयर से मौत हो गई है।

संघ शताब्दी वर्ष पर झुमरी तिलैया में भव्य पथ संचलन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष उत्सव के अवसर पर झुमरी तिलैया नगर में रविवार को भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक आयोजन नगरवासियों के लिए गौरव का क्षण रहा, जब सैकड़ों गणवेशधारी स्वयंसेवक राष्ट्रीय धुन पर कदमताल करते हुए अनुशासन और एकता का संदेश देते सड़कों पर उतरे। पथ संचलन का शुभारंभ ग्रैंड सूर्या होटल के प्रांगण से हुआ, जो स्टेशन रोड, ओवरब्रिज, झंडा चौक, स्मार्ट बाजार, पूर्णिमा टॉकीज, सामंतो पेट्रोल पंप, महाराणा प्रताप चौक होते हुए होटल विराज तक निकाला गया। इस दौरान नगर का वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत रहा। स्वयंसेवकों का स्वागत नगर के विभिन्न चौक-चौराहों पर भारत विकास परिषद, जैन समाज, अग्रवाल समाज, माहुरी समाज, प्रेरणा शाखा, मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मोहन आधारशिला, विश्व हिंदू परिषद, पतंजलि योग समिति, मारवाड़ी युवा मंच, बिंहगम योग संस्थान, गायत्री परिवार, सांवरे कि संखिया,मातृशक्ति, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, भाजपा महिला मोर्चा सहित कई सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय सिंह रहे, जबकि मुख्य बौद्धिक सत्र का संचालन प्रांत कार्यवाह संजय कुमार ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 1925 में डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य व्यक्ति के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण करना है। संघ बिना किसी स्वार्थ के राष्ट्र सेवा के कार्य में निरंतर लगा है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 100 वर्षों में संघ ने समाज को संगठन, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ा है। आज संघ के विचारों को देशभर में स्वीकृति और सम्मान मिल रहा है क्योंकि यह विचार भारत की जड़ों, संस्कृति और सभ्यता से जुड़ा है।

सैनिक स्कूल तिलैया में आयोजित शिविर एक भारत श्रेष्ठ भारत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नेशनल लेवल कैंप एक भारत श्रेष्ठ भारत-1/25 बिहार एंड झारखंड निदेशालय के तत्वाधान में ग्रुप हेड क्वार्टर हजारीबाग के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एस गोपीकृष्णन सेना मेडल के नेतृत्व में 45 झारखंड बटालियन एनसीसी कोडरमा के कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार सेना मेडल के मार्गदर्शन में सैनिक स्कूल तिलैया के प्रांगण में आयोजित शिविर एक भारत श्रेष्ठ भारत-1/25 के पहले दिन भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों से आए 600 एनसीसी कैडेट का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना, पश्चिम बंगाल , बिहार एवं झारखंड के विभिन्न ग्रुपों से आए एनसीसी कैडेटो के आगमन के पश्चात शिविर में रहने की व्यवस्था की गई है इस शिविर में भिन्न-भिन्न राज्यों से 10एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर 4 गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर जूनियर कमीशन ऑफिसर परमानेंट इंस्ट्रक्टर कैंप के सफल आयोजन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर के एनसीसी ऑफिसर सह नोडल ऑफिसर मीडिया लेफ्टिनेंट संतोष कुमार ने बताया बताया कि एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप का मुख्य उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों से आए एनसीसी कैडेट एक दूसरे राज्य के संस्कृति परंपरा रीति रिवाज का इस शिविर के माध्यम से आदान-प्रदान होता है इस शिविर के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है भिन्न-भिन्न भिन्न-भिन्न राज्यों से आए एनसीसी कैडेट को भिन्न-भिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेने का अवसर मिलता है जिसके अंतर्गत वेपन डिस्प्ले स्पोर्ट्स कंपटीशन नेशनल इंटीग्रेशन अवेयरनेस प्रोग्राम रीजनल फेस्टिवल ग्रुप सॉन्ग ग्रुप डांस क्विज कंपटीशन इंटरग्रुप एक्टेंपोर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आदि गतिविधियों की जाएगी एक बात श्रेष्ठ भारत 1/ 25 मैं अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

समाहरणालय में अनटाइड फंड और विकास योजनाओं की हुई समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में योजना एवं विकास शाखा तथा सभी इंजीनियरिंग विंग के साथ अनटाइड फंड, डीएमएफटी, सीएसआर, सांसद निधि एवं विधायक निधि की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत पूर्व में दिए गए निदेशों पर की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा से हुई। अनाबद्ध निधि के अंतर्गत भवन प्रमंडल, लघु सिंचाई, नगर परिषद, ग्रामीण विशेष प्रमंडल, जिला परिषद, खेल एवं पर्यटन विभाग, नगर पंचायत तथा पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल सहित अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने सभी कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को शीघ्रता से पूर्ण करें। कोई भी निर्माण कार्य लंबित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। राज्य योजना एवं अनाबद्ध निधि के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उपायुक्त महोदय ने डीएमएफटी से संबंधित आय एवं व्यय की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी संबंधित विभाग रॉयल्टी की राशि समय पर जमा करें। डीएमएफटी के तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2025-26 तक कराए गए योजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया कि किचन शेड निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। माननीय सांसद की अनुशंसा पर स्वीकृत योजनाओं में से लंबित योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा निर्माण कार्य में तेजी लाने पर बल दिया गया। भवन प्रमंडल को क्रियाशील एवं निमार्णाधीन योजनाओं की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। विकास शाखा को निर्देशित किया गया कि सभी इंजीनियरिंग विंग को योजनाओं से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। इसके अतिरिक्त, माननीय सांसद द्वारा अनुशंसित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर हुआ हमला न्यायपालिका की गरिमा पर हमला है : माकपा

कोडरमा : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर जूता फेंकने की निंदनीय घटना की कड़ी भर्त्सना की है। माकपा के राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय पासवान ने बयान जारी कर कहा कि यह घटना न केवल न्यायपालिका की गरिमा पर हमला है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति बढ़ती असहिष्णुता का गंभीर संकेत भी है। यह अत्यंत आपत्तिजनक और स्तब्ध कर देने वाली बात है कि सर्वोच्च न्यायालय की खुली अदालत में एक अधिवक्ता द्वारा मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंका गया और सनातन धर्म के नाम पर नारेबाजी की गई। यह कृत्य न्यायालय की गरिमा और शुचिता पर सीधा प्रहार है। सीपीएम की पोलित ब्यूरो ने मांग की है कि इस घटना में शामिल अधिवक्ता, जो सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन में पंजीकृत हैं और जिन्हें हिरासत में लिया गया है, के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पोलित ब्यूरो ने कहा है कि हाल के दिनों में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और पार्टी नेताओं द्वारा खुलेआम किए जा रहे जातिवादी, मनुवादी और सांप्रदायिक बयानों ने ऐसे असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहित किया है। समाज में नफरत और विभाजन फैलाने वाले ये विचार न्यायपालिका सहित सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बनाने और उन्हें ध्वस्त करने की साज़िश का हिस्सा है। सीपीएम का मानना है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता, गरिमा और संविधान के मूल्यों की रक्षा करना हर नागरिक और राजनीतिक दल का दायित्व है।

हत्या को लेकर मृतक के परिजन ने किया सड़क जाम, वाहनों की लगी लंबी कतार

डोमचांच : प्रखंड के पुरनाडीह निवासी अशोक राणा उर्फ कारु राणा पिता स्वर्गीय बद्री राणा उम्र लगभग 40 वर्ष का शरीर अचेत अवस्था में पुरनाडीह जल मीनार के पास पाया गया बताते चलें कि अशोक राणा उर्फ कारू राणा विगत रविवार को सुबह करीब 9:00 बजे दिन अपने घर से निकला शाम को जब अशोक राणा घर नहीं लौटा तो उसके घर वाले उसकी खोजबीन करने लगे जब पुरनाडीह जल मीनार के पास ग्रामीणों के द्वारा अशोक राणा को गंभीर घायल अवस्था मे सोमवार के सुबह देखा गया इसके बाद परिजन आनन-फानन में टेंपो पर उन्हें सदर अस्पताल कोडरमा ले गए जहां डॉक्टर इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया मौत की सूचना सुनते ही परिवार पर पहाड़ टूट गया। मृतक के परिजन रो रो कर बुरा हाल कर लिए इतना ही नहीं कोडरमा गिरिडीह मुख्य मार्ग को जाम कर दिए और कहने लगे कि जब तक अपराधी का पता नहीं चलेगा तब तक जाम नहीं हटेगा। घटना एवं जाम की सूचना मिलते ही नवलशाही थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार अपने दल बल के साथ जाम स्थल पर पहुंचे मृतक के परिजन से बात किये। मृतक की पत्नी,मां ने पुलिस प्रशासन को जानकारी दिया की अज्ञात लोग ने अशोक राणा को बेरहमी से मार कर घायल अवस्था मे फेंक दिया गया है जब शव पोस्टमार्टम होकर आया तो मृतक अशोक राणा के शव के साथ मृतक के परिजन एवं ग्रामीण सड़क जाम कर दिए .मृतक अपने पीछे विधवा मां सरस्वती देवी,पत्नी गीता देवी,पुत्र अंकित कुमार,पुत्री अंजली कुमारी,आभा कुमारी को छोड़कर चले गए। मृतक के पुत्र अंकित के द्वारा नवलशाही थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाया है। लगभग 5 घंटे का जाम से दोनों और दो-दो किलोमीटर की वाहनों की लंबी कतार लग गई। नवलशाही थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार के अथक प्रयास एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कोडरमा के दूरभाष से आश्वासन के बाद मृतक के परिजन एवं ग्रामीण ने जाम को हटा लिया मौके पर पुरनाडीह मुखिया पप्पू कुमार,पूर्व मुखिया ईश्वर साव,पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि पवन राना, संजय साव मुन्ना पंडित, पवन पासवान,बैजनाथ राणा सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

शहर स्तरीय गीता पाठ प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई अद्भुत प्रतिभा, 36 हुए सम्मानित

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में आज शहर स्तरीय गीता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के स्वामी तपोवन हॉल में किया गया, जिसमें जिले के आधा दर्जन से अधिक विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। कुल 120 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी वाचन कला और याददाश्त का शानदार प्रदर्शन किया, जिनमें से 36 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय, कोषाध्यक्ष श्री रावत, सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार व समन्वयक श्री संजीव मिश्रा उपस्थित रहे ।निर्णायक मंडल और परिणामविजेताओं का चयन उच्चारण, प्रस्तुति और शुद्धता के आधार पर किया गया। प्रत्येक ग्रुप के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो 14 अक्टूबर को रांची में आयोजित होगी। निर्णायक मंडली में श्री आर.के. झा, डॉक्टर शशिकांत पांडे, श्रीमती तिलोत्तमा कोचगवे, श्रीमती सविता प्रामाणिक, श्री नर्मेंद्रा कुमार, स्वामिनी संयुक्तानंदा और श्रीमती जया शामिल रहीं ।गीता पाठ से नैतिकता और संस्कृति का प्रसारआचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने कहा कि गीता-चैटिंग प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को भारत की महान संस्कृति, ₹वसुधैव कुटुम्बकम्₹ और ₹सर्वे भवन्तु सुखिन:₹ जैसे जीवन मंत्रों से परिचित कराना है। यही संस्कार भारत को पुन: विश्वगुरु की पदवी दिला सकते हैं ।विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय ने बच्चों की निष्ठा व समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ये विद्यार्थी गीता-ज्ञान के प्रकाश से विश्व को आलोकित करेंगे ।विद्यालय समिति के सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता न केवल धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि जीवन का एक व्यवहारिक मार्गदर्शक भी है। यह मनुष्य को आत्म-नियंत्रण, निष्काम कर्म और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देती है। उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने बताया कि नियमित गीता पाठ से मानसिक शांति और पारिवारिक समृद्धि प्राप्त होती है ।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में शिक्षकों और मिशन से जुड़े सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक नजर

ट्रेन से कट कर 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत

सिल्ली: सोमवार के दिन मुरी रांची रेलखंड पर सिल्लीडीह रेलवे क्रॉसिंग के पास डाउन लाइन पर पुरुलिया निवासी जगन्नाथ मुसीब की ट्रेन से कट कर मौत हो गई। ट्रेन से कटने के कारण व्यक्ति का शव दो हिस्सों में बट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर लगभग 2 बजे रांची की ओर से आ रही एक्सप्रेस ट्रेन से उक्त व्यक्ति की कटकर मौत हुई। परिजनों ने बताया कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त था और परिजनों के साथ रिनपास से इलाज करा कर वापस लौट रहा था इसी क्रम में परिजनों को ट्रेन में नींद आ गई जिसके कारण उक्त व्यक्ति सिल्ली स्टेशन पर ट्रेन से उतर गया और रेलवे ट्रैक में चलने लगा जिसके कारण घटना घटी।इधर सूचना पाकर सिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया एवं आज पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेजा जाएगा।

महिला ने की खुदकुशी जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम: जिले के टोंटो प्रखंड अंतर्गत जामडीह गांव में रविवार की मध्यरात्रि को एक महिला ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान सुनाय हेंब्रम (45) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतका के पति शिबू हेंब्रम ने बताया कि प्रतिदिन की तरह रविवार शाम को वह अपने गाय–बैल और बकरियों को चराकर घर लौटे। रात करीब आठ बजे पत्नी के साथ भोजन करने के बाद दोनों सोने चले गए। सोमवार सुबह उठने पर पता चला कि सुनाय घर से लगभग 500 मीटर दूर एक बेर के पेड़ से साड़ी के फंदे के सहारे लटकी हुई है। इधर, मृतका के देवर सुरेश हेंब्रम ने बताया कि घटना की जानकारी उसके भतीजे ने दी। जब वह मौके पर पहुंचे तो उनकी भाभी फंदे से झूल रही थीं। उन्होंने तुरंत गांव के मुंडा को सूचना दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गोबिंदपुर में भीषण सड़क हादसा, एक गंभीर

धनबाद: गोबिंदपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक शंकर मंडल गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना गोबिंदपुर झ्र साहेबगंज रोड स्थित बरवाटांड़ मोड़ के पास हुई, जहां सड़क निर्माण कर रही कंपनी त्रिवेणी कंस्ट्रक्शन के हाइवा ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। घायल युवक शंकर मंडल पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के घोषालडीह गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। गंभीर रूप से घायल युवक को स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दिव्यांगजन सेवा और ग्रामीण विकास में उषा मार्टिन फॉउंडेशन की पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : समाज में शारीरिक और मानसिक रूप से दिव्यांग जनों का विकास एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इनको समाज के मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में विशेष पहल किया जाना चाहिए। दिव्यांग की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। उक्त बातें खिजीर विधायक राजेश कच्छप ने कहीं। श्री कच्छप आज आरा पंचायत में उषा मार्टिन फॉउंडेशन की ओर से आयोजित दिव्यांग सहायता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर विभिन्न गांवों के 25 दिव्यांगों ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, ईयर मशीन और जूता दिया गया। उन्होंने कहा कि उषा मार्टिन के माध्यम से इर्द गिर्द के गांवों के लोगों को रोजगार के साथ ग्रामीण विकास का वैकल्पिक उपाय मिल रहा है। इसका लोगों को लाभ उठाना चाहिए ताकि समाज का संपूर्ण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि समाज के लए नामकोम प्रखुड की उप मुखिया वीणा देवी ने कहा कि उषा मार्टिन के माध्यम से गांवों के समग्र विकास का कार्यक्रम चल रहा है। इससे युवाओं का सशक्तिरण हो रहा है। इसके अलवा रोजगारोन्मुख कई वोकेशनल कोर्स चलाये जा रहे है। इससे गांव का विकास हो रहा है। आरा की मुखिया नीता कच्छप ने कहा कि सरकार की योजना के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए, ताकि ज्यादा लोग लाभान्वित हो सकें। इस अवसर पर टाटी पूर्वी के मुखिया कृष्णा पाहन ने कहा कि उषा मार्टिन के सहयोग से गांवों के विकास में योगदान दिया जा रहा है। महिलौंग के मुखिया संदीप तिर्की ने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यों से समाज को लाभ मिलता है। लालगंज के मुखिया अनिल लिंडा ने कहा कि उषा मार्टिन लगातार समाज के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। ऐसे कार्यों की सराहना की जानी चाहिए फॉउंडेशन ने गांवों के 15 दिव्यांगों को सरकारी योजना से जोड़ने के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड बनवाया गया है। इन दिव्यांगों को शालिनी अस्पताल के माध्यम से विकलांगता की जांच करायी गयी है। इसके अलावा अगले माह से दिव्यांग के लिए एक विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस अवसर उप समाजसेवी शैलेश मिश्रा, अर्चना मिश्रा, विजय टोप्पो और उषा मार्टिन के प्रिया बागची, वरूण कुमार, मोनीत बूतकुमार, भुवनेश्वर महतो, संगीता कुमारी, मेवालाल महतो के अलावा बड़ी संख्या में गांववासी उपस्थित थे।

ईश्वर का कार्य है दिव्यांग की सेवाः डॉ मयंक मुरारी

उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि समाज के दिव्यांग जनों की सेवा और सहयोग से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। यह ईश्वर की सेवा है। उषा मार्टिन के माध्यम से गांवों के विकास के लिए एकीकृत कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें समाज के सभी वर्गों के विकास की योजनाएं हैं।। इसमें स्वास्थ, शिक्षा एवं क्षमता निर्माण के साथ रोजगारोन्मुख कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इसके अलावा कृषि को वैकल्पिक आय का माध्यम बनाने के लिए कई कार्यक्रम चल रहे हैं। गांवों के लोगों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि उनकी क्षमता निर्माण कर रोजगार एवं आयसंवर्द्धन से उनको जोड़ा जा सके।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संघ शताब्दी वर्ष कार्यक्रम पथ संचलन झुमरी तलैया नगर में किया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संघ शताब्दी वर्ष कार्यक्रम पथ संचलन झुमरी तलैया नगर में किया गया इस कार्यक्रम ग्रैंड सूर्या होटल से पूरे शहर भ्रमण करते हुए विराज होटल तक, इस कार्यक्रम में मातृशक्ति सहभागी होकर लगभग 3 किलोमीटर तक सभी बहनों लोग ने जगह-जगह पर स्वयं सेवक पर पुष्प वर्षा करते रही, यह कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति झारखंड प्रांत सह प्रमुख योगाचार्य सुषमा सुमन के अगुवाई में नो टोली बनाई गई थी और सभी जगह मातृशक्ति बहनों लोग ने सभी जगह खड़ी होकर भारत माता की जय का नारा से गूंज रही थी और पुष्प वर्षा हो रही थी इस कार्यक्रम में एक कमेटी बनाई गई थी जिसका अध्यक्ष योगाचार्य सुषमा सुमन थी और संरक्षक गायत्री देवी मंजू बरनवाल थी और प्रत्येक टोली का एक प्रभारी बनाया गया था , सुषमा सुमन ने बताई की आज मुझे और हमारी टीम को बहुत गर्व महसूस हो रही है लगातार 100 वर्षों तक आरएसएस के कार्यकर्ता हिंदू सनातन धर्म के लिए भारत माता की रक्षा के लिए और देश का आजादी से लेकर हिंदुत्व को एक साथ जोड़ने का जो कार्यक्रम कर रहे हैं वह बहुत सराहनीय है और हिंदू सनातन धर्म इससे बहुत मजबूत हो रही है आज पूरे विश्व में एक भी हिंदू सनातन धर्म का देश नहीं है और बाद में जो धर्म जन्म लिया है उनके सभी जगह अपना एक धर्म का देश है।

हरे लाल महतो के जन्मदिन पर दो दिवसीय एचएलएम ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सामाजिक संस्था जन सेवा ही लक्ष्य की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चांडिल प्रखंड के धातकीडीह फुटबॉल मैदान में दो दिवसीय HLM TROPHY फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ संस्था के संस्थापक एवं समाजसेवी हरे लाल महतो के जन्मदिन के अवसर पर हुआ। इस खास मौके पर हरे लाल महतो ने मैदान में ही केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने कहा जन सेवा ही लक्ष्य का उद्देश्य अब केवल समाजसेवा तक सीमित नहीं, बल्कि खेलों के माध्यम से युवाओं में एकता, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है। मैदान में सुबह से ही उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, खिलाड़ियों और समाजसेवियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 7 अक्टूबर को खेला जाएगा, जिसके बाद विजेता टीम को दो लाख रुपये नकद राशि एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। उपविजेता टीम को डेढ़ लाख रुपये तथा तृतीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को एक-एक लाख रुपये व ट्रॉफी पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा बेस्ट खिलाड़ी और बेस्ट गोलकीपर को साइकिल पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के पहले दिन आठ टीमों ने भाग लिया। सेमीफाइनल मैच में केके ब्रदर्स सोनाहातू ने भूषण एसएम लक्की डोबो को 1-0 गोल से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

एसबीयू में सहकारिता पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में सहकार भारती, झारखंड एवं सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के संयुक्त तत्वावधान में आज 'आर्थिक एवं सामाजिक विकास का सशक्त माध्यम सहकारिता ' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सरला बिरला विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकार भारती के संस्थापक सदस्य एवं भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशक सतीश मराठे ने सहकारिता के विभिन्न आयामों, इसके कार्यकलापों तथा देश के विकास की राह में इसके योगदान की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आज के दौर में आठ लाख सहकारी समूहों में से तकरीबन साढ़े लाख समूहों के प्रत्यक्ष आर्थिक गतिविधियों से जुड़ाव की बात कही। विकसित और आत्मनिर्भर भारत को गढ़ने में कोऑपरेटिव सेक्टर की अहम भूमिका तथा तकरीबन 30 करोड़ भारतीयों के इससे जुड़े होने से जीडीपी में इसके योगदान की भी उन्होंने चर्चा की। पिछले दस वर्षों के दौरान विकास के पैमाने पर भारत की लंबी छलांग को उन्होंने देश की मौजूदा आर्थिक नीतियों का परिणाम करार दिया। इक्विटेबल और सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर जोर देते हुए उन्होंने मिशन मोड में मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन को बढ़ावा देने तथा रिसर्च और स्टार्टअप पॉलिसी एवं डिजिटलाइजेशन के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सरकार के प्रयासों की सराहना की। सहकारी समितियों की करोड़ों लोगों तक पहुंच से आनेवाले वर्षों में क्रेडिट फ्लो के परिणामस्वरूप भारत में जीडीपी ग्रोथ बढ़ने की बात भी उन्होंने कही। कार्यक्रम में विषय प्रवेश करते हुए सहकार भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री विनय खटावकर ने इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा वर्तमान पीढ़ी को सहकारिता के महत्व पर यथोचित जानकारी देने की आवश्यकता की बात कही। संगोष्ठी का संचालन सुधीर कुमार ने किया। संगोष्ठी के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया।

आदिवासी समाज ने पारंपरिक हथियार के साथ निकाली आक्रोश रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : आदिवासी छात्र संघ की जिला इकाई की अगुवाई में कुरमी समाज की ओर से एसटी कोटा में शामिल होने संबंधी मांग के विरोध में सोमवार को आदिवासी समाज ने जन आक्रोश रैली निकालकर विरोध दर्ज कराया। रैली में आदिवासी छात्र संघ, केंद्रीय सरना समिति, स्वशासन पड़हा व्यवस्था और जिला राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के सैकडों सदस्?य और आम लोगों ने भाग लिया। रैली के दौरान जिले के आदिवासी युवक युवतियां, महिला पुरुष पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र और सरना झंडा के साथ शामिल हुए। आदिवासी संगठनों ने इस दौरान एक तीर एक कमान सभी आदिवासी एक समान, आदिवासी एकता जिंदाबाद, कुरमी आदिवासी बनना बंद करो के नारे भी लगाए। रैली बीएस कॉलेज परिसर से निकल कर बरवाटोली चौक, अलका सिनेमा, पावर गंज चौक होते हुए कचहरी मोड़ से समाहरणालय मैदान में पहुंच कर सभा में परिवर्तित हो गई। इसी के साथ रैली को नेतृत्व कर रहे नेताओं ने राज्यपाल के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा।

86 बस्तीवासियों को मालिकाना हक देने की मांग तेज, विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर की 86 से अधिक बस्तियों के वासियों को मालिकाना हक प्रदान करने की दिशा में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने सोमवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर बस्तीवासियों को भूमि पर पूर्ण मालिकाना हक दिए जाने की मांग की है। उन्होंने इसे जनहित से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील व गंभीर मुद्दा बताया है। विधायक पूर्णिमा साहू ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि जमशेदपुर की इन बस्तियों में लाखों लोग कई दशकों से निवास कर रहे हैं और उनकी वर्षों से यह मांग रही है कि उन्हें उनके आवासीय भूमि पर मालिकाना हक मिले, ताकि उनका जीवन सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थिर बन सके। पत्र में उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा टाटा लीज नवीकरण के दौरान वर्ष 2005 में नीतिगत निर्णय लेते हुए लगभग 1800 एकड़ भूमि इन 86 बस्तियों के लिए सुरक्षित रखी गई थी। इसके बाद वर्ष 2018 में तत्कालीन एनडीए सरकार ने बस्तीवासियों को 10-10 डिसमिल भूमि आवासीय उद्देश्य से लीज बंदोबस्ती की नीति बनाकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया था। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस पार्टी ने भी पिछले विधानसभा चुनाव में अपने घोषणापत्र और चुनावी सभाओं में बस्तीवासियों को मालिकाना हक देने का स्पष्ट आश्वासन दिया था। नवंबर 2024 में जमशेदपुर में आयोजित एक चुनावी सभा में विधायक कल्पना सोरेन ने भी घोषणा की थी कि झामुमो की सरकार बनने पर बिरसानगर सहित सभी बस्तियों के निवासियों को मालिकाना हक प्रदान किया जाएगा। पूर्णिमा साहू ने पत्र के साथ झामुमो-कांग्रेस नेताओं द्वारा मालिकाना हक देने के वादों से जुड़ी विभिन्न समाचारपत्रों की कटिंग भी संलग्न की है। विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि वर्तमान में झामुमो नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार सत्ता में है इसलिए यह उपयुक्त समय है कि चुनावी वादों को पूरा करते हुए बस्तीवासियों को उनका अधिकार दिया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने झारखंड विधानसभा के षष्ठम विधानसभा के द्वितीय सत्र 2025 के दौरान ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया था, लेकिन उस पर सरकार की ओर से कोई ठोस और स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि इस मानवीय और जनहित के मुद्दे पर शीघ्र निर्णय लिया जाए और जमशेदपुर की 86 बस्तियों के वासियों को उनकी भूमि पर मालिकाना हक प्रदान किया जाए। उनका कहना है।

संक्षिप्त खबरें

शरद पूर्णिमा पर महिलाओं ने की कोजागरी लखी पूजा

मुरी: सिल्ली मुरी एवं आसपास के क्षेत्रों में शरद पूर्णिमा के मौके पर सोमवार को कोजागरी लखी पूजा की गई। पुरोहितों के मंत्र उच्चारण के साथ शाम को दुर्गा पंडालों में लकी पूजा की गई। इस पूजा में नए धान की बाली का प्रयोग किया गया। पूजा के बाद नियम अनुसार खीर प्रसाद वितरण किया गया। यह त्यौहार अश्विन मास के पूर्णिमा तिथि को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। लखी पूजा निकटवर्ती राज्य पश्चिम बंगाल में भी काफी श्रद्धा से मनाया गया। सभी पूजा पंडालों पर महिला श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल सिल्ली की शिक्षिका को गार्गी मंजु सम्मान

सिल्ली : मुरी डी.ए.वी. महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल सिल्ली की संगीत शिक्षिका खुशबू शर्मा पीआरटी शिक्षिका सह मीडिया प्रभारी को गार्गी मंजु सम्मान से सम्मानित किया गया यह आयोजन टेंडर हार्ट विद्यालय टीपूदाना रांची में आयोजित किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के द्वारा शिक्षिका खुशबू शर्मा को सम्मानित किया गया तथा तारक मेहता के उल्टा चश्मा प्रख्यात कलाकार शैलेश लोढ़ा की ओर से एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट भी दिया गया। इस प्रतिष्ठित समारोह में देशभर से 170 शिक्षकों का चयन किया गया?। जिसमें डी. ए. वी. महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल सिल्ली की शिक्षिका खुशबू शर्मा का नाम भी शामिल होना विद्यालय के लिए गौरव की बात है। यह सम्मान शिक्षकों के उत्कृष्ट योगदान, निष्ठा और शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण को ध्यान में रखते हुए प्रदान किया गया। विद्यालय की प्राचार्या सुश्री बी. शरण ने इस उपलब्धि पर हार्दिक आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह हमारे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। श्रीमती खुशबू शर्मा ने अपने कार्य और समर्पण से विद्यालय का नाम रोशन किया है।

हजारों घरों में लोगों को पानी के बिना परेशानी का सामना करना पड़ रहा : पिंकी जैन

झुमरीतिलैया: सी एच स्कूल रोड पानी टंकी से सप्लाई पानी की 5 दिनों से आपूर्ति नहीं होने से वार्ड नंबर 7,8,9,10 के हजारों घरों में लोगों को पानी के बिना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लोग बाजार से खरीद कर पानी पी रहे है पार्षद पिंकी जैन ने जला पूर्ति विभाग के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर से बात कर जल्द से जल्द सप्लाई पानी आपूर्ति करने की बात कही उन्होंने कहा कि स्टेबलाइजर आदि मशीन में खराबी आ गई है जल्द से जल्द उसे ठीक कर पानी की आपूर्ति की जाएगी।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN No.:U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building Kusai Colony, Doranda, Ranchi - 834002
(E-mail:cetjusnl@gmail.com)

Expression of Interest (EoI) Notice

EOI No. 442/PR/JUSNL/2025-26

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Limited (JUSNL) is in need of channel partner/ consultant for the work of preparation of Estimate & DPR by the use of Geospatial technology tools, Drone Survey and other State of Art technology for construction of new Transmission lines of 400 kV/ 220 kV/ 132 kV and construction of Grid Sub-Stations of 400/220/132 kV or GIS Sub-Station in the manner to minimize Forest Clearance, ROW inclusive of identification of suitable land for GSS and CA land for Forest Clearance.

Start Date & time of download the EOI document	13.10.2025 at 11:00 AM
Start Date and time of upload of EOI	13.10.2025 at 11:00 AM
End date and time of upload of EOI	06.11.2025 upto 04:00 PM
Date and time of opening of EOI	07.11.2025 at 04:00 PM

1.Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned (6202162568) during office hours.
2.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager C&M (NWBP)

PR 363390 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd) 25-26 (D)

प्रपत्र VII

झारखण्ड सरकार

समाहरणालय, खूँटी, (जिला भू–अर्जन शाखा)

पत्रांकः– 251(ii)
दिनांकः–03.10.2025

अधिघोषणा

(अधिनियम–30/2013 की धारा–19 (1) के अधीन)

चूंकि समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा परियोजना **सिसई लापुंग डोड़मा पथ के चैनेज 41वें कि0मी0 में अवस्थित छाता नदी पर सेतु निर्माण हेतु RCD के लिए मौजा कुदरी थाना न0 11 थाना तोरपा अंचल तोरपा जिला खूँटी** में कमोबेश 0.4685 एकड़ यानि 0.189595 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से कमोबेश 0.4685 एकड़ यानि 0.189595 हेक्टेयर है जो **मौजा कुदरी थाना न0 11 थाना तोरपा अंचल तोरपा जिला खूँटी** में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है–

मौजा कुदरी थाना न0 11 थाना तोरपा अंचल तोरपा जिला खूँटी का विस्तृत विवरणी

क्र0	खाता संख्या	सर्वे भू–खण्ड संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (ए0)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता	अर्जन की जाने वाली भूमि की चौहदी उ0, द0, पू0, प0
1	59	556	रैयती	दोन दो	0.0225	सोमा पाहन पिता सुकरा पाहन वो जोवेआ पाहन(नावल्द मृत) वो पंडेया पाहन (नावल्द मृत) वो वंधा पाहन (नावल्द मृत) पेषरान धोधरो पाहन	उ0– 556, द0– 557, पू0– नदी प0– 557
2	59	557	रैयती	टॉड दो	0.4235		उ0– 558, द0– रास्ता पू0– 557 प0– रास्ता
3	59	594	रैयती	टॉड दो	0.0225		उ0– रास्ता, द0– 594, पू0– रास्ता प0– 594
				कुल	0.4685		

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या 30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जांच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या शुन्य है, जिनेक लिए पुनर्व्यस्थापन के शुन्य क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण शुन्य है। प्रभावित क्षेत्रों में वृक्ष की संख्या शुन्य, संरचना की संख्या शुन्य है।

ह0/–
उपायुक्त, खूँटी

PR 363296 Land Reforms(25-26)#D

एआई सबको भायी, खतरे भी लाई

तकनीक का जितना फायदा नहीं होता उससे ज्यादा नुकसान होने लगता है। बीते दिनों एक रिपोर्ट आई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से कुछ लोगों के नकली आधार और पैन कार्ड बनाने का प्रयास किया गया।आजकल अपनी फोटो को चैट जीपीटी से कलात्मक व आकर्षक बनाने के लिए लोग इसका जमकर प्रयोग कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर गूगल जेमिनी का (बनाना एआई साडी ट्रेंड) किस्सा वायरल हो रहा है, जिसमें यूसर्ज अपनी फोटो को एआई की मदद से साडी में बदल रहे हैं। बीते दिनों एक महिला ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उससे इस ऐप का प्रयोग किया और साडी वाली तस्वीर बनवाई, लेकिन एआई ने उसकी फोटो के शरीर के उस हिस्से का तिल दिखा दिया जो उसकी अपलोड की गई फोटो में नजर नहीं आ रहा था। इस बात से वह महिला बहुत भयभीत हो गई और इस घटना को डरावना बताया और बाकी लोगों को भी चेताया कि बिना सोचे समझे अपनी फोटो इस तरह के ऐप पर न डालें। इसके अलावा एक लड़का जो किसी लड़की को चाहता था लेकिन लड़की उसको पंसद नहीं करती थी। उसने एआई की मदद से अपना और उसके फोटो को मिलाकर किसिंग वाला वीडियो बना दिया और उसको उस लड़की के रिश्तेदार व दोस्तों को सेंड कर दिया, जिससे उसकी इमेज पर बडा डेंट पडा। दरअसल आज भी एक आयु वर्ग एआई से परिचित नही हैं तो कुछ लोगों ने उसको असली मान लिया, जिससे वह लड़की को ही गलत समझने लगे। स्थिति यह थी कि लड़की आत्महत्या करने की कोशिश करने लगी लेकिन उसको बचा लिया। यह एक छोटी सी घटना है लेकिन देशभर में हर रोज ऐसी सैकड़ों घटनाएं हो रही हैं। इसके अलावा एक शर्मसार करने वाले घटना सामने आई जिसमें देश के बड़े संत व कथावाचकों के साथ पोर्न स्टार का बात करते हुए व अश्लील हरकत करते हुए वीडियो बना दिया गया। इस घटना से समाज में एक नकारात्मकता फैली व भक्त बहुत नाराज हुए। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के महोबा में शातिर दिमाग लोगों ने एआई का दुरुपयोग कर सरकारी राजस्व को चूना लगा दिया। महोबा जिले में इस हाईटेक फजीर्वाड़ा में तीन लोग धरे गए। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपितों ने खनिज विभाग की आधिकारिक वेबसाइट upmines.updsc.gov.in की हूबहू कॉपी बनाते हुए www.upmines-upsdc.gov.ink नाम से नकली पोर्टल तैयार कर लिया। वह इस वेबसाइट के जरिए ठेकेदारों और बिचौलियों को फर्जी ई-ट्रांजिट पास (रॉयल्टी प्रपत्र) उपलब्ध करा रहे थे। ऐसी घटनाओं से विशेषज्ञ चिंतित तो हैं लेकिन अब तक इसका कोई हल नहीं निकल पाया। 09 सितंबर, 2025 को अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया और व्यक्तियों व प्लेटफॉर्मों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व अन्य तरीकों से उनकी छवि, पहचान और व्यक्तित्व के दुरुपयोग से रोकने की मांग की। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी, वकील प्रवीण आनंद और ध्रुव आनंद पेश हुए। उन्होंने दलील दी कि ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम और चेहरा उनकी अनुमति के बिना इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां तक कि उनके नाम पर कथित रूप से पैसे भी वसूले जा रहे हैं। सेठी ने अदालत को बताया कि उनकी छवि का ऑनलाइन इस्तेमाल यहां तक किया जा रहा है कि किसी की 'यौन इच्छाओं की पूर्ति' हो सके, जिसे उन्होंने 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। ऐश्वर्या की याचिका ने देश के मनोरंजन उद्योग में डीप फेक और एआई जनित कंटेंट से बढ़ते खतरे को उजागर किया है। ऐश्वर्या राय से पहले, बॉलीवुड के दिग्गज जैकी श्रॉफ ने मई में अदालत का रुख किया था। उनका आरोप था कि उनके नाम पर मर्चेंडाइज बेचना और उनके विकृत वीडियो बनाने जैसी गतिविधियां प्रथम दृष्टया, उनकी शख्सियत और पब्लिसिटी राइट्स के 'अनधिकृत शोषण' के माध्यम से व्यावसायिक लाभ कमाने के प्रयास लगते हैं। अदालत ने उनके व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों की सुरक्षा की थी। हाल के महीनों में कई बड़े सितारों ने भी अपनी पहचान की सुरक्षा के लिए इसी तरह के कदम उठाए हैं। 2023 में अनिल कपूर ने दिल्ली हाई कोर्ट से अपने नाम, आवाज और मशहूर डायलॉग 'झक्कास' के दुरुपयोग पर रोक का आदेश हासिल किया था।

सूडोकु नवताल- 7575

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7574 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

ताकि दवा जहर बन फिर से मासूमों की मौत न बने

ललित गर्ग

दो राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौत की घटनाएं देश की दवा नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह केवल एक चिकित्सा त्रुटि या आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता का प्रतीक है जिस पर जनता अपने जीवन की रक्षा के लिए भरोसा करती है। दवा जैसी जीवनदायी वस्तु में भी जब लालच, लापरवाही या भ्रष्टाचार घुसपैठ कर जाते हैं तो वह अमृत भी विष बन जाता है। बच्चों की मासूम जानें जब घटिया या मिलावटी दवा के कारण चली जाती हैं, तो यह केवल परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता एवं विश्वास की मृत्यु होती है। कफ सिरप में पाए गए विषैले तत्व-जैसे डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल, पहले भी कई देशों में सैकड़ों बच्चों की जान ले चुके हैं। फिर भी बार-बार ऐसे हादसे होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की दवा नियामक व्यवस्था में संरचनात्मक खामियां बनी हुई हैं। सवाल है कि पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई।

दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर धडल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफ है कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमजोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता। जब निरीक्षण औपचारिकता बन जाए और रिपोर्टें खरीद-फरोख्त की वस्तु बन जाएं, तब ऐसी त्रासदियां स्वाभाविक हैं। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के नमूने में 48.6 प्रतिशत डाई एथिलीन ग्लाइकॉल मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गई।

इन घटनाओं ने न केवल स्वास्थ्य प्रशासन की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है बल्कि भारत की वैश्विक छवि पर भी धब्बा लगाया है। पिछले वर्षों में अफ्रीकी देशों में भी भारतीय सिरप से हुई मौतों के बाद कई देशों ने हमारे फार्मा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया था। अब घरेलू स्तर पर घटित ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि हमने उन हादसों से कोई सबक नहीं लिया। दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादक देश के रूप में भारत को यह मानना होगा कि केवल उत्पादन की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता ही हमारी असली ताकत होनी चाहिए। इस संकट का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि इसका शिकार वे मासूम बच्चे बने जिनकी प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित नहीं हुई थी और जिनकी जीवन रक्षा का उत्तरदायित्व समाज और राज्य पर है। इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी केवल दोषी कंपनियों पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने नियमन और नैतिकता की आंखें मूंद लीं। दवाओं में मिलावट या गलत प्रमाणपत्र देना कोई साधारण अपराध नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ किया गया घोर अपराध है। इस पर कड़े से कड़ा दंड होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी निमार्ता या अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे। भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68 प्रतिशत एमएसएमई फेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 प्रतिशत कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। प्रश्न है कि यह तथ्य सामने आने के बाद आखिर सरकार क्या सोच कर इन दवाओं को बाजार में विक्रय क्यों जारी रहने दिया? क्यों ऐसे हादसे होने दिये जाते रहे? यह आवश्यक है कि दवा उद्योग में कच्चे माल की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित की जाए, हर बैच की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो और दवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के हों। केंद्र और राज्य सरकारों को ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी चाहिए। हर कंपनी के लाइसेंस नवीनीकरण के समय उसकी पिछली गुणवत्ता रिपोर्ट और परीक्षण परिणामों की समीक्षा की जानी चाहिए। जिन कंपनियों ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाने चाहिए और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि इन मामलों में आपराधिक जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है।

इसके साथ ही चिकित्सा जगत और समाज को भी आत्मचिंतन करना चाहिए। डॉक्टरों को यह समझना होगा कि शिशुओं को ओटीसी-ऑवर दी कॉउन्टर दवाएं देना कितना खतरनाक हो सकता है। सरकार द्वारा जारी परामर्श और चेतावनियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। मीडिया को भी सनसनी से ऊपर उठकर जनता को जागरूक करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। इन त्रासदियों को केवल समाचार बनाकर भुला देना नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य-सुधार के आंदोलन में बदलना समय की मांग है। क्योंकि सरकारी अनुमान से इस साल देश का दवा निर्यात 30 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। वहीं, 2030 तक फार्मा मार्केट के 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन, इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। दवाओं की जांच और निगरानी अभी तक की कमजोर कड़ी साबित हुई है। केंद्रीय और राज्य की नियामक एजेंसियों को ज्यादा बेहतर तालमेल के साथ, पारदर्शिता, ईमानदारी और ज्यादा तेजी से काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला केवल इकॉनमी या देश की छवि ही नहीं, अनमोल जिंदगियों से जुड़ा है।

अंततः यह घटना हमें याद दिलाती है कि जीवन रक्षा के साधनों में जब नैतिकता का अभाव हो जाता है तो प्रगति की समूची इमारत ध्वस्त हो जाती है। दवा उद्योग में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। सरकार और समाज दोनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी बच्चे की जान किसी घटिया या मिलावटी दवा के कारण न जाए। जब तक दवा बनाने वाला और दवा बांटने वाला अपनी जिम्मेदारी को धर्म, करुणा, विश्वास और ईमानदारी की दृष्टि से नहीं देखेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी। इसलिए अब वक्त आ गया है कि हम दवा नहीं, दायित्व बनाएं, नियमन नहीं, निष्ठा पैदा करें और इस मानवता विरोधी अपराध के लिए दोषियों को उदाहरण स्वरूप कठोरतम दंड दें ताकि भविष्य में जीवन रक्षक औषधि फिर से विश्वास की प्रतीक बन सके।

दुनिया के लिये प्रेरणा है अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान का स्वावलंबी होना?

तनवीर जाफरी

विश्व के सिर पर सवार अमेरिकी वर्चस्व का भूत अब धीरे धीरे उतरने लगा है। खासकर डोनल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे शासनकाल में जैसा बर्ताव दुनिया के अनेक देशों के साथ किया है उससे भी अमेरिका की साख को काफी गहरा धक्का पहुंचा है। कभी वे कनाडा को 51 वां अमेरिकी राज्य बताकर खलबली पैदा कर देते हैं तो कभी दुनिया के अनेक देशों पर मनमानी टेरिफ लगाकर आर्थिक संकट खड़ा करते हैं। कभी भारत और रूस जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं को 'मृत अर्थव्यवस्था' बताकर इन देशों को अपमानित करते हैं। तो कभी वीजा फीस असीमित कर लोगों की चिंता बढ़ा देते हैं। गौर तलब है कि गत 31 जुलाई को राष्ट्रपति ट्रंप ने एक विवादास्पद टिप्पणी पोस्ट करते हुए लिखा था कि मुझे भारत का रूस के साथ क्या करना है, उसकी परवाह नहीं। वे अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को साथ ले जा सकते हैं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसी समय ट्रंप ने भारत को रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा (तेल) खरीदने के लिए "दंड" लगाने की भी धमकी दी थी। ट्रंप का कहना था कि चीन के बाद भारत रूस का सबसे बड़ा ऊर्जा खरीदार है। जबकि अमेरिका यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए रूस पर दबाव डाल रहा है। ट्रंप का मत था कि भारत से तेल से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल रूस, यूक्रेन युद्ध में कर रहा है। इस घटनाक्रम में एक मजेदार मोड़ तब आया था जब स्वयं यूक्रेन ने कह दिया था कि उसे भारत रूस के व्यापारिक रिश्तों को लेकर कोई आपत्ति नहीं है।

इसी तरह गजा में अमेरिकी संरक्षण में जिसतरह इस्राईल जनसंहार कर रहा है दुनिया के तमाम देश,संयुक्त राष्ट्र संघ, अंतर्राष्ट्रीय अदालत सब इस्राईल खासकर नेतन्याहू की जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध हैं। बार बार इस्राईली नीतियों के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पास हो रहे हैं, नेतन्याहू के विरुद्ध वारंट जारी हो रहे हैं परन्तु इस्राईल का दमनचक्र जारी है और उसका परममित्र अमेरिका खामोश है और दुनिया ने यह भी देखा कि इजराइल ने किस तरह मध्य एशिया में अमेरिका के परम् सहयोगी देश कतर पर हमास लीडरशिप को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ हवाई हमले किये। इतना ही नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर आगे भी कतर पर हमले की चेतावनी दी। परन्तु अमेरिका इस कार्रवाई को भी देखता रह गया। गोया यह इजराईल व नेतन्याहू को दी जा रही अमेरिकी सरपरस्ती का ही परिणाम है कि इस्राईल के ही दो पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक और एहुद ओल्मर्ट को यहाँ तक कहना पड़ चुका है कि 'नेतन्याहू इस्राईल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अछूत बनाने की ओर ले जा रहे हैं'।

ऐसे में ईरान जैसे देश घोर अमेरिका विरोधी देश की तरफ नजर डालना भी जरूरी है। क्योंकि अमेरिका ने ईरान पर 1979 की ईरानी क्रांति के बाद से ही आर्थिक और राजनयिक प्रतिबंध लगाए हुये हैं। सबसे पहले 1979 में अमेरिकी ने अपने तेहरान दूतावास में बंधक संकट के बाद पहली बार व्यापक प्रतिबंध लगाए थे जिसमें ईरानी तेल आयात पर रोक लगा दी गयी थी और ईरानी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया था। उसके बाद 1980-90 के दशक में ईरान को आतंकवाद का समर्थक बताकर और परमाणु कार्यक्रम की आशंकाओं का बहाना बनाकर इन प्रतिबंधों को और सख़्त किया गया। इसके बाद 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने ईरान के साथ सभी व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिये। इसी तरह 2000 के दशक में पुनः ईरान के परमाणु कार्यक्रम की आड़ में संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने ईरान पर और नए प्रतिबंध लगा दिये । इन प्रतिबंधों का निशाना ईरान के वित्तीय संस्थान, तेल निर्यात और तकनीकी व्यापार थे। हालांकि ईरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के वादे के बाद 2015 में संयुक्त व्यापक कार्य योजना (JCPOA), यानी ईरान परमाणु समझौते के तहत, कई प्रतिबंध हटाए भी गए थे। परन्तु राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में ईरान पर खासकर तेल निर्यात, बैंकिंग और शिपिंग सेक्टर पर फिर से कड़े प्रतिबंध लागू कर दिये। ट्रंप प्रशासन ने ही 2020 और उसके बाद ईरान के परमाणु, बैलिस्टिक मिसाइल और हथियार कार्यक्रमों को रोकने के लिए नए प्रतिबंध जोड़े। यहाँ तक कि 2025 में भी, ट्रंप द्वारा ईरान के तेल व्यापार और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े व्यक्तियों और कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए।

अमेरिका ने इसी वर्ष ईरान के तेल व्यापार, पेट्रोकेमिकल उद्योग और परमाणु अनुसंधान पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। अभी इसी वर्ष गत मई में ही अमेरिका ने परमाणु वार्ता के बीच ही पुनः नए प्रतिबंध लगा दिये थे। इस प्रतिबंध में तीन ईरानी अधिकारियों और एक कंपनी को निशाना बनाया गया है। इसी तरह गत जुलाई में अमेरिका ने ईरान के तेल व्यापार से जुड़े शिपिंग नेटवर्क और हिजबुल्लाह के वित्तीय नेटवर्क पर प्रतिबंध लगाए। इसके अलावा भी ईरान से तेल या पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीदने वाली कंपनियों, जिसमें भारत की छह कंपनियां भी शामिल हैं, पर भी अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए गए। गोया अमेरिका द्वारा 1979 से ईरान की तेल, वित्त, और परमाणु गतिविधियों पर केंद्रित प्रतिबंध आजतक जारी हैं। इनमें अनेक प्रतिबंधों में संयुक्त राष्ट्र संघ,यूरोपीय संघ विशेषकर ब्रिटेन, फ्रांस , और जर्मनी व कनाडा जैसे देश भी शामिल हैं।

परन्तु लगभग 50 वर्षों से चले आ रहे इन प्रतिबंधों के बावजूद इसी ईरान ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सूत्रों के अनुसार, ईरान की प्रति व्यक्ति आय लगभग 3,900 से 4,500 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है जबकि प्रति व्यक्ति जीडीपी 20,000 डॉलर के आसपास बताई जा रही है। 2023 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इसी ईरान में साक्षरता दर लगभग 85-90% है। अर्थात यहाँ की अधिकांश आबादी पढ़ना-लिखना जानती है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में साक्षरता दर और भी अधिक है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रक्षा क्षेत्र में ईरान कितना आत्मनिर्भर है और कितनी आत्मनिर्भरता हासिल की है। इसका 'ट्रेलर' गत दिनों ईरान इजराईल संक्षिप्त युद्ध में देखा जा चुका है। ईरान ने अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए स्वदेशी तकनीक और हथियारों के विकास पर जोर दिया है, जिससे वह कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन गया है। ड्रोन और यूएवी प्रौद्योगिकी यानी मानव रहित हवाई वाहनों के क्षेत्र में ईरान ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। और अब तो ईरान अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी बड़ी छलांग लगाने जा रहा है। आज यही प्रतिबंधित ईरान दुनिया के उन चुनिंदा नौ देशों में भी शामिल हो चुका है जो स्वतंत्र रूप से उपग्रह बना और प्रक्षेपित कर सकते हैं। हम कह सकते हैं कि शिक्षा,वास्तविक देश प्रेम,भ्रष्टाचार से मुक्ति, तथा अमेरिका के बजाये सर्वशक्तिमान ईश्वर को महान मानने की जज्बे ने ईरान को आदर्श देश बना दिया है। सही मायने में अमेरिका को 'गॉड' फादर मानने से इंकार करने व अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान का स्वावलंबी होना निश्चित रूप से दुनिया के लिये प्रेरणा है?

बिहार में निर्णायक भूमिका में नजर आ रहे हैं युवा वोटर

संजय सक्सेना

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा पांच अक्टूबर के बाद किसी भी समय संभव है। वर्तमान में पूरे राज्य में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। राजनीतिक दलों के बीच बैठकों, रैलियों और रणनीति को लेकर हलचल जमी हुई है। गांव-शहर से लेकर चौपाल, बाजार और चौक-चौराहे तक सिर्फ चुनाव चर्चा का विषय बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार की राजनीतिक परिस्थितियां कई बड़े बदलावों से गुजरी हैं, जिससे इस बार का चुनाव और भी दिलचस्प हो गया है। खासतौर पर सामाजिक समीकरण, गठबंधन की राजनीति, नेतृत्व का चेहरा और राज्य की मूलभूत समस्याओं के आधार पर माहौल काफी संवेदनशील और गतिशील है। इस बार चुनाव में जनता के रुझान में स्पष्ट रूप से विभाजन दिख रहा है। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष चुनाव को विकास, बिरादरी संतुलन और सामाजिक न्याय के नाम पर दांव पर लगा रहा है, वहीं विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसान और शिक्षा व्यवस्था को चुनावी मुद्दा बना रहा है। राज्य के युवा वर्ग में रोजगार के सीमित अवसरों को लेकर व्यापक असंतोष है। सरकारी भर्तियों में देरी, संविदा व अस्थायी नियुक्तियों और प्रवासी मजदूरों की समस्याएं चुनाव का स्वरूप बड़ी हद तक तय करेंगी।

राजनीतिक दलों की अगर बात करें, तो वर्तमान सरकार गठबंधन के नेतृत्व में है, जिसमें कुछ पुराने और कुछ नए साथी एक साथ आए हैं। विपक्ष में भी महागठबंधन की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत लग रही है, जिसमें जातीय समीकरण और नेतृत्व क्षमता दोनों को संतुलित रखने का प्रयास किया जा रहा है। सत्ता समर्थक अपने शासनकाल की उपलब्धियां, सड़क-बिजली-पानी के सुधार और कानून-व्यवस्था के मामलों को प्रमुखता से जनता के सामने गिनवा रहे हैं। वहीं विपक्ष राज्य में बढ़ती महंगाई, किसान ऋण और सरकारी नौकरियों की कमी को अपना अभियान बना रहा है। इस बार चुनाव की सबसे बड़ी चुनौती युवाओं की भूमिका को लेकर है। बड़ी संख्या में नौजवान वोटर राज्य की सामाजिक-आर्थिक सच्चाइयों को लेकर जागरूक हैं। शिक्षा, रोजगार, पलायन, तकनीकी विकास और सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता के मुद्दे उनके एजेंडे में सबसे ऊपर हैं। शहरी व ग्रामीण इलाकों में आर्थिक असमानता और महिलाओं की सुरक्षा के प्रश्न फिर से चर्चा में लौट आए हैं। किसान भी चुनावी समीकरण के महत्वपूर्ण घटक होंगे। वर्षा और बाढ़, फसल बीमा, समर्थन मूल्य और कृषि विपणन की स्वायत्तता जैसे मुद्दे राज्य के गांवों तक गूंजते हुए नजर आ रहे हैं। महिला मतदाता इस बार भी अपने बजाय अधिक मुखर और जागरूक बनी हुई हैं। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण, आरक्षण और कल्याण योजनाओं का कितना असर पड़ेगा, यह मतदान की दिशा तय करने में अहम होगा।

राज्य के कुछ इलाकों में जातीय तनाव या सामाजिक असंतोष भी देखने को मिला है, जिसको लेकर कई दल क्षेत्रीय और जातीय संगठनों से गठजोड़ कर रहे हैं। अपराध दर, न्यायिक प्रक्रिया में देरी और जनता के बीच शासन-प्रशासन के चेहरे को लेकर भी संशय बना हुआ है। बिहार के गांवों में आज भी साख नेता की ही निर्णायक हो जाती है। मजदूर हो, किसान हो, या छोटे व्यापारी, उनका समर्थन जीतना हर दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस बीच नए युवा चेहरे, सिनेमा, सोशल मीडिया और जमीनी रिपोर्टिंग ने भी मतदाता के सोच को प्रभावित किया है। जनता का मिजाज देखें तो इस बार वह किसी भी तरह के बहकावे या भावनात्मक शिगूफे से दूर, ठोस सवालों के जवाब तलाश रही है।

राजनीतिक वादों की विश्वसनीयता, परिवारवाद, भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता बदलाव चाहती है या चल रहे योजनाओं को ही आगे बढ़ाना चाहती है, इसका जवाब परिणाम में ही दिखेगा। अब रही बात निर्वाचन आयोग द्वारा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, झारखंड सहित सात राज्यों की खाली आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की, तो आयोग के पास संवैधानिक अधिकार है कि वह लंबित या रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा कर सकता है। हालांकि इसका निर्णय अक्सर राज्यों की स्थिति, राजनीतिक परिस्थिति, सुरक्षा हालात और न्यायिक प्रक्रियाओं के हिसाब से लिया जाता है। सूत्रों के अनुसार, आयोग लगातार इन राज्यों से रिपोर्ट ले रहा है और जल्द ही उपचुनाव की तिथि तय कर सकता है।

चुनाव आयोग के उच्च सूत्रों का कहना है कि बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद ही इन उपचुनावों की घोषणा भी संभव है, ताकि सभी राज्यों में चुनावी व्यवस्था सुचारू रूप से हो सके।

कुल मिलाकर बिहार का चुनावी माहौल बढ़ते राजनीतिक तनाव, सामाजिक बदलाव, और आर्थिक चुनौतियों से घिरा है। मतदाता इस बार कई स्तरों पर सोच-समझकर मतदान करेंगे, जिनमें आर्थिक विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, जातीय समीकरण, शिक्षा, और सुरक्षा मुख्य स्वरूप में निर्णायक बन सकते हैं। चुनाव आयोग की घोषणा और सभी दलों की अंतिम रणनीति चुनावी तस्वीर को पूरी तरह से साफ करेगी।

दैनिक पंचांग

7 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

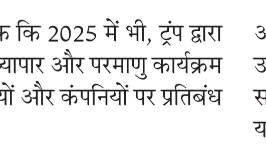

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.42 बजे से
चंद्र	मीन में	वृश्चिक	08.57 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.13 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.18 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.04 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.37 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.48 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.46 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.59 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	02.16 बजे से
बजे तक		कन्या	04.27 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 280 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 09.18 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 05.54 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 01.28 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ध्रुव 09.31 बजे तदनन्तर व्याघात 05.35 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बव 09.18 बजे, बालव 19.37 बजे तदनन्तर कौलव 05.54 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 05° 31' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872490 **जूलियन दिन** 2460955.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 14 **विशेष** आश्विन पूर्णिमा, वाल्मिकी जयंती, मीराबाई जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का कटा हुआ शव

बरकाकाना : सीआईसी सेक्शन के उरलुंग रेलवे ट्रैक के पोल संख्या 98/4ए व 2ए के समीप रेलवे ट्रैक पर एक युवक का कटा शव मिला, शव मिलने के सूचना के बाद बरकाकाना आरपीएफ द्वारा शव को रेलवे ट्रैक से हटाकर बरकाकाना ओपी पुलिस को सूचना दिया गया। सूचना मिलते ही बरकाकाना ओपी पुलिस द्वारा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल भिजवा दिया गया। मृतक का पहचान अरगड्डा अंबेडकर नगर झोपड़ी निवासी उदय उरांव 19 वर्ष पिता संजय उरांव के रूप में हुआ है। घटना के संबंध में मृतक के सौतेली मां सुनीता देवी ने बताया कि मृतक उदय उरांव श्रमिक हाई स्कूल प्लस टू से 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद आईटीआई पढ़ने की तैयारी कर रहा था। वह अधिक समय तक मोबाइल में बिजी रहा करता था।

समय पर कार्रवाई से बची मासूम की जान

बोकारो : मकोली ओपी अंतर्गत कारीपानी पुल के पास रविवार शाम एक बड़ी घटना टल गई जब करीब 8 वर्षीय एक बालक नाले के तेज बहाव में अचानक गिरकर बह गया। घटना की सूचना मिलते ही मकोली ओपी पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए रेस्क्यू अभियान शुरू किया।पुलिस और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से बालक को कुछ दूरी पर बहते हुए सुरक्षित बाहर निकाला गया। तत्क्षण प्राथमिक उपचार के बाद उसे पूरी तरह सकुशल परिवारजनों को सौंप दिया गया।स्थानीय लोगों ने मकोली ओपी पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की और कहा कि उनकी तत्परता से एक मासूम की जान बच गई।

रेलवे कोयला साइडिंग पर अपराधियों ने की फायरिंग, एक मजदूर घायल

लातेहार : जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत टोरी रेलवे स्टेशन के निकट स्थित टोरी साइडिंग पर रविवार की देर रात अज्ञात अपराधियों ने गोलीबारी की। इस घटना में एक मजदूर गोपाल प्रसाद को गोली लगी है। घायल मजदूर चंदवा का रहने वाला है। उसका इलाज लातेहार सदर अस्पताल में करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है। संभावना जताई जा रही है कि अपराधियों ने दहशत फैला कर रंगदारी वसूलने के लिए इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की देर रात लगभग 12 बजे मोटरसाइकिल पर सवार होकर कुछ अपराधी साइडिंग के पास पहुंचे और वहां काम कर रहे मजदूरों को निशाना कर फायरिंग आरंभ कर दिया। अपराधियों ने लगभग चार राउंड फायरिंग किया। इसमें गोली लगने से एक मजदूर गोपाल प्रसाद घायल हो गए। फायरिंग करने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई और घायल मजदूर को अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। मामले की छानबीन के बाद पुलिस ने अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की। इधर प्राथमिक इलाज के बाद घायल मजदूर को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि उसके पैर में गोली लगी है। इधर इस संबंध में लातेहार डीएसपी अरविंद कुमार ने कहा कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

सीसीएल द्वारा गैस बंद करने से बरकाकाना कैंटीन ठप, मजदूरों का वेतन भी रुका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना : भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा संचालित कोल इंडिया अपने कर्मियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराए जाने को लेकर कई तरह की योजनाएं धरातल पर उतरने का प्रयास किया जाता रहा है। ताकि मजदूरों को सभी तरह की मौलिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके। केंद्रीय कार्यशाला बरकाकाना भी अपने मजदूरों को कार्य किए जाने के दौरान गुणवत्तापूर्ण नाश्ता व खाना उपलब्ध हो सके। इसे लेकर वर्ष 1973 से कैंटीन का संचालन किया जा रहा है। कैंटीन संचालन किया जाने को लेकर सीसीएल द्वारा अनुदान दिया जाता रहा है। ताकि कैंटीन में काम करने वाले मजदूरों को वेतन का भुगतान हो सके। जबकि कैंटीन में काम करने वाले मजदूर स्थाई करण किए जाने व सरकार द्वारा निर्धारित मजदूरी दिए जाने को लेकर उच्च न्यायालय में भी वाद दायर किया गया था। जिसके बाद सीसीएल व मजदूरों के बीच हुए समझौता के तहत मजदूरों द्वारा दायर वाद को वापस ले लिया गया। सीसीएल द्वारा अनुदान देना भी बंद कर दिया गया। जिससे मजदूरों को लगभग 2 से 3 सालों तक वेतन का भुगतान नहीं हो पाया। तत्कालीन महाप्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह के पहल व मजदूरों द्वारा संघर्ष किए जाने के बाद वेतन का भुगतान हो पाया। ज्ञात हो कि कैंटीन संचालक किए जाने को लेकर केंद्रीय कार्यशाला बरकाकाना के महाप्रबंधक पदेन अध्यक्ष होते हैं। सचिव व सदस्यों का चयन चुनाव प्रक्रिया के तहत किया जाता है। इसके बावजूद कैंटीन में काम करने वाले मजदूर तंगहाली में जीवन जीने पर विवस है। सीसीएल द्वारा कैंटीन को संचालन किए जाने को लेकर मजदूरों को केवल गैस उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसे भी सीसीएल द्वारा बंद कर दिया गया है। गैस उपलब्ध नहीं होने के कारण कैंटीन बंद होने के कगार पर पहुंच चुका है। कैंटीन बंद होने से सीसीएल कर्मियों को नाश्ता व खाना भी नहीं मिल पा रहा है।

क्या कहते हैं मजदूर

सीसीएल कैंटीन में काम करने वाले 11 मजदूरों ने संयुक्त रूप से कहा कि सीसीएल द्वारा कैंटीन का संचालन वर्ष 1973 से करवाया जा रहा है। जिसमें हम सभी मजदूर लगातार काम करते आ रहे हैं। सीसीएल द्वारा अक्टूबर माह से गैस उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण कैंटीन बंद हो चुका है। लगभग दो सालों से मजदूरों का वेतन का भी भुगतान नहीं हो पाया है। सीसीएल द्वारा बताया गया कि कैंटीन से होने वाले आय से ही मजदूर अपना मजदूरी को प्राप्त करना होगा। इन शर्तों पर भी हम मजदूर कैंटीन का संचालन करने के लिए तैयार हैं। इसके बावजूद सीसीएल द्वारा कैंटीन को निजी हाथों में सौंपने की बात कही जा रही है। सीसीएल कैंटीन में काम करने वाले मजदूर धनबाद लेबर कोर्ट में वाद दायर कर कैंटीन को निजी हाथों में सौंपने का विरोध किया गया है। इसके साथ ही सीसीएल से मिलने वाले अनुदान को पुनः चालू किए जाने व सरकार द्वारा निर्धारित मजदूरी देने का अपील की गई है।

सेल ने स्वदेशी स्टील से आईएनएस आन्द्रोत को दी मजबूती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात निर्माता और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने आईएनएस आन्द्रोत के लिए विशेष ग्रेड स्टील की पूरी जरूरत की आपूर्ति की है, जिसे आज 6 अक्टूबर, 2025 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। यह भारत की नौसेना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आईएनएस आन्द्रोत, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट श्रृंखला का दूसरा युद्धपोत है। इस श्रृंखला का पहला शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अर्नाला था, जिसे 18 जून 2025 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। सेल ने उल्लेखनीय योगदान देते हुए, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट युद्धपोतों - जिसमें क्रर अर्नाला और क्रर आन्द्रोत शामिल हैं - के लिए आवश्यक सम्पूर्ण विशेष ग्रेड स्टील, जिसमें एचआर शीट्स और प्लेट्स शामिल हैं, की आपूर्ति की है। इस विशेष ग्रेड इस्पात की आपूर्ति सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्रों से की गई है। आईएनएस आन्द्रोत का कमीशन भारत की समुद्री क्षमताओं के विस्तार और आत्मनिर्भर भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सेल इस राष्ट्रीय प्रयास के लिए अपने सहयोग को फिर से दोहराते हुए, स्वदेशी स्टील उत्पादन के जरिये रणनीतिक रक्षा अवसंरचना को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपाइयों ने डॉ आदित्य प्रसाद साहू को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला उपाध्यक्ष रंजन फौजी के नेतृत्व में महेन्द्र प्रजापति और वरिष्ठ नेता जगदीश शर्मा के साथ आज कुजू ओरमांझी स्थित डॉ आदित्य प्रसाद साहू से मिलने उनके आवासीय कार्यालय पहुंचकर भाजपा झारखंड प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर डॉ आदित्य जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी साथ ही बुके, अंग वस्त्र और कैप पहनाकर सम्मानित किया। मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि आज वो जो कुछ भी हैं वो आप कार्यकर्ताओं के प्यार और स्नेह के बदौलत ही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक मात्र राजनीति संगठन है जहां बुथ के कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय पटल पर अपनी छाप छोड़ जाता है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण दायित्व देकर राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो भरोसा मुझ पर जताया है उस पर खरा उतरने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जगत प्रकाश नड्डा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष बाबु लाल मरांडी एवं प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं रंजन फौजी ने बधाई देते हुए कहा कि डॉ आदित्य जी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने से कार्यकर्ताओं में उत्साहवर्धन हुआ है उनके संगठनात्मक अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा वहीं झारखंड भाजपा संगठन को विस्तार होगा और पार्टी सशक्त होगी। आज पूर्व विधायक एवं अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष किशुन दास, राधा गोविंद विश्वविद्यालय के कुलपति बी एन सिंह, ओबीसी मोर्चा के रांची प्रभारी जगेश्वर प्रजापति सहित विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं ने अंग वस्त्र और बुके देकर उन्हें बधाई दी।

पत्नी से अनबन रहने पर पुत्र करता था मां से बात, नाराज पिता ने की बेटे की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पत्नी से एक साल से अनबन रहने और बेटे के अपनी मां से बातचीत करने और मिलने से नाराज पिता ने पुत्र को मौत के घाट उतार दिया। धारदार टांगी से सोये अवस्था में गर्दन पर 10 से 15 बार वार किया। घटना के बाद पिता फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर करमाई घाटी जंगल स्थित ऐनवा मैनवा टोला से गिरफ्तार कर लिया। यह मामला जिले के पांकी थाना क्षेत्र के रतनपुर का है। घटना चार अक्टूबर की रात की है, जबकि पांच अक्टूबर की सुबह में इसकी जानकारी लोगों को हुई। पुलिस के अनुसार रतनपुर में सूरज कुमार ठाकुर की हत्या उसके पिता अमित कुमार ठाकुर ने की। अमित ने पूछताछ में बताया कि एक वर्ष से पत्नी से अनबन है। बातचीत बंद थी, लेकिन उसका पुत्र सूरज उससे संपर्क में रहता था। नाना-नानी के घर आता जाता था। बार बार मना करने के बाद भी वह नहीं मानता था। इससे गुस्सा होकर चार अक्टूबर की रात घर में रखे टांगी से उसके गर्दन पर 10 से 15 वार कर गला काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल टांगी को घर से एवं पहने हुए टीशर्ट और गमछी को रतनपुर के ऐनवा मैनवा टोला के करमाई घाटी से बरामद किया गया। आरोपित को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने आमजनों से अपील की है कि किसी तरह की घटना होने के बाद विधि व्यवस्था भंग न करें और न ही कानून को अपने हाथ में लें। कानून का उल्लंघन करने पर पुलिस ऐसे लोगों पर सख्त कानूनी कार्रवाई कर सकती है।

तांतरी में राजस्व शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जरीडीह अंचल कार्यालय की ओर से सोमवार को तांतरी उत्तरी पंचायत भवन में राजस्व ग्राम खुटरी, तांतरी दक्षिणी के जमीन मालिकों, रैयतों के सुविधा के लिए ऑन स्पाट एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कई गांव के लोग पहुंचे और जमीन का रसीद, लगान, दाखिल खारिज समेत बंटवारा नामा का काम करवाया। सीओ प्रणव ऋतुराज ने बताया कि इस प्रकार के शिविर अंचल के सभी राजस्व ग्रामों में लगाने का आदेश जिला प्रशासन की ओर से आया है। इसी कड़ी में आज रैयतों के कई काम किये गए। मौके पर मुखिया गिरीन्द्र मिश्रा, उप मुखिया नमित मिश्रा, राजस्वकर्मी अंजु रानी, सत्यनारायण शर्मा, महादेव सोरेन, विश्वनाथ मंडल आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की मंत्री से मुखिया और प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटरों की समस्याओं पर चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सोमवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की माननीय मंत्री श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह से शिष्टाचार मुलाकात हुई। इस मुलाकात में मुखिया एवं प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर के समस्याओं पर चर्चा की गई और त्वरित समाधान करने के लिए आश्वासन दिया गया।

मुखिया की समस्याएं

मुखिया की समस्याओं पर चर्चा करते हुए मंत्री महोदया ने कहा कि वे मुखिया की समस्याओं को समझती हैं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा कि मुखिया की भूमिका ग्रामीण विकास में बहुत महत्वपूर्ण है और उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है।

प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याएं

प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याओं पर चर्चा करते हुए मंत्री महोदया ने कहा कि वे प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याओं को समझती हैं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की भूमिका ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना और सेवाओं को पहुंचाने में बहुत महत्वपूर्ण है और उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है।

त्वरित समाधान का आश्वासन

मंत्री महोदया ने आश्वासन दिया कि वे मुखिया एवं प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता ग्रामीण विकास और पंचायती राज को मजबूत करना है और इसके लिए हम आवश्यक कदम उठाएंगे। मंत्री महोदया से मुलाकात के बाद आभार व्यक्त किया गया और उम्मीद जताई गई कि वे मुखिया एवं प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याओं का समाधान करने में मदद करेंगी।

संक्षिप्त खबरें

तीन याचिकाओं को लेकर रामगढ़ में हुई समीक्षा बैठक, अधिकारियों को समाधान के निर्देश

रामगढ़ : झारखंड विधानसभा याचिका समिति की आज रामगढ़ परिसदन में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में रामगढ़ के डीडीसी, रामगढ़ विधानसभा की विधायक ममता देवी, बगोदर विधानसभा के विधायक नागेंद्र महतो और मांडू के विधायक निर्मल महतो के साथ-साथ जिला प्रशासन के तमाम विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में रामगढ़ और मांडू के विधायकों ने अपने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया और लंबित पड़े मामलों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक समाप्त होने के बाद रामगढ़ विधायक ममता देवी ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि जनता से आई याचिकाओं में तीन याचिका हमारे रामगढ़ जिले की थीं। इन्हें लेकर विभिन्न अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक हुई और इन याचिकाओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

श्री श्री काली पूजा समिति पालू पिपरी टोला का हुआ कमेटी गठन

पतरातू : काली मंदिर पालू पिपरी टोला में काली पूजा मेला धूमधाम से मनाने को लेकर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मोहन महतो एवं संचालन कामेश्वर महतो ने किया। बैठक में काली पूजा व मेला को सफल बनाने को लेकर कमेटी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष रविन्द्र कुमार उपाध्यक्ष राजेश कुमार महतो सचिव नितेश कुमार महतो उपसचिव दिनेश कुमार महतो कोषाध्यक्ष बाबूलाल महतो उप कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार महतो, संरक्षक मुखिया पानो देवी, पंसस सुनीता देवी, अजय कुमार सिंह, उप मुखिया उज्जवल सिंह, पुर्व मुखिया गंगाधर महतो, रघुवीर महतो कमेटी में रखा गया है। सदस्य के रूप में दिनेश ठाकुर भागीरथ महतो रमेश पाहन घनश्याम महतो प्रताप सिंह मनदीप महतो संतोष चौधरी फुलेश्वर महतो महेंद्र नायक फूलचंद महतो प्रकाश राम सर्वण महतो किशोर उरांव सोहराय उरांव दिलीप गोसाई दिलीप कुमार विमलेश कुमार महतो दिनेश कुमार महतो रामबरण कुमार सोनू कुमार जयप्रकाश कुमार रविंद्र गंझू हीरालाल मुंडा अभय राम विजय मुंडा पंकज राम सुनील प्रजापति विनोद महतो विशेश्वर महतो महेंद्र कुमार नायक राजू नायक राहुल नायक कृष्णा नायक जेठा उरांव मनोज महतो सहित कई लोग को कमेटी में रखा गया है।

आरपीएफ की सतर्कता से 6 लाख के गहने और सामान मालिक तक सुरक्षित पहुंचे

बोकारो : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट बोकारो की एस्कॉर्टिंग टीम ने रविवार को वंदे भारत एक्सप्रेस में ड्यूटी के दौरान एक लावारिस महिला पर्स बरामद कर उसके असली मालिक तक सुरक्षित पहुँचाया। एसआई रोजमत अंसारी, दो आरपीएफ कर्मियों के साथ ट्रेन संख्या 21896 वंदे भारत एक्सप्रेस में बोकारो से टाटा की यात्रा पर थे, तभी कोच ई1 में सीट संख्या 21-22 पर एक पर्स मिला जिसकी सूचना यात्रियों और ऑन ड्यूटी टीटीई सुशील कुमार व कोच अटेंडेंट गोविंद कुमार ने दी। पूछताछ के बाद भी मालिक का पता न लगने पर पर्स की वीडियोग्राफी की गई और अंदर मिले सामानों एक सोने का मंगलसूत्र, सोने का जितिया लॉकेट, चाँदी की एक जोड़ी पायल, एक चश्मा, एक इन्हेलर दवा और एक ज्वेलरी दुकान की पर्ची की सूची तैयार की गई। पर्ची पर मिले मोबाइल नंबर से संपर्क करने पर पता चला कि पर्स शाइनी ठाकुर (33), पत्नी डॉ. हेमंत ठाकुर, निवासी आदर्श नगर, समस्तीपुर (बिहार) का है, जो 5 अक्टूबर को ट्रेन संख्या 21893 में टाटा से पटना की यात्रा के दौरान अपना पर्स भूल गई थीं।गहनों और अन्य वस्तुओं की कुल कीमत लगभग 6 लाख रुपये आंकी गई। 6 अक्टूबर को दोपहर 3:30 बजे, शाइनी ठाकुर की बहन मोनालिशा कश्यप बोकारो आरपीएफ पोस्ट पहुँचीं, जहाँ उचित सत्यापन के बाद सभी सामान सही स्थिति में उन्हें सौंप दिया गया। परिवार ने आरपीएफ बोकारो की ट्रेन एस्कॉर्टिंग पार्टी को तत्परता और ईमानदारी के लिए धन्यवाद दिया।

अलुआरा के पंकज दुबे ने संगीत साधना से रचा अपना अलग मुकाम

बोकारो : दामोदर नदी के किनारे बसे शांत गांव अलुआरा से शुरू हुई एक साधना ने आज संगीत की दुनिया में नई पहचान बना दी है। गांव के ही पंकज कुमार दुबे ने अपनी लगन और तपस्या से भक्ति संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय स्थान हासिल किया है।गरीब ब्राह्मण परिवार में जन्मे पंकज दुबे के जीवन में संगीत बचपन से ही घुला हुआ था। उनके दादा मदन मोहन दुबे उनकी प्रेरणा बने, जिन्होंने उनमें गायन की रुचि जागृत की। बचपन में ही जब उनकी आवाज ने खेदाडीह विद्यालय के प्रधानाचार्य निवारण पांडेय को प्रभावित किया, तो उन्होंने उनकी पढ़ाई मैट्रिक तक निःशुल्क करवाई — यहीं से संगीत उनके जीवन का ध्येय बन गया।पंकज दुबे ने रेडियो रांची के प्रसिद्ध संगीतज्ञ सदानंद महतो से संगीत की शुरुआती तालीम प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कोलकाता, प्रयागराज और चंडीगढ़ से संगीत रत्न, संगीत प्रभाकर और संगीत विशारद जैसी प्रतिष्ठित उपाधियाँ अर्जित कीं। साथ ही उन्होंने तबला में सीनियर डिप्लोमा और हजारीबाग विश्वविद्यालय से हिंदी में एमए की पढ़ाई पूरी की।सन् 2004 में उन्होंने डीएवी पब्लिक स्कूल में बतौर संगीत शिक्षक अपने करियर की शुरुआत की। वर्ष 2010 में दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय हंसराज भजन प्रतियोगिता में डीएवी लोदना टीम को दूसरा स्थान दिलाना उनके करियर की बड़ी उपलब्धियों में से एक रही। भजन और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें राज्य के कई मंत्री, विधायक और सांस्कृतिक संस्थाएँ सम्मानित कर चुकी हैं।पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के समक्ष प्रस्तुति देने का अवसर पाना पंकज दुबे के जीवन का स्वर्णिम क्षण रहा। आज वह केवल एक शिक्षक नहीं, बल्कि समाज को भजन-कीर्तन, रामकथा, शिवकथा, श्रीकृष्ण कथा और गरुड़ पुराण कथा जैसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से आध्यात्मिकता से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उनके अनेक शिष्य देश-विदेश के मंचों पर पहचान बना रहे हैं और कई टीवी शो में भी चयनित हो चुके हैं।

एक नजर

बंगाली समुदाय के लोगों ने परंपरागत ढंग से मनाई लक्खी पूजा

साहिबगंज : जिला के कोटालपोखर में शरद पूर्णिमा के मौके पर प्रखंड के कोटालपोखर, पथरिया, सोनाकंड, मयूरकोला सहित उसके आसपास के क्षेत्र में धन व वैभव की देवी मां लक्खी की पूजा अर्चना विधि-विधान से सोमवार को परंपरागत ढंग से की गई। कोटालपोखर, पथरिया, सोनाकंड, मयूरकोला में मां लक्खी की प्रतिमा स्थापित कर संध्या समय पूजा की गई। लक्खी पूजा को लेकर बंगाली समुदाय के महिला व पुरुष ने दिनभर उपवास रख कर वैदिक रूप से विधि-विधान पूजा अर्चना किया। फल-फूल के अलावा देवी मां को चुड़ा-गुड़, खीर-पूरी नारियल का लड्डू आदि का भोग लगाया गया। मान्यता है कि मां लक्खी की पूजा करने से धन एवं वैभव में वृद्धि होती है।

धूमधाम से मनाई गई मां लखी पूजा

साहिबगंज : शरद पूर्णिमा की शाम बंगाली समुदाय के भक्तों अपने घरों व बंगाली टोला दुर्गा मंदिर, नेताजी सुभाष कॉलोनी रिफ्यूजी कॉलोनी दुर्गा मंदिर, झरना कॉलोनी दुर्गा मंदिर, नॉर्थ कॉलोनी दुर्गा मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में मां लखी की प्रतिमा स्थापित करके बंगला विधि विधान से वैदिक मंत्रोचारण के साथ मां लखी की पूजा अर्चना करके प्रसाद चढ़ाकर भोग लगाया गया। वही जिला के सभी प्रखंड क्षेत्रों में मां लखी की पूजा अर्चना धूमधाम से वैदिक मंत्रोचारण के साथ की गई।

डीएमएफटी परिषद की बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास पर जोर

पूर्वी सिंहभूम : जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट शासी परिषद की बैठक सोमवार को टाउन हॉल, सिदगोड़ा में उपायुक्त सह अध्यक्ष कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती, पोटका विधायक संजीव सरदार, उप विकास आयुक्त नागेन्द्र पासवान, मुखिया और संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान डीएमएफटी मद से संचालित योजनाओं की प्रगति, भविष्य की प्राथमिकताएं और संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि डीएमएफटी निधि का मुख्य उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ लक्षित समुदाय तक पारदर्शी और त्वरित रूप से पहुंचे, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील किया कि ग्राम सभा के माध्यम से प्राथमिकता आधारित योजनाओं की अनुशंसा करे और उनके क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग दें।

पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : नशे के कारोबार पर नकेल कसने के लिए उलीडीह पुलिस ने रविवार को उलीडीह ओपी क्षेत्र के मुर्दा मैदान के पास गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 140 पुड़िया ब्राउन शुगर (कुल 18 ग्राम) और 2000 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बबन खान उर्फ शेख बबन और पवन साहू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डीएसपी पटमदा बचनदेव कुजुर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

झारखंडी समाज ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के विरोध में उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : लद्दाख के पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को झारखंडी समाज के बैनर तले जमशेदपुर में एकजुट होकर जन प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन लद्दाख में छठी अनुसूची के प्रावधान, राज्य का दर्जा और युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के समर्थन में आयोजित हुआ। प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त कार्यालय, पूर्वी सिंहभूम के समक्ष एकत्र होकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार से लद्दाख के लोगों की आवाज सुने जाने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि लद्दाख की जनता बीते कई वर्षों से अपने संवैधानिक अधिकारों और पहचान की रक्षा के लिए संघर्षरत है। उन्होंने कहा कि छठी अनुसूची का दर्जा लद्दाख की सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय अस्मिता की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। वहीं, बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी और लद्दाख को राज्य का दर्जा देना समय की मांग है। झारखंडी समाज के प्रतिनिधियों ने पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी और लेह में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की ओर से किए गए अत्याचारों की तीखी निंदा की। इस मौके पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि लद्दाख की जनता की मांगें पूरी तरह वैधानिक और संवैधानिक हैं। केंद्र सरकार को चाहिए कि वह लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ तत्काल संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का न्यायपूर्ण समाधान करे। प्रदर्शन में झारखंडी समाज के विभिन्न संगठनों और समुदायों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। इनमें प्रमुख रूप से डॉ. संजय लुगुन, मनोज तिर्की, प्रदीप सोरेन, रीता मुंडा, बिनोद उरांव, ममता कच्छप, संतोष उरांव, अमित टोप्पो, सुनीता हेंब्रम, राजेश टुडू, सुबोध मुंडा और प्रेम आनंद एक्का शामिल थे।

एसपी ने मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी में दिए कई निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन के पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में सोमवार को मासिक अपराध नियत्रंण गोष्ठी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता पुलिस कप्तान अमित कुमार सिंह ने की। अपराध गोष्ठी में एसपी ने थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए अपराध नियंत्रण सम्बंधी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें। एसपी ने दीपालवी, काली पूजा व छठ पर्व को लेकर भीड़ से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी करने, बैकअप प्लान तैयार करने, पूजा समितियों सदस्यों की सूची तैयार करने, फूहड़ व धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला गाना नहीं बजाना सुनिश्चित कराने, पूजा पंडाल के इर्दगिर्द नशा उत्पादों पर रोक लगाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने का विशेष निर्देश दिया। कहा कि रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करें। गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करें। चौक, चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करें। हर गली मोहल्लों में पेट्रोलिंग करें। चोरी की घटना में संलिप्त पूर्व में रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें। उन्होंने थाना में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया।

सरायकेला के गम्हरिया बाजार से शराब कारोबारी बापी दास गिरफ्तार,करोड़ों की संपत्ति का खुलासा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सरायकेला जिला के आदित्यपुर थाना क्षेत्र के गम्हरिया बाजार से आबकारी विभाग की टीम ने अवैध देशी शराब के कारोबार में लिप्त बापी दास को गिरफ्तार किया है। आबकारी की टीम ने उसे शराब बेचते रंगे हाथों पकड़ा और 50 लीटर महुआ शराब भी जब्त की। पुलिस के अनुसार, अवैध देशी शराब के कारोबार में लिप्त बापी दास को आबकारी विभाग ने बीती रात गिरफ्तार कर लिया। आबकारी विभाग की टीम ने सब इंस्पेक्टर नीरज कुमार के नेतृत्व में बापी को गम्हरिया बाजार में रंगे हाथ अवैध शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बापी दास वर्षों से अवैध शराब का कारोबार करता था। इस मामले में कई बार शिकायत मिलने के बाद भी छापामारी के दौरान कारोबारी बापी दास गिरफ्त में नहीं आता था। सब इंस्पेक्टर नीरज कुमार के नेतृत्व में सिविल ड्रेस में पहुंची टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इधर, अचानक हुई कार्रवाई से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। दरअसल, जिला उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह को क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद उनके निर्देश पर उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में यह छापेमारी की गई। टीम सिविल ड्रेस में मौके पर पहुंची और अचानक दबिश देते हुए बापी दास को पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अधिकारियों ने उसे दोनों बाहों से थामकर सरेआम बाजार से हिरासत में लिया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। छापेमारी के दौरान टीम ने 50 लीटर से अधिक अवैध महुआ शराब भी जब्त की। आबकारी दरोगा नीरज कुमार ने सोमवार को बताया कि आरोपित को पकड़ने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई थी, ताकि वह इस बार फरार न हो सके।

स्टेशन पर "ऑपरेशन नन्हे फरिस्ते" के तहत आरपीएफ के द्वारा दो नाबालिग लड़कों का रेस्क्यू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पूर्वी रेलवे के मालदा मंडल के बरहरवा रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे परिसरों में असुरक्षित बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेशन नन्हे फरिश्तों के तहत अपने क्षेत्राधिकार में निवारक जाँच और निगरानी अभियान तेज कर दिए हैं। ये अभियान मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा, के मार्गदर्शन और ए.के. कुल्लू, मंडल सुरक्षा आयुक्त, मालदा के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे हैं। जहां 05 अक्टूबर 2025 को लगभग 19:30 बजे, बरहरवा रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी और अन्य असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध नियमित जाँच के दौरान, बरहरवा पोस्ट के आरपीएफ ने बुकिंग कार्यालय के पास दो नाबालिग लड़कों को संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा। जब उनसे संपर्क किया गया, तो वे डरे हुए लग रहे थे और उन्होंने अपनी पहचान नशीम शेख और साहिल शेख के रूप में बताई, दोनों साहेबगंज, झारखंड के निवासी हैं। बातचीत के दौरान पता चला कि ये लड़के पारिवारिक विवाद के बाद घर छोड़कर चले गए थे और काम की तलाश में पटना और फिर मुंबई जाने वाले थे। उनकी नाजुक हालत को देखते हुए, आरपीएफ टीम ने लड़कों को सुरक्षित बचा लिया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें बरहरवा आरपीएफ पोस्ट ले आई। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने और उनके माता-पिता को सूचित करने के बाद, बचाए गए नाबालिगों को स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार परामर्श और पुनर्वास के लिए बाल संरक्षण मंथन, साहिबगंज की अनुराधा मंडल को सौंप दिया गया। पूर्वी रेलवे का मालदा मंडल यात्रियों और संवेदनशील व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्टेशनों और ट्रेनों में नियमित जाँच और सतर्क गश्त के माध्यम से ऐसी गतिविधियों पर लगातार कड़ी नजर रख रहा है। मालदा मंडल आम जनता से अपील करता है कि वे सतर्क रहें और स्टेशनों या ट्रेनों में कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत निकटतम रेलवे कर्मचारियों, आरपीएफ या अधिकारियों को सूचित करके सहयोग करें।

शरद पूर्णिमा पर धन की देवी मां लक्खी को भक्तों ने रात्री जागरण कर किया प्रसन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है। उसकी किरणें धरती पर अमृत बरसाती हैं। यह रात धार्मिक, आध्यात्मिक व स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहद खास है। इसी वजह से भारतीय सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा को सभी पूर्णिमाओं में श्रेष्ठ माना गया है। यह वो रात है जब चंद्रमा अपनी पूर्ण शक्ति, सौंदर्य व सोलह कलाओं से युक्त होकर पृथ्वी पर अमृत की वर्षा करता है। इस साल शरद पूर्णिमा छह अक्टूबर को है। आश्विन मास की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा या कोजागरी पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। को जागरी शब्द का अर्थ को जागर्ति यानी कौन जाग रहा है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात को मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं। हर घर के दरवाजे पर जाकर यह देखती हैं कि कौन-कौन भक्त जागरण कर रहा है। जो भक्त जागरण कर मां लक्ष्मी व भगवान विष्णु की पूजा करते हुए मिलते हैं। उनके घर में देवी प्रवेश करती हैं। यह पर्व मुख्य रूप से बंगाली समाज की ओर से बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है। पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक, समुद्र मंथन के समय देवी लक्ष्मी की उत्पत्ति शरद पूर्णिमा की तिथि पर ही हुई थी। इसीलिए इस दिन को देवी लक्ष्मी के प्राकट्य उत्सव के रूप में मनाया जाता है। जो भक्त इस रात जागरण करके माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, उन पर मां की विशेष कृपा होती है और उन्हें धन-धान्य तथा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। इसीलिए भी इसे कोजागरी पूर्णिमा या फिर लखी पूजा भी कहते हैं।

एक सौ केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगा, वार्ड के लोगों में खुशी की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के बरहरवा प्रखंड मे वार्ड संख्या 2 के निवासियों को अब बिजली संकट से स्थायी रूप से मुक्ति मिल गई है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम के अथक प्रयासों से, वार्ड में 63 केवीए के पुराने ट्रांसफार्मर को हटाकर उसकी जगह 100 केवीए क्षमता वाला एक नया और उच्च क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया गया है। इसके साथ ही, क्षेत्र के सभी जर्जर और पुराने बिजली के तारों को भी पूरी तरह से बदल दिया गया है, जिससे अब वार्डवासियों को स्थिर और सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

लम्बे समय से थी लो-वोल्टेज और फ्यूज उड़ने की समस्या

वार्ड के निवासियों ने बताया कि पहले उन्हें मस्जिद चौक स्थित ट्रांसफार्मर से बिजली मिलती थी। अधिक दूरी और लोड के कारण उन्हें लगातार लो वोल्टेज, बार-बार फ्यूज उड़ने और शॉर्ट सर्किट जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता था, जिससे वे वर्षों से परेशान थे। इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए, वार्ड संख्या 2 के नागरिकों ने निशा मैरिज हॉल के समीप एक नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की थी।

तनवीर आलम ने पूरी की जनता की मांग

नागरिकों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए, कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम ने विभागीय अधिकारियों से निरंतर संवाद किया और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करवाई। पहले 7 अप्रैल 2025 को 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया था, लेकिन जनता की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए, आज 06 अक्टूबर 2025 को 100 केवीए का उच्च क्षमता वाला ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया। वार्डवासियों ने इस पहल पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की और तनवीर आलम का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने अपना वादा पूरा किया है और वर्षों से चली आ रही बिजली संकट को स्थायी रूप से समाप्त कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट हेतु विभिन्न विद्यालयों में शिविर का हुआ आयोजन

साहिबगंज : जिले में आधार में 5 से 7 वर्ष एवं 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट बड़ी संख्या में लंबित है। इस कार्य की सफलता सुनिश्चित करने हेतु सोमवार को जिला के विभिन्न उच्च विद्यालयों में विशेष आधार अपडेट शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन जिला परियोजना पदाधिकारी,साहिबगंज संदीप कुमार के देखरेख में किया गया। संदीप कुमार ने स्पष्ट किया कि सभी बच्चे आधार बायोमेट्रिक अपडेट से जुड़ें, ताकि भविष्य में उन्हें किसी प्रकार की सरकारी योजना, छात्रवृत्ति या अन्य सुविधा प्राप्त करने में कठिनाई न हो। उन्होंने सभी ऑपरेटरों एवं संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर संपन्न कराने का आग्रह किया।

अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल के नेतृत्व में एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

साहिबगंज : जिला के राजमहल प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत 6 अक्टूबर 2025 को डॉ रामदेव पासवान सिविल सर्जन साहिबगंज के आदेशानुसार अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर जामनगर में डॉ उदय टुडू उपाधीक्षक अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल के नेतृत्व में एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे उक्त गाँवों में लोगों को सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच एवं स्थल पर ही दवा वितरण किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों को एनसीडी स्क्रीनिंग, बीपी, शुगर, सिकल सेल एनीमिया, मलेरिया, कालाजार, फाइलेरिया, यक्ष्मा, टीकाकरण, एचआईवी, सिफलिस एवं अन्य सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच किया गया। साथ ही साथ स्थल पर ही आभा कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। इस मौके पर डॉ सत्ती बाबू डबडा जिला वीबीडी सलाहकार, डॉ अंकित कुमार, डॉ विद्या भूषण कुमार, स्वीट कुमारी एआरटी सेंटर, मनीष टुडू केटीएस, संजय यादव एसटीएस, अनु कुमारी सीएचओ, सोनम कुमारी सीएचओ, एलटी, एएनएम, फार्मासिस्ट, एमपीडब्ल्यू, सहिया साथी, सहिया आदि सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

खाद्य सुरक्षा को लेकर शहर के कई होटलों, रेस्टोरेंट व मिठाई दूकानों में छापेमारी

साहेबगंज : जिला के सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान और जिला खाद्य सुरक्षा निरीक्षक मनोज कुमार ने खाद्य सुरक्षा को लेकर सोमवार को शहर के कई होटलों, रेस्टोरेंट व मिठाई दूकानों में छापेमारी करते हुए वहां ग्राहकों को परोसे जाने वाले सामानों में उपयोग में आने वाले खाद्य उत्पादों की बारीकी से जांच पड़ताल की। इस दौरान दोनों ही वरीय अधिकारियों ने नगर थाना क्षेत्र के फूडबूक, गांधी चौक के समीप स्थित होटल कलिंगा में संचालित कावेरी रेस्टोरेंट और मोती महल के किचन में बनाए जा रहे उत्पाद सामानों की बारीकी का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने रेस्टोरेंट संचालक को कई तरह का आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले कई दुकान के दूकानदारों से जुमार्ना भी वसूला गया। इसको लेकर सिविल सर्जन ने बताया कि जिन दुकानों खाद्य सुरक्षा नियमों का अब तक लाइसेंस नहीं बनाया गया है, वैसे दुकानदार एक सप्ताह के अंदर अपना लाइसेंस बनवा लें नहीं तो कार्यवाही की जाएगी।

दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। इन गिरफ्तारियों की जानकारी थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने दी। राजमहल पुलिस ने अनुमंडल न्यायालय, राजमहल के जीआर-93/23 के तहत जारी वारंट के आधार पर फिरोज शेख को गिरफ्तार किया। फिरोज शेख, पिता स्वर्गीय सज्जाद शेख के पुत्र हैं और मानसिंहा निवासी हैं। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एक अन्य मामले में, राजमहल थाना कांड संख्या 317/25, दिनांक 05/09/25 के तहत उस्मान शेख को गिरफ्तार किया गया। यह मामला धारा-103(1)/3(5) बी.एन.एस 2023 के तहत दर्ज किया गया था। उस्मान शेख पिता बहारुद्दीन शेख के पुत्र हैं और खैरदिग्गी निवासी हैं। गिरफ्तारी के बाद उन्हें भी माननीय न्यायालय की अभिरक्षा में भेज दिया गया।

चुनाव से पहले पटना वासियों को मिल गई मेट्रो ट्रेन की सौगात

टाइम टेबल, किराया और सुविधाओं के बारे में जानें

पटना। पटनावासियों के लिए आज बड़ा दिन है। कई साल का इंतजार खत्म हो गया रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सुबह पौने 12 बजे पटना मेट्रो के पहले फेज की सेवा का शुभारंभ कर दिया। पाटलिपुत्र बस टर्मिनल डिपो के पास बने मेट्रो स्टेशन से वह भूतनाथ से न्यू आईएसबीटी तक पहले फेज की मेट्रो के परिचालन का शुभारंभ किया। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (पीएमआरएल) ने परिचालन की अंतिम तैयारी पूरी कर ली है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखेंगे। मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। कोचों में गेट, खिड़कियों और अंदरुनी हिस्सों पर गोलघर, महावीर मंदिर, महाबोधि वृक्ष, बुद्ध स्तूप और नालंदा के खंडहर जैसे बिहार के विश्वप्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के आकर्षक स्टिकर लगाए गए हैं। मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग पहले ही प्रायरिटी कॉरिडोर के तीन स्टेशनों पर मेट्रो के परिचालन को हरी झंडी दे चुके थे पटना मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त ने सिग्नलिंग सिस्टम, पटरियों की मजबूती, ट्रेन की गति, ब्रेकिंग सिस्टम और अन्य तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की है।

सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद मेट्रो को परिचालन के लिए मंजूरी दी गई। शुरूआत में मेट्रो की अधिकतम गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपये होगा। वहीं न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपये निर्धारित किया गया है। यानी पटना मेट्रो का फिलहाल न्यूनतम किराया 15 रुपये और अधिकतम किराया 30 रुपये होगा। पहले चरण में आइएसबीटी मेट्रो स्टेशन से भूतनाथ रोड तक मेट्रो चलेगी। फिलहाल इसका परिचालन सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक किया जाएगा। हर 20 मिनट के अंतराल पर प्रत्येक स्टेशन पर मेट्रो उपलब्ध होगी। प्रतिदिन मेट्रो 40 से 42 फेरे लगाएगी। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए प्रत्येक ट्रेन में 12-12 सीटें आरक्षित होंगी। मेट्रो कोच में मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा भी होगी। प्रत्येक कोच में सभी दरवाजों के पास एक लाल रंग का पैनिक बटन दिया गया है। कोच के अंदर डिस्प्ले बोर्ड पर अगले स्टेशन की जानकारी और घोषणाएं लगातार चलती रहेंगी। वहीं यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मेट्रो कोच में 360-डिग्री सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आपात स्थिति के लिए दो इमरजेंसी बटन और माइक्रोफोन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आपात स्थिति में बटन दबाने पर यात्री सीधे मेट्रो रेल के ड्राइवर से बात कर सकेंगे और सीसीटीवी फुटेज भी कंट्रोल रूम में भेजी जाएगी। प्रत्येक कोच में कुल 138 सीटें हैं और उसमें 945 यात्री खड़े होकर यात्रा कर सकते है। पटना मेट्रो की सुरक्षा बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस (बीएसएपी) के जवान संभालेंगे। बीएसएपी के जवान मेट्रो पर चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे। प्रवेश द्वार से लेकर प्लेटफार्म तक इनकी तैनाती होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को ही बेली रोड पर मेट्रो के भूमिगत खंड के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास करेंगे। यह भूमिगत खंड मेट्रो परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो शहर के व्यस्त इलाकों में मेट्रो के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कॉरिडोर वन के तहत कुल छह भूमिगत स्टेशनों के लिए 9.35 किमी की सुरंग की आधारशिला रखेंगे।

इस कॉरिडोर में पटना जंक्शन से रुकनपुरा और मीठापुर तक 9.35 किमी लंबी सुरंग शामिल है, जिस पर कुल 2,565.80 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। इसका निर्माण कार्य अगले 42 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य है। निर्माण के फेज वन में रुकनपुरा, राजा बाजार और चिड़ियाघर स्टेशन के साथ ही पाटलिपुत्र एलिवेटेड स्टेशन के बाद रुकनपुरा रैंप शामिल है। जिसकी कुल लागत 1,147.50 करोड़ रुपये है। वहीं, फेज दो में विकास भवन, विद्युत भवन और पटना जंक्शन स्टेशन के साथ विकास भवन से मीठापुर तक सुरंग का निर्माण भी शामिल है। जिसकी कुल लागत 1,148.3 करोड़ है।

मुर्गा काटने से लेकर कॉमेडियन तक का सफर

मुजफ्फरपुर। यूट्यूबर मणि मेराज को यूपी पुलिस ने GF से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया है। मणि की गर्लफ्रेंड वन्नू दी ग्रेट (असली नाम वंदना) ने उनपर रेप और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद से ही मेराज काफी चर्चा में है। कई लोग सोच रहे होंगे कि आखिर मणि मेराज कौन है। दरअसल, मेराज यूट्यूब पर एक जाना माना नाम है, वो मुजफ्फरपुर के साहेबगंज का रहने वाला है। शुरूआती दिनों में रसूलपुर चौक पर अपने भाई की दुकान पर सहयोग करता था। इसका अपना चिकन शॉप था, जिसमें मुर्गा काटता था। लेकिन इसे शुरू से ही एक्टर बनने की चाहत थी। इसी चाहत में टिक टॉक पर वीडियो बनाकर डालना शुरू किया। छोटे-छोटे वीडियो क्लिप्स में अश्लीलता परोसने लगा। भोजपुरी में पहली बार मजाकिया लहजे में परोसे जाने वाला यह फूहड़पन लोगों को पसंद आने लगा। फूहड़पन लोगों को आया पसंद तो पूरी टीम खड़ी कर ली मणि के लाइक, व्यूज के साथ फॉलोअर्स बढ़ने लगे। इसके बाद अपने गांव के लड़कों के साथ ही इसने अपनी टीम खड़ी कर ली। टिकटॉक जब इंडिया में बैन हुआ तो फिर यह यूट्यूब की ओर मूव किया। टिकटॉक की तरह वीडियो क्लिप्स यहां भी डालना शुरू किया। यहां भी लोगों पसंद आने लगा। फिर यह अश्लीलता के साथ फूहड़ कॉमेडी वीडियो बनाने लगा देखते देखते यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग तेजी से बढ़ने लगी। सोशल साइट्स पर इसकी और मोहम्मद रोजीद (झगरू महतो) की जोड़ी ने धमाल मचा दी। इन दोनों की अश्लीलता से भरा कॉमेडी वीडियो मिलियन क्रॉस कर गया। सोशल साइट्स पर हैं 100 अश्लील वीडियो साल 2022 के बाद तेजी इसकी लोकप्रियता बढ़ी और ये भोजपुरी फिल्म, डांसिंग और सिंगिंग में भी अपना करियर तलाशने लगा। हाल में मणि की एक भोजपुरी फिल्म भी रिलीज हुई थी। सोशल साइट्स पर मणि मेराज के 100 से अधिक फूहड़ वीडियो पड़े हैं। जिसमें खुलकर ऑन द कैमरा गाली गलौज, गंदे इशारे और भद्दे कमेंट्स हैं। गर्लफ्रेंड के चलते विवाद में आया को-एक्टर वन्नू द ग्रेट से रिश्ते में दरार आने के बाद मणि मेराज पूरी तरह से विवाद में आ गया। अंजली के लगाए गए गंभीर आरोप से बच नहीं पाया। उसने मणि और उसके माता पिता पर धर्म परिवर्तन, मारपीट जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं।मणि मेराज के अधिवक्ता शिवनंदन भारती ने बताया कि आरोप लगा देना और उसे साबित करना आसान नहीं है। दोनों लिव-इन में रह रहे थे। जब रिश्तों में अनबन हुआ, कड़वाहट आई तो लड़के को फंसाकर जेल भिजवा दो। इसका इस्तेमाल अब कवच की तरह हो रहा है। नया ट्रेंड चला है। अधिकतर इस तरह के मामले में कड़ी से कड़ी धारा लगवाने के लिए इसका मिसयूज किया जाता है।

बिहटा में प्रसव के बाद महिला की मौत, जमकर हंगामा

पटना। के बिहटा थानाक्षेत्र के मीरा झा रोड स्थित एक निजी क्लीनिक में एक गर्भवती महिला की बच्चे को जन्म देने के बाद रविवार देर रात मौत हो गई।परिजन ने डॉक्टर की लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान संतोष कुमार की 25 वर्षीय पत्नी पूजा कुमारी के रूप में हुई है।घटना के बाद क्लीनिक से डॉक्टर और सभी कर्मी फरार हो गए। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।2 साल पहले हुई थी महिला की शादी जानकारी के अनुसार, पूजा कुमारी की शादी दो साल पहले बिहटा प्रखंड के पैनाठी गांव निवासी संतोष कुमार से हुई थी।

संक्षिप्त डायरी

बारिश के पानी में डूबकर 2 बच्चों की मौत

मुजफ्फरपुर। के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के आदर्श नगर कॉलोनी में शनिवार को हुई बारिश के बाद जलजमाव हो गया। जिसमें 2 बच्चों की डूबने से मौत हो गई। दोनों बच्चे खेल के दौरान पतंग लेने गए थे। मृतकों की पहचान आदर्श कुमार (9) और राजा कुमार (8) के रूप में हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बच्चे घर के पास बने जलजमाव में पतंग लेने के लिए गए और अचानक पानी में गिर गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर स्थानीय लोग इकट्ठा हुए। एक स्थानीय लड़की ने बच्चों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन असफल रही।इसके बाद मोहल्ले के अन्य लोग मदद के लिए आए। करीब एक घंटे की कोशिश के बाद दोनों बच्चों को बाहर निकाला गया और पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।एएसपी ने कहा, बहुत दुखद घटना हैस्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम और पुलिस की लापरवाही इस हादसे में बड़ी भूमिका निभाई। यदि समय पर पानी की निकासी की जाती और बचाव दल मौके पर तुरंत पहुंचता, तो शायद बच्चों की जान बचाई जा सकती थी। एएसपी टाउन सुरेश कुमार ने बताया कि यह एक बेहद दुखद हादसा है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार किया है।स्थानीय लोगों ने कहा कि बारिश के बाद पानी का जलजमाव कई क्षेत्रों में बना हुआ था और बच्चों के खेलने के लिए सुरक्षित वातावरण नहीं था।

टीचर की पिटाई से चौथी क्लास के छात्र की मौत

मुजफ्फरपुर। में शिक्षक की पिटाई से चौथी में पढ़ने वाले 8 साल के छात्र की मौत हो गई है। किशोर की पिटाई 16 सितंबर को हुई थी। 4 अक्टूबर को इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया। 5 अक्टूबर को परिजन ने स्कूल के बाहर हंगामा किया। जिसके बाद स्कूल को सील कर दिया गया। मृतक प्रिंस कुमार है। जो हथौड़ी थाना के झिटकहिया गांव निवासी सुजीत कुमार बेटा था।पिता सुजीत कुमार के अनुसार 16 सितंबर को दोपहर 12 बजे स्कूल से फोन आया कि आपके बेटे को हल्की चोट लगी है, आप तुरंत स्कूल आइए। जब मैं पहुंचा तो बेटा बेहोश था।उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। स्कूल संचालक से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि बच्चा खेलते समय गिर गया, लेकिन बच्चे की हालत देखकर उनकी बातों पर यकीन नहीं हुआ।स्थानीय लोगों और कुछ छात्रों से जानकारी मिली कि स्कूल के शिक्षक रवि कुमार ने प्रिंस की बेरहमी से पिटाई की थी। सहपाठियों ने भी बताया कि घटना वाले

बंदरा में विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज

मुजफ्फरपुर। जिले के बंदरा प्रखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में पुलिस और आईटीबीपी के जवानों ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला।यह फ्लैग मार्च रविवार शाम चार बजे हत्था थाना परिसर से शुरू हुआ। यह मुन्नी बैंगरी, हत्था, पटसारा, रतवारा, मतलुपुर और तेपरी पंचायतों से होते हुए गुजरा।फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों में सुरक्षा और शांति का संदेश देना था। इस दौरान लोगों से निर्भीक होकर चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।हत्था थानाध्यक्ष लोकेश कुमार चौधरी ने बताया कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, अफवाह या असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर गश्ती और निगरानी की जाएगी।फ्लैग मार्च में थानाध्यक्ष के अलावा दारोगा चितरंजन प्रसाद, विपुल कुमार, संकेत कुमार सहित पुलिस बल और आईटीबीपी के जवान शामिल थे।उधर, पियर थाना क्षेत्र में भी पुलिस और आईटीबीपी के जवानों ने बड़गांव में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया।इस अभियान के तहत वाहनों की डिक्की और कागजातों की जांच की गई। थानाध्यक्ष रजनीकांत ने बताया कि आवश्यक कागजात नहीं पाए जाने पर कुल 32 हजार रुपये का चालान काटा गया।

पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति का लाइव बवाल, यूज एंड थ्रो का लगाया आरोप!

पटना। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह के बवाल से विधानसभा चुनाव 2025 की रणभेरी बजने से पहले बिहार की राजनीति में जबरदस्त हलचल मच गई है। ज्योति के इस हंगामे से पवन सिंह की विधानसभा तक की राह में संकट के काले बादल मंडराने लगे हैं। ज्योति सिंह के आरोपों ने पवन को बैकफुट पर लाने के आसार और भी मजबूत कर दिए हैं। क्या है पूरा मामला- दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव में जब पवन सिंह काराकाट सीट से मैदान में उतरे थे, तब ज्योति सिंह ने हर विवाद को नजरअंदाज करते हुए हमसाया बनकर उनका पूरा साथ दिया था। चुनाव के बाद भले ही दोनों के बीच अंदरूनी तनाव बना रहा, लेकिन किसी ने भी सार्वजनिक तौर पर इस पर कुछ नहीं कहा। चुनाव के बाद ज्योति सिंह खुद भी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में थीं। वे पवन सिंह की ओर से रोहतास और औरंगाबाद जिलों में लोगों के सुख-दुख में शामिल होती रहीं और लगातार सक्रिय रहीं। लेकिन हाल ही में पवन सिंह के भाजपा में दोबारा वापसी के बाद हालात बदल गए। ज्योति सिंह ने ऐलान किया कि वे पवन सिंह से मिलने लखनऊ स्थित उनके घर जाएंगी। ऐलान के मुताबिक वे रविवार को लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित फ्लैट पर पहुंचीं, लेकिन वहां पवन सिंह के बजाय यूपी पुलिस मौजूद थी। पुलिस ने ज्योति को पवन के फ्लैट में प्रवेश करने से रोक दिया। इसी बात को लेकर ज्योति ने मौके पर ही भारी बवाल किया और सोशल मीडिया पर लाइव आकर रोते हुए अपना दर्द बयां किया। बवाल के दौरान ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मैंने लोकसभा चुनाव में पवन का हर कदम पर साथ दिया था। लोगों से उनके लिए वोट मांगे, लेकिन अब मुझे ही अपमानित किया जा रहा है। मुझे उनके घर से बेदखल कर दिया गया। यूपी पुलिस से मेरा अपमान कराया गया। यह अपमान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि हर बहू और पत्नी का है। अगर मुझे इंसाफ नहीं मिला तो मैं आत्महत्या कर लूंगी। इस विवाद ने पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच चल रहे तनाव को सार्वजनिक कर दिया है। विधानसभा चुनाव से पहले यह विवाद खुलने से पवन सिंह की राजनीतिक सेहत पर असर पड़ना लगभग तय माना जा रहा है। गौरतलब है कि भाजपा में वापसी के बाद से ही पवन सिंह के भोजपुर जिले की किसी सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा तेज थी। लेकिन ज्योति के इस बवाल ने उस चर्चा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। विरोधियों को अब बैठे-बिठाए एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। अगर पवन सिंह चुनाव मैदान में उतरते हैं, तो विरोधी दल ज्योति सिंह के आरोपों को जोरदार तरीके से उठाकर उन्हें बैकफुट पर लाने की पूरी कोशिश करेंगे। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि पवन के विरोधी दल अब ज्योति सिंह को अपने पाले में लाने की कोशिश करेंगे। अगर ऐसा हुआ, तो वे उसी सीट से चुनाव लड़ सकती हैं, जहां से पवन सिंह उतरने की तैयारी कर रहे हैं।फिलहाल, ज्योति के बवाल के बाद बिहार की राजनीति में नई हलचल मच गई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि राजनीति का यह ऊंट किस करवट बैठेगा।

फ्लैट से जिस लड़की को फेंका गया-उसका नाम सोफिया

पटना। बहन पटना में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। वह किसी अस्पताल में काम भी करती थी। एक दिन ये लड़का (आरोपी का फोटो दिखाते हुए) मेरी बहन के साथ बेतिया मेरे गांव आया था। उसने कहा था, मैं पुलिस में नौकरी करता हूं, अब आपकी बहन का दोस्त हूं। मैंने उससे पूछा- पहले कभी बहन के साथ घर नहीं आए तो बोला- पुलिस में होने के कारण छुट्टी बहुत कम मिलती है। वो स्कॉर्पियो से आया था। अगले दिन सुबह मेरी बहन को लेकर पटना आ गया। फिर मेरी बहन की हत्या कर दी। अब जैसे मेरी बहन की हत्या हुई है, वैसे ही उसको सजा मिलनी चाहिए।' ये दर्द उस शबाना का है, जिसकी छोटी बहन सोफिया की हत्या फ्लैट की तीसरी मंजिल से फेंककर कर दी गई।और उसके परिवार के सदस्य डेड बॉडी लेने

पटना पहुंचे हैं। परिवार के लोगों को कैसे पता चला, लड़की यहां क्या करती थी? वो लड़का कैसे मिला? इन सब सवालों पर पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) के शव गृह में पिछले 4 दिनों से रखी गई युवती के शव की पहचान हो गई है। युवती की पहचान बेतिया के भंगहा बलुआ गांव निवासी 22 वर्षीय सोफिया परवीन उर्फ रुखसार के रूप में हुई है। सोफिया का शव लेने के लिए उसकी बड़ी बहन शबाना खातून, नाना, मौसी और एक मुंहबोले भाई शनिवार की देर रात पटना के IGIMS पहुंचे। सभी जरूरी औपचारिकताओं के बाद पुलिस ने शव को परिजनों के हवाले कर दिया। परिवार रोते-बिलखते शव को लेकर गांव रवाना हो गए। बचपन के दोस्त ने भास्कर की खबर में देखी सोफिया की तस्वीर सोफिया की बहन शबाना ने बताया कि, 'सोफिया के बचपन का दोस्त आरजू है। 3 अक्टूबर को आरजू मोबाइल देख रहा था। इसी बीच भास्कर की खबर पर उसकी नजर पड़ी। खबर में उसने सोफिया की तस्वीर देखी। आरजू ने बिना देरी किए मुझे इस बारे में जानकारी दी। शाम का वक्त था, मैं उस वक्त अपने ससुराल में थी। ससुराल से मायके की दूरी करीब 12ड्ट है। मैं किचन में काम कर रही थी। मैंने घर का सारा काम छोड़ा और मां-पिता के पास पहुंच गई।

तेजस्वी ने इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ की मीटिंग, कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर लगाया आरोप

पटना। बिहार चुनाव की तारीखों की घोषणा होने से पहले कांग्रेस ने भारत निर्वाचन आयोग पर फिर से बड़ा आरोप लगा दिया है। कांग्रेस ने कहा कि मतदाता सूची में भारी फर्जीवाड़ा हुआ है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर 38 लाख लोगों के नाम काट दिए गए हैं। इसमें 23 लाख महिलाएं और 15 लाख पुरुष शामिल हैं, जो आगामी विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह सब मोदी सरकार के इशारे पर हुआ है। सूत्र बता रहे हैं इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार की 16 विधानसभा सीटे- कटोरिया,

चकाई, ठाकुरगंज, कोचाधामन, रानीगंज, बनमनखी, धमदाहा, रुपौली, प्राणपुर, छातापुर, सोनवर्षा, झाझा, रामनगर, जमालपुर, तारापुर, मनिहारी पर उतरने की इच्छा जताई है। झामुमो का दावा है कि अगर इन सीटों पर उनके उम्मीदवार उतरते हैं तो इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित है। अब झामुमो को कितनी सीटें मिलती है? यह बैठक के बाद ही साफ हो पाएगा। सीट शेयरिंग समेत अन्य मुद्दों को लेकर नेता प्रतिपक्ष और इंडिया गठबंधन के कॉर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने गठबंधन के सभी घटक दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक बुलाई। तेजस्वी यादव के पोलो रोड स्थित आवास में आयोजित इस बैठक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी समेत सभी प्रमुख नेता पहुंचे। मुकेश सहनी ने कहा कि आज की बैठक काफी अहम होने वाली है। इसमें यह तय हो जाएगा कि सीट बंटवारें की घोषणा हमलोग कब करेंगे। सीट बंटवारे से पहले रविवार एनडीए के सभी घटक दल एक मंच पर दिखे और एकजुटता का संकेत दिया। भाजपा प्रदेश कार्यालय से आज पार्टी के घोषणा पत्र के लिए लोगों से सुझाव लेने हेतु 'पेटियां रथों' को रवाना किया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल झंडी दिखाकर इन रथों को रवाना किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने इस मौके पर कहा कि भाजपा के द्वारा मतदाताओं से सुझाव लेने के लिए सुझाव संग्रह अभियान की आज से शुरूआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार में गरीब कल्याण और महिला सशक्तिकरण और किसान के कल्याण के लिए धरातल पर बहुत सारे काम किये है। एनडीए की फिर से सरकार बने इसके लिए हम मतदाताओं से घोषणा पत्र के लिए सुझाव चाहते है कि जनता बिहार विकसित बिहार बनाने के लिए वे अपना सुझाव देने का काम करे। उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी दल पूरी तरह से एकजुट हैं। महागठबंधन के लिए लोकसभा चुनाव में तेजस्वी यादव के साथ लगातार मेहनत करने के बाद अब उन्हें विधानसभा चुनाव में इंडी एलायंस से उप मुख्यमंत्री पद के साथ 40-50 सीटों का लोभ है। यह होता नहीं दिख रहा है। इस बीच रविवार को भाजपा की सक्रियता के साथ मुकेश सहनी को लेकर चर्चा गरम हो गई है। पहले वह ऐसी चचाओं को बकवास बता चुके हैं, लेकिन फिर अब कहा जा रहा है कि उन्हें एनडीए में संभावना नजर आ रही है। वह संकेत दे रहे हैं। मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए के साथ थी।

बढ़ते शिशु के आहार को न करें नजरअंदाज

अगर छह महीने के बाद शिशु को सम्पूरक महिला के जीवन में बच्चे को जन्म देना सबसे ज्यादा खुशी के पलों में से एक है. किसी व्यक्ति ने तो यहां तक कहा है कि संतान को जन्म देना किसी भी महिला के जीवन में अध्यात्म की गंभीर शुरुआत होती है. आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

अगर छह महीने के बाद शिशु को सम्पूरक आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और बच्चे के शरीर में पोषण-संबंधी कमी आ सकती है. महिला के जीवन में बच्चे को जन्म देना सबसे ज्यादा खुशी के पलों में से एक है. किसी व्यक्ति ने तो यहां तक कहा है कि संतान को जन्म देना किसी भी महिला के जीवन में अध्यात्म की गंभीर

शुरुआत होती है. पहले दिन से ही शिशु और मां एक अटूट बंधन में बंध जाते हैं, जो स्तनपान द्वारा और अधिक मजबूत होता जाता है.

स्तनपान से बच्चों को मिलती है संतुष्टि

मशहूर ब्रिटिश प्रसूति विशेषज्ञ ग्रैंटली डिक-रीड ने कहा है कि नवजात शिशु की केवल तीन मांगें होती हैं. वह अपनी मां की बाजुओं की गर्माहट चाहता है, उसके स्तनों से अपना आहार चाहता है और उसकी उपस्थिति में अपनी सुरक्षा का भान चाहता है. स्तनपान तीनों की संतुष्टि करता है. हालांकि, एक ऐसा समय आता है जब मां का दूध बढ़ते शिशु की पोषण-संबंधी आवश्यकताएं पूरी करने के लिए पर्याप्त नहीं होता. छह माह की आयु से शिशु की अच्छी सेहत, बढ़त और विकास के लिए ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोत और अन्य आवश्यक पुष्टिकर जरूरी हैं.

जब बच्चा छह महीने का हो जाए तब मां के दूध के साथ अर्ध ठोस एवं ठोस खाद्य पदार्थ भी जरूरी हो जाते हैं, इसे कॉम्प्लीमेंट्री फीडिंग कहते हैं. यद्यपि डॉक्टरों का परामर्श है कि अनुपूरक आहार न तो बहुत जल्दी शुरू करना चाहिए और न ही इसमें देरी करनी चाहिए क्योंकि ऐसा करने पर बाद में सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पो

पोषण की जरूरत

फोर्टिस हॉस्पिटल्स के बाल रोग विभाग के निदेशक और विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल नागपाल के अनुसार छह महीने से लेकर 18-24 महीने का वक्त किसी भी बच्चे के लिए अतिसंवेदनशील समय होता है. इंसान के शरीर का सबसे तीव्र विकास शिशुवस्था में होता है और शारीरिक वजन की प्रति इकाई के आधार पर पोषण की जरूरत उच्चतम स्तर पर होती है.
यही वह वक्त है जब कई बच्चों में कुपोषण की शुरुआत होने लगती है. केवल छह महीने की उम्र में ही बच्चे की पाचन प्रणाली इस काबिल हो पाती है कि वह अर्ध ठोस और ठोस आहार को पचा पाए. 4 से 6 माह के दौरान उसके पेट और गुर्दे का परिपक्व हो जाता है, जिससे मां के दूध के अलावा अन्य आहार को प्रोसेस करने में उसे मदद मिलती है और इस कार्य को सुरक्षित तरीके से करने के लिए इस उम्र तक उसके मोटर स्किल्स भी विकसित हो जाते हैं.

ठोस आहार वक्त से पहले न दें

इसीलिए चिकित्सा विशेषज्ञों का सर्वसम्मति से यह मानना है कि छह महीने की आयु से बच्चे को सम्पूरक आहार देना शुरू करना चाहिए. ठोस आहार वक्त से पहले खिलाने पर मोटापे, मधुमेह, उदर रोग, एलर्जी तथा अन्य विकृतियों (जैसे बचपन के बाद के वर्षों में खाज) का जोखिम बढ़ जाता है. किंतु माताओं में जानकारी की कमी के चलते समय से पहले ठोस आहार देने का चलन जारी है.
वास्तव में, 4 से 5 महीने के 30 प्रतिशत शिशुओं को अनुपूरक आहार दिया जाता है, जबकि चिकित्सकीय सलाह इसके विपरीत है. इसी तरह, अगर छह महीने के बाद सम्पूरक आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

केवल मां का दूध पर्याप्त नहीं

बच्चे के शरीर में पोषण-संबंधी कमी आ सकती है क्योंकि अब केवल मां का दूध उसकी सभी पोषण आवश्यकताओं पूरा करने में सक्षम नहीं होता. सम्पूरक आहार की अवधि हेतु पोषण-संबंधी सलाह, इस कॉन्सेप्ट पर आधारित है कि मां के दूध से 6 महीने के शिशु की ऊर्जा, प्रोटीन और माइक्रोन्यूट्रीएंट्स संबंधी जरूरतें पूरी नहीं होतीं.
इस उम्र के बाद भी जिन बच्चों को केवल मां के दूध पर ही पोषित किया जाता है उनमें पोषण की कमी रह जाती है और पेचिश व निमोनिया जैसे रोके जा सकने वाले रोगों के खिलाफ प्रतिरक्षा कम हो जाती है.

तनाव की वजह आपका ही घर तो नहीं!

जब किसी घर में रहने वाले लोग गलत दिशा में सोना शुरू कर देते हैं तो उन्हें चिंता घेर लेती हैं. सामान्य कारणों के लिए आपा खोना, नौकरी छूटने के डर के साथ जीना, स्टॉक मार्केट क्रैश के बारे में लगातार सोचना या किसी बीमार पारिवारिक सदस्य या दोस्त के बारे में सोचना हमारी रोजाना की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं. हम सब अनिश्चितता की स्थितियों के बारे में सोचते हैं. ये स्थितियां ही सामान्य चिंता, ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर, सामाजिक चिंता और पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस जैसी बीमारियों के कारण हैं.

हममें से कई ने इन बीमारियों के मूल कारण को जानने की कोशिश किये बिना तनाव, चिंता और डिप्रेशन के साथ जीना सीख लिया है. हमें पता है कि इस हालात का पहले ही इलाज कर लेना चाहिए, फिर भी हम ऐसा तभी करते हैं, जब ये स्ट्रोक्स, हार्ट अटैक, ओबेसिटी, इनफर्टिलिटी जैसे बुरे रूप अख्तियार कर लेते हैं और ये सब लंबे समय तक चलने वाले तनाव, चिंता और डिप्रेशन के परिणाम हैं.
आश्चर्यजनक तो यह है कि हममें से अधिकतर को इस बात का पता तक नहीं है कि इन बीमारियों के मुख्य कारणों में से एक की जड़ें हमारे अपने घर में ही हैं. हमारे घर में हमारे आसपास फैली निगेटिव एनर्जी का परिणाम चिंता और तनाव के रूप में सामने आता है. वास्तुशास्त्र का कहना है कि यदि हमारा घर यूनिवर्सल एनर्जी सिस्टम के आधार पर बना हो तो कोई भी बाहरी तत्व वहां रहने वालों को तनावपूर्ण या चिंतित नहीं कर सकता. वास्तु शास्त्र के अनुसार बनाया गया घर यह सुनिश्चित करता है कि वहां रहने वाले लोग हमेशा शांति महसूस करेंगे, उनकी रोजाना की जिंदगी में आने वाली निगेटिविटी घर की पॉजिटिव एनर्जी से खत्म हो जाती है.
वास्तुशास्त्र ने घर में की जाने वाली हर गतिविधि के लिए कुछ दिशाओं का वर्गीकरण किया है. ये वर्गीकरण हर दिशा में मौजूद एनर्जी के स्तर के अनुसार किये गये हैं. जब किसी घर में रहने वाले लोग मन मंथन वाली दिशा यानी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में सोना शुरू कर देते हैं तो उन्हें चिंता घेर लेती है. चिंता का दूसरा कारण इस जोन में योग या प्रार्थना करना भी है. पिछले 20 वर्षों में वास्तु के क्षेत्र में किये गये शोध एक आश्चर्यजनक तथ्य सामने लेकर आये हैं. इनके अनुसार, डायबिटीज और हाई ब्लडप्रेशर से जूझ रहे अधिकतर लोगों का किचन इसी दिशा क्षेत्र में होता है. इन लोगों के घरों में जब हमने महावास्तु बार चार्ट तकनीक के अनुसार पूर्व-दक्षिण-पूर्व की क्षेत्रीय शक्ति का विश्लेषण किया तो हमें यह पता चला कि इस क्षेत्र की एनर्जी किस तरह वहां रहने वाले लोगों के मन को प्रभावित करती है और व्यक्ति बेचैन हो जाता है. वह सही निर्णय ले पाने की क्षमता खो देता है और उसे कई मामलों में नुकसान का सामना करना पड़ता है. इससे कई स्तरों पर उसकी चिंता और भी बढ़ जाती है. ठीक इसी तरह, इस क्षेत्र का बढ़ा होना किसी भी व्यक्ति को अधिक विश्लेषणात्मक बना देता है.
इस क्षेत्र में सोने से व्यक्ति की चिंता का स्तर बढ़ने के कारण उसे उलझते रिश्ते और खराब स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है. उसके दिमाग में विचारों की उधेड़बुन चलती रहती है. इसलिए आदर्श स्थिति में, पूर्व-दक्षिण-पूर्व में बेडरूम नहीं होना चाहिए. वास्तुशास्त्र केवल आदर्श दिशा के बारे में ही नहीं बताता बल्कि आपको यह भी बताता है कि यदि आपके घर में वास्तु दोष है तो किस तरह निगेटिव एनर्जी को खत्म किया जा सकता है. यह शास्त्र केवल दोषों का पता नहीं लगाता, यह समस्याओं का समाधान भी बताता है.
उदाहरण के लिए, यदि आपका बेडरूम पहले से पूर्व-दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में है तो आपको इसके नकारात्मक प्रभाव को ठीक करने की जरूरत है.
दीवारों को लाइट क्रीम या हल्के पीले रंग के शेड की ओर या पेस्टल ग्रीन के लाइट टोन में करके इस नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है. दीवारों पर ये रंग काफी हद तक तनाव और चिंता को सोख लेते हैं. प्रैक्टिकल केस स्टडीज के आधार पर वास्तु के सरल फार्मुलों को सीख कर आप चिंता से छुटकारा पाने के अलावा उत्साह और फुर्ती से आगे बढ़ सकते हैं. इससे आपको घर से हर निगेटिविटी दूर करने में मदद मिलती है और शांति, समृद्धि और खुशहाली का आवागमन होता है.

इस तरह बनें ग्लैमरस

आप अपनी वार्डरोब देखकर परेशान हो रही होंगी कि इनमें से एक भी पहनने लायक नजर नहीं आ रहा। सभी के साथ यह प्रॉब्लम रहती ही है, वजह है कम्पलीट गाइडेंस की कमी। जबकि थोड़ी सी जानकारी हो तो आप अपने मौजूदा आऊटफिट्स के सही कॉम्बिनेशन से ही प्रेजेंटेबल नजर आ सकती हैं।

आमतौर पर आप सिंपल रहना पसंद करती हैं, लेकिन आप इस केजुअल लुक को पूरी तरह बदलकर ग्लैमरस नजर आ सकती हैं। इसके लिए विशेष मेहनत की जरूरत भी नहीं होगी। बस आपको चाहिए कुछ फिटिंग वाली ड्रेसेज और क्लासिक एसेसरीज, गजब का मेकअप और राइट एटीट्यूड। वॉर्डरोब को मैनिज करने के लिए पहले अपने कलेक्शन को लिमिटेड करें और बेहद जरूरी चीजों को अलग रखें। इनमें ब्लैक फॉर्मल ट्राउजर, बेज कलर में ट्राउजर, ब्लू जींस, वाइट शर्ट या ब्लाउज, ब्लैक टॉप और फुटवियर्स में वेजेस रखें। इंडो-वेस्टर्न में ऑफिस में पहने जाने वाले कुर्ते या कुर्तियों को डिफरंट बॉटमवियर मसलन जींस, ट्राउजर, स्कर्ट वगैरह के साथ मैच करें।

लिटिल ब्लेक ड्रेसेज

कहीं भी हों, अपने आस-पास के लोगों को नोटिस करें कम से कम दस-पन्द्रह लोग ऐसे मिल जाएंगे, जिन्होंने ब्लेक पहना हुआ होगा। यही वह रंग है जिसे लोग हर मौके पर पहनने को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए जब कुछ न जंचे तो ब्लेक पहन लीजिए।

वेल फिटेड डार्क डेनिम जींस

वार्डरोब में एक जोड़ी वेल फिटेड डेनिम जींस का होना हर महिला के लिए जरूरी है। अवसर के मुताबिक आप जिस तरह से नजर आना चाहती हैं वैसे ही किसी भी तरह के टी, टॉप या ट्यूनिक या फिर लिनिन ब्लाउज को इसके साथ मैच किया जा सकता है। इसके साथ ब्राइट कलर्ड स्कार्फ कैरी कर आऊटफिट को ग्लैमरस लुक दिया जा सकता है।

क्लासिक साड़ी

पारंपरिक प्योर सिलक साड़ी को अच्छे स्टायलिश और फिटेड ब्लाउज के साथ मैच करें। ज्वेल टोन वाली कॉकटेल साड़ी को नूडल स्ट्रेप ब्लाउज के साथ ट्राय करें। साड़ी के बिना किसी भी भारतीय महिला की वार्डरोब अधूरी ही होगी। सिंपल किटी हो या शादी का मौका यह हर अवसर के लिए अनुकूल है। साड़ी कभी भी आऊट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकती, हर बार इसे पहनने का तरीका बदलकर दूसरों को भी नयेपन का अहसास करा सकती हैं।

अनूठी एसेसरीज नया लुक

एसेसरीज के बिना कोई लुक कम्पलीट नहीं हो सकता। अवसर के मुताबिक पहनी गई एसेसरीज आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगा देती हैं। जरूरी नहीं कि यह महंगी ही हो या डिजाइनर बैग्स और शूज ब्रांडेड ही हो। कई बार सिंपल एसेसरीज और बैग्स भी आपको डिफरेंट लुक दे देते हैं। यह इतने भारीभरकम भी न हो कि आपकी पर्सनैलिटी पर भारी नजर आने लगे। सही तरीके से चुनी और पहनी गई एसेसरीज आपको भीड़ में भी अलग पहचान देगी।

फाइंड द राइट

- सबसे पहले तय करें कि आप पर किस तरह की चीजें सूट करेंगी। आऊटफिट्स और एसेसरीज का चुनाव करते समय क्लीयर होना चाहिए कि आपको क्या चाहिए। यह सब आपके बॉडी शेप के मुताबिक ही हो।
- अगर आप लंबी और दुबली हैं तो अल्ट्रा फिटेड लायक्रा आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। यह बॉडी शेप के मुताबिक ढल जाती है।
- अगर आपका फिगर परफेक्ट नहीं हैं, टमी भी बढ़ी हुई नजर आ रही है या बैक पोर्शन हेवी है तो बैलून ड्रेस ट्राय करें।
- अगर आपकी बांहे और कंधे चौड़े हैं तो आपको हॉल्टर नेक ड्रेस पहननी चाहिए। इनके साथ शेंडेलियर इअररिंग्स और ऊंचे और पतली शेप वाले शूज या बैलीज पहनें। यह सब सिंपल और क्लासी हो, और ड्रेसेज का फेब्रिक मौसम के अनुकूल हो।
- वूल और वूल ब्लेंड्स सर्दियों के लिए उचित रहते हैं वहीं सेटिन, सिल्क और रेयोन साल के बाकी महीनों के लिए।

रोहित के बाद अब सूर्या के कप्तानी पर भी आ सकता है संकट? इस दिग्गज ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए 26 वर्षीय शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी सौंपी गई है, जिसने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने इस फैसले को 'मास्टरस्ट्रोक' करार देते हुए गिल को एक 'नैचुरल लीडर' बताया है, जो जिम्मेदारी मिलने पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सामने लाते हैं। गिल की पहली चुनौती 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी।

BCCI का बड़ा फैसला: रोहित से छिनी कप्तानी

BCCI के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इस बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने खुद रोहित शर्मा को सूचित किया कि बोर्ड ने उन्हें वनडे कप्तानी से मुक्त करने का निर्णय लिया है। अगरकर ने कहा, 'हमने रोहित से बात की और उन्हें बताया कि शुभमन गिल को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया है। यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है।' गिल अब 2027 विश्व कप की तैयारियों के लिए भारतीय वनडे टीम का नेतृत्व करेंगे।

मोंटी पनेसर ने की तारीफ

मोंटी पनेसर ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए इस फैसले की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार निर्णय है। गिल ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा की मौजूदगी में उन्हें कप्तान बनाना समझदारी भरा कदम है, क्योंकि रोहित उन्हें मार्गदर्शन दे सकते हैं। हमने इंग्लैंड में देखा है कि गिल एक नैचुरल लीडर हैं।'

पनेसर ने आगे कहा, 'जब आप गिल को जिम्मेदारी देते हैं, तो उनका सर्वश्रेष्ठ रूप सामने आता है। मुझे यकीन है कि इस वनडे सीरीज में हम उनका बेहतरीन प्रदर्शन देखेंगे। यह मेरे लिए आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर भविष्य में उन्हें टी20आई कप्तानी भी सौंपी जाए, क्योंकि वह ऐसे खिलाडी हैं जो जिम्मेदारी मिलने पर और निखरते हैं।'

गिल का फोकस: 2027 विश्व कप

शुभमन गिल ने कप्तानी मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷मेरे लिए यह एक बड़ा सम्मान है। मेरा पूरा ध्यान भविष्य और 2027 विश्व कप पर है। हम अगले कुछ सालों में लगभग 20 वनडे मैच खेलेंगे, और हमारा लक्ष्य एक मजबूत और संतुलित टीम तैयार करना है।÷ गिल ने यह भी बताया कि वह रोहित शर्मा और अन्य सीनियर खिलाड़ियों के अनुभव का लाभ उठाएंगे।

क्रिकेट जगत में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

गिल को कप्तान बनाए जाने के फैसले ने क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच मिली-जुली प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं। जहां कुछ फैन्स और पूर्व खिलाड़ी इस बदलाव से हैरान हैं, वहीं कई लोग इसे भविष्य की रणनीति का

हिस्सा मान रहे हैं। गिल की युवा ऊर्जा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए यह फैसला भारत के लिए नई दिशा तय कर सकता है।

गिल का रिकॉर्ड

26 साल के शुभमन गिल ने अब तक 44 वनडे मैचों में 2271 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 61.37 और स्ट्राइक रेट 103.46 है, जो उनकी निरंतरता और आक्रामकता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों पर सभी की नजरें रहेंगी।

क्या गिल इस नई जिम्मेदारी के साथ भारतीय वनडे क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे? इसके लिए प्रशंसकों को 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली सीरीज का इंतजार है। अधिक अपडेट्स के लिए बने रहें।

टेनिस प्रीमियर लीग: बोपन्ना, डार्डेरी और मौटेट टीपीए के सातवें सत्र में पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी सहित शीर्ष-50 रैंकिंग में शामिल कम से कम तीन एकल खिलाड़ी नौ दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू हो रही टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के सातवें सत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व के 38वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट और उनके हमवतन विश्व के 39वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर मुलर इस लीग में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे जिसकी नीलामी नौ अक्टूबर को मुंबई में होगी। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना ने पिछले साल टीपीएल में पदार्पण किया था। वह एसजी पाइपर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करेंगे। इटली के डार्डेरी राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि मौटेट गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मुलर और आर्थर रिंडरकनेच (विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी) क्रमशः गुजरात पैंथर्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स की टीम को मजबूत करेंगे। लीग में बोस्निया एवं हर्जेगोविना के दामिर जुम्हुर (पूर्व विश्व नंबर 23, वर्तमान नंबर 67) यश मुंबई ईगल्स और अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी (विश्व नंबर 58) जीएस दिल्ली एसेस का प्रतिनिधित्व करेंगे। चेक गणराज्य के उभरते खिलाड़ी डालिबोर स्वर्सिना (विश्व नंबर 91) चेन्नई स्मैशर्स की टीम का हिस्सा है। टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा, 'इस क्षमता वाले खिलाड़ियों को लीग के साथ जोड़ना प्रतिस्पर्धा के स्तर को ही नहीं बढ़ायेगा बल्कि भारतीय टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा।'

लंका प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगे भारतीय खिलाड़ी, जल्द होगी नामों की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंका प्रीमियर लीग (LPL) के आयोजकों ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय क्रिकेटर पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसका छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टी20 टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच शामिल हैं। ये मैच तीन प्रमुख स्थलों कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के इस टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है। उनके नामों की घोषणा जल्द ही की जाएगी जिससे पूरे क्षेत्र के प्रशंसकों में उत्साह का एक नया स्तर जुड़ जाएगा।' इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

शीर्ष दो टीम क्वालीफायर एक में खेलेंगी जिसका विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम एलिमिनेटर में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का विजेता क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम से क्वालीफायर दो में भिड़ेगा जिससे फाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

गावस्कर ने वनडे कप्तानी में बदलाव पर दी बड़ी प्रतिक्रिया, आने वाली खबरें और भी बुरी हो सकती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वनडे टीम में बड़ा बदलाव हो चुका है। रोहित शर्मा से कप्तानी की कमान अब शुभमन गिल को सौंप दी गई है, जिससे रोहित के वनडे नेतृत्व का दौर खत्म हो गया। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस फैसले की पुष्टि की, जिसके बाद क्रिकेट जगत में चर्चा तेज़ हो गई। हालांकि, टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस बदलाव को 'आवश्यक कदम' बताया और कहा कि रोहित शर्मा खुद भी इस फैसले से सहमत हैं।

'2027 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा है यह बदलाव'

गावस्कर ने कहा कि यह फैसला भारत की 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी को ध्यान में रखकर लिया गया है। 'अगर हम अगले दो सालों का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर देखें, तो भारत बहुत कम वनडे खेलेगा। ऐसे में, केवल वनडे खेलने वाले खिलाड़ी के लिए मैच फिट रहना मुश्किल है,' गावस्कर ने स्पोर्ट्स तक से बातचीत में कहा।

'रोहित भी समझते हैं टीम की प्राथमिकता'

गावस्कर के अनुसार, रोहित शर्मा व्यक्तिगत तौर पर इस फैसले से नाराज़ नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'टीम पहले आती है। रोहित ने देश के लिए बहुत कुछ किया है, चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जिताया। लेकिन अगर हमें दो साल आगे सोचना है, तो एक युवा कप्तान को तैयार करना ही समझदारी है, और रोहित इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।'

'आने वाले महीनों में और बुरी खबरें आ सकती हैं'

गावस्कर ने आगे कहा कि यह बदलाव भारतीय टीम प्रबंधन की 'नई दिशा' की शुरुआत है और भविष्य में और बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी यह तय नहीं कर पा रहा कि वह अगले दो साल तक वनडे खेलेगा या नहीं, तो उसके लिए टीम में बने रहना मुश्किल हो जाएगा। आने वाले महीनों में कुछ और कड़े फैसले देखने को मिल सकते हैं।'

'रोहित को अब घरेलू क्रिकेट खेलना होगा'

गावस्कर ने यह भी सुझाव दिया कि अगर रोहित वनडे टीम में वापसी चाहते हैं, तो उन्हें विजय हज़ारे ट्रॉफी जैसी घरेलू टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेना चाहिए ताकि मैच फिटनेस बनी रहे। उन्होंने कहा, 'सिर्फ पाँच-सात वनडे से कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता जा सकता, इसके लिए लगातार अभ्यास जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के बीमार पड़ने के मामले में बीसीसीआई ने दिया जवाब, खाने में समस्या नहीं : राजीव शुक्ला

कानपुर ।भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलिया ए क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के बीमार होने के मामले में उठ रहे सवालों को लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कि अगर टीम होटल के खाने में कोई खराबी होती, तो केवल ऑस्ट्रेलियाई ही नहीं बल्कि भारतीय खिलाड़ी भी बीमार पड़ते।उन्होंने कहा कि चार विदेशी खिलाड़ियों को कही और से संक्रमण हुआ होगा। यह मामला ऑस्ट्रेलिया ए मध्यम तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन की तबियत बिगड़ने के बाद उठा। इस गेंदबाज को तबियत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।इस घटना के बाद से ही क्रिकेटरों की सेहत को लेकर चिंता जतायी गयी थी।वहीं शुक्ला ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि खान एक बड़ होटल से आता है और उसमें कोई कमी नहीं पायी गयी है। शुक्ला ने कहा, 'अगर खाने में कोई समस्या होती, तो सभी खिलाड़ी, जिनमें भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं, बीमार पड़ते।यह कुछ और ही मामला है।उन्हें एक अच्छे होटल का खाना दिया जा रहा है और साभी वही खाना खा रहे हैं।संक्रमण कहीं और से हुआ होगा।'

युवराज, धोनी को खेलते देखकर सीखी बल्लेबाजी : तेवतिया

मुम्बई। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले बल्लेबाज राहुल तेवतिया ने कहा है कि उन्होंने बल्लेबाजी कौशल युवराज सिंह और महेन्द्र सिहं धोनी को देखकर सीखा है।तेवतिया को युवराज की स्टाइल और शॉट चयन पसंद हैं।वहीं धोनी के उन्होंने अंतिम ओवरो में शांत रहकर मैच समाप्त करने के अंदाज से उन्हें भी प्रेरणा मिली।इससे उन्हें अंदाजा हुआ कि फिनिशर को किस प्रकार बल्लेबाजी करनी चाहिये।तेवतिया ने कहा, 'मैं युवराज की बल्लेबाजी देखते हुए ही यहां तक पहुंचा हूं।वहीं जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब मैंने धोनी की बल्लेबाजी को ध्यान से देखना शुरु कर दिया।इससे मुझे पता चला कि डेथ ओवरों में गेंदबाजों को पर कैसे आक्रामक अंदाज में खेला जा सकता है।इससे मुझे काफी लाभ हुआ।' गौरतलब है कि तेवतिया ने साल 2020 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ एक मैच में एक ओवर में ही पांच छक्के लगा दिये थे।इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए साल 2022 में उन्होंने अंतिम दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सत्र में गुजरात की आईपीएल जीत में तेवतिया ने अहम भूमिका निभाई थी।तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में सफलता के लिए स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, 'सफलता या असफलता दोनों में ही समान बने रहना जरुरी है।अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो दुख होना स्वाभाविक है पर हमारा असली ध्यान परिणाम की जगह पर प्रक्रिया और तैयारी पर रहना चाहिए।' गौरतलब है कि तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 144 है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं,

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा, अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। 37 वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार अपने स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे।

भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया। भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है।' युगल में भगत के साथी सुकांत कदम ने कहा, 'प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ मजबूत हो गई है। इस जीत से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।'

इस बीच रणजीत सिंह ने तीन कांस्य पदक जीते। उन्होंने पुरुष एकल डब्ल्यूएच1, पुरुष युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (परमजीत सिंह के साथ) और मिश्रित युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (शबाना के साथ) में तीसरा स्थान हासिल किया। नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में रजत पदक जीता जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल3 में रजत पदक हासिल किया। सरकार ने आरती के साथ मिलकर महिला युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक भी जीता। अन्य नतीजों में नीलेश गायकवाड़ (पुरुष एसएल4) और कनक सिंह जादौन (महिला एसएल4) ने कांस्य पदक जीते। पुरुष एकल एसयू5 में भारत के लिए करण पनीर, राहुल विमल और सतीवाड़ा ने क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

-12 अक्टूबर को होगा उद्घाटन

विशाखापत्तनम ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टैंड होंगे।इन दोनो के नाम के स्टैंड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा।भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टैंड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है।मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टैंड के नाम रखे जाने का फैसला लिया।मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा।स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है।इससे उभरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी।राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्धशतकों के साथ 699 रन बनाए।इसके अलावा, उन्होंने 232 वनडे मुकाबलों में 7 शतकों और 64 अर्धशतकों के साथ कुल 7,805 रन बनाये।89 टी20 मुकाबलों में मिताली ने 2,364 रन निकले।वहीं आंध्र प्रदेश की कल्पना ने बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ ही सात एकदिवसीय भी खेले।

सोफी डिवाइन ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, महिला विश्व कप में ये कमाल करने वाली 10वीं खिलाड़ी बनीं

इंदौर (मध्य प्रदेश) ।न्यूजीलैंड के लिए अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही न्यूजीलैंड की बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने आईसीसी महिला विश्व कप के इतिहास में 10वीं सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों में जगह बनाकर एक यादगार प्रदर्शन किया।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम के पहले पारी में 47.5 ओवर में 231 रन के स्कोर के दौरान डिवाइन ने 98 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 86.73 के स्ट्राइक रेट से 85 रन बनाए।उन्होंने अब तक 27 विश्व कप मैचों और 24 पारियों में 37.65 की औसत और 94 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 866 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145 रन है।वह विश्व कप इतिहास में 10वीं सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं।न्यूजीलैंड की दिग्गज डेबी हॉकले 45 मैचों और 43 पारियों में 42.88 की औसत से 1,501 रन बनाकर शीर्ष पर हैं, जिसमें दो शतक और 10 अर्द्धशतक और 100* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है, उसके बाद भारत की मिताली राज (38 मैचों में 36 पारियों में 47.17 की औसत से 1,328 रन, दो शतक और 11 अर्द्धशतक) और इंग्लैंड की जेनेट ब्रिटिन (36 मैचों और 35 पारियों में 43.30 की औसत से 1,299 रन, चार शतक और तीन अर्द्धशतक) का स्थान है।गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में एक साहसी और संघर्षपूर्ण शतक बनाने के बाद 36 वर्षीय डिवाइन 2025 के संस्करण में अब तक की सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो पारियों में 98.50 की औसत से 197 रन बनाए हैं।

सफी बांग्लादेश के खिलाफ अफगानिस्तान की वनडे सीरीज से बाहर, सामी को मिली जगह

अबू धाबी ।अफगानिस्तान के युवा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम सफी कमर (एडक्टर) में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं।अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने सोमवार को यह जानकारी दी।सफी ने अफगानिस्तान के लिए एक टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के अलावा दो वनडे मैच भी खेले हैं।उनकी अनुपस्थिति में, तेज गेंदबाज बिलाल सामी, जिन्होंने अब तक एक वनडे खेला है, को रिजर्व पूल से अफगानिस्तान की मुख्य टीम में शामिल किया गया है।यह सीरीज क्रमश: 8, 11 और 14 अक्टूबर को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी।ACB ने अपने बयान में आगे कहा, 'टीम के फिजियो का मानना है कि वह इस बुधवार को होने वाले पहले वनडे के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। सलीम ACB के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तब तक अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे जब तक वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते और राष्ट्रीय टीम में फिर से शामिल नहीं हो जाते।' शारजाह में बांग्लादेश से टी20आई श्रृंखला 3-0 से हारने के बाद अफगानिस्तान के लिए कुछ जीत हासिल करने के लिए वनडे श्रृंखला महत्वपूर्ण होगी। रविवार को दोनों टीमों के बीच अंतिम टी20आई में, पहले बल्लेबाजी करने के लिए भेजी गई अफगानिस्तान ने अपनी पूरी पारी के दौरान गति बनाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, जब तक कि दरवेश रसूली (32) और मुजीब उर रहमान के देर से आए उछाल ने उन्हें निर्धारित 20 ओवरों में 143/9 तक नहीं पहुंचा दिया।

महिला विश्व कप: पाकिस्तान पर जीत के बाद हरमनप्रीत कौर ने पिच को लेकर किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलंबो -भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एकदिवसीय विश्वकप 2025 में लगातार दूसरी दर्ज करने के बाद कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पाकिस्तान को 88 रनों से हराने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'सच कहूं तो बल्लेबाजी करने के लिए पिच आसान नहीं थी। हम बस लंबे समय तक खेलना चाहते थे और देखना चाहते थे कि कितने रन बन सकते हैं। जब हमने यहां मई में त्रिकोणीय सीरीज खेली थी, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश के कारण पिच थोड़ा रुक रही थी। मुख्य बात यह थी कि अंत तक विकेट बचाकर रखें, ताकि योजनाओं को लागू किया जा सकें।'

उन्होंने कहा, 'सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र हैं लेकिन अभी मैं खुश हूं कि हम ये मैच जीते। हम बस उसी गति से आगे बढ़ना चाहते हैं। अब हम भारत लौटेंगे, जहां हमें पता है कि पिचें कैसी होंगी। देखते हैं कि हम कौन सा सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन बना सकते हैं और कैसे रोज थोड़ा-थोड़ा बेहतर हो सकते हैं।'

श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच की तरह ही भारत की निचली क्रम की बल्लेबाजी ने टीम को बचाया और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बल्लेबाजी के दौरान भारत लय पाने के लिए संघर्ष करता रहा। एक समय भारत का स्कोर 203 रन पर 7 विकेट था और टीम ऑलआउट होने की कगार पर थी, लेकिन ऋचा घोष के नाबाद 35 रन (20 गेंद) ने स्कोर को 247 तक पहुंचा दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शुरुआती विकेट लिए। फिर बाकी का बचा काम दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने किया।

गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने शुरुआती 10 ओवरों में ही दो विकेट लेकर पाकिस्तान को पीछे धकेल दिया। गौड़ ने बहुत तेज गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए नई गेंद को इधर-उधर घुमाया और पिच से मिलने वाली उछाल से बल्लेबाजो को परेशान किया। भारत का क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। उन्होंने चार कैच छोड़े, जिनमें से तीन पाकिस्तान की शीर्ष स्कोरर सिदरा अमीन के थे। अब भारत अपने अगले दो मैच दक्षिण अफ्रीका से नौ अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया से 12 अक्टूबर को विशाखापट्टनम में भिड़ेगा।

ठाकरे बंधुओं की मुलाकात: अब निकाले जा रहे मायने, सियासी हलचल तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल शुरु हो गई है। यहां हाल ही में हुई शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चीफ राज ठाकरे की ताजा मुलाकात के बाद दोनों के बीच गठबंधन की अटकलें तेज हो गईं हैं। हालांकि, इसे लेकर किसी भी पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ये मुलाकातें ऐसे समय पर हो रही हैं, जब मुंबई में बीएमसी चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। रविवार को बांद्रा पूर्व स्थित मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन में राज्यसभा सांसद संजय राउत के पोते का नामकरण समारोह था। इस मौके पर राज और उद्धव दोनों ही पहुंचे थे। खास बात है कि यहां पर मुलाकात के बाद राज मातोश्री भी गए। खबर है कि दोनों नेता वहां करीब 40 मिनट तक रहे। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि दोनों के बीच किस मुद्दे पर बात हुई।

वहीं भाजपा नेताओं ने रविवार को हुई दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर कहा कि इसका बीएमसी चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा, भगवान ने उद्धव और राज को एक ही परिवार में भेजा है, लेकिन वे अब भी साथ नहीं रहते। उद्धव द्वारा इस बात पर जोर देने का कोई मतलब नहीं है कि वह और राज एक ही रहेंगे। उन्होंने (उद्धव-राज) दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की साथ रहने की इच्छा को भी नहीं माना था। भाजपा के विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर ने कहा कि उनकी पार्टी को इन चचेरे भाइयों के एक साथ आने से ''कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह पूछे जाने पर कि क्या दोनों के बीच गठबंधन सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए खतरा बन सकता है, दरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इन दावों में कोई सच्चाई है कि सत्तारूढ़ (गठबंधन के) दल इस बात से डरे हुए हैं कि राज और उद्धव गठबंधन कर सकते हैं। यह पूरी तरह से काल्पनिक है। मतदाता चुनाव के दौरान फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मनसे-शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन बीएमसी चुनाव के नतीजों को प्रभावित नहीं करेगा।

इससे पहले 5 जुलाई को हुए एक कार्यक्रम में राज और उद्धव साथ शामिल हुए थे। 27 जुलाई को मनसे प्रमुख मातोश्री पहुंचे थे और उद्धव को 65वें जन्मदिन की बधाई दी थी। इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख अगस्त में गणेश चतुर्थी के मौके पर राज के घर पहुंचे थे।खबर है कि गठबंधन में शुरुआत में मनसे कथित तौर पर 100 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 60 से 70 पर सहमति जता रही है। साल 2012 में मनसे ने 28 सीटें और 2017 में 7 सीटें जीती थीं। बता दें कि साल 2005 में राज ने तब अविभाजित शिवसेना से अलग होकर मनसे का गठन किया था। तब से ही दोनों नेता अलग हैं, लेकिन हाल ही में हुईं कई बैठकों ने गठबंधन की अटकलों को हवा दे दी है। वहीं, दोनों नेता भी अप्रत्यक्ष रूप से इसका समर्थन करते नजर आ रहे हैं। एक ओर जहां उद्धव ने सार्वजनिक रूप से गठबंधन की बात का स्वागत किया था। वहीं, राज ने हाल ही में कहा था कि मराठी माणूस के लिए एकजुट होना मुश्किल काम नहीं है।

परमिशन रद्द होने पर बोले धीरेंद्र शास्त्री- दीदी जब तक रहेंगी पश्चिम बंगाल में नहीं करेंगे कथा

खजुराहो (एजेंसी)। कथा वाचक और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वे ममता बनर्जी के सीएम रहते पश्चिम बंगाल में कथा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने साफ मना कर दिया। परमिशन ही नहीं दी। दीदी जब तक हैं, तब तक बंगाल नहीं जाएंगे, दादा जब आएंगे तो जाएंगे। दरअसल, कोलकाता में 10, 11 और 12 अक्टूबर को धीरेंद्र शास्त्री की कथा होनी थी। बारिश की वजह से इसकी परमिशन रद्द कर दी गई। किसी और जगह पर कथा के लिए भी अनुमति नहीं दी गई, जिसके चलते शास्त्री ने अब इसे स्थगित कर दिया है। शास्त्री ने रविवार को रायपुर में कहा कि हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने हमें साफ मना कर दिया। समझ गए हम किसकी बात कर रहे हैं, नाम नहीं लेना चाहते हैं..., परमिशन भी कैंसिल कर दी गई और दूसरी जगह की परमिशन नहीं दी। जहां की परमिशन थी, वहां पानी भर गया था। फिर किसी ने कहा कि अब क्या कहोगे तो हमने कहा थैंक्यू बोल देना। इसका मतलब ये थोड़ी है कि हम अपना कार्य छोड़ देंगे। दीदी जब तक हैं, तब तक हम पश्चिम बंगाल नहीं जाएंगे। दादा जब आएंगे तो जाएंगे, लेकिन भगवान करे कि दीदी बनी रहे। हमें उनसे कोई दिक्कत नहीं, लेकिन बुद्धि ठीक रखें, धर्म के खिलाफ न जाएं। हम किसी राजनीति के पक्ष में नहीं हैं, न ही विरोध में हैं। हम सनातन के पक्ष में है। शास्त्री ने कहा कि घंटी बजाना, पूजा करना और तिलक लगाना ही धर्म नहीं है, बल्कि अधर्म के खिलाफ आवाज उठाना भी धर्म है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पीछे पूरे भारत के विधर्मी लगे हुए हैं, लेकिन उनका प्रण है कि जब तक तन में प्राण रहेंगे, वे हिंदुत्व के लिए ही जीएंगे।

मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से राहुल गांधी ने की बात

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के रायबरेली जिले में मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार देर रात फोन पर बात की। युवक के भाई ने बताया कि राहुल ने उनसे कहा कि परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है। उन्होंने मेरे पिता से उनकी तबीयत के बारे में भी पूछा। इधर, अजय राय ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यूपी में जंगलराज की सरकार है। जो लोग खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं, वे किसी भी तरह बख्शे नहीं जाएंगे। वहीं, पत्नी पिंकी ने कहा कि जैसे मेरे पति की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या की गई, वैसे ही हत्यारों को भी सजा मिलनी चाहिए। मुझे इंसाफ चाहिए। वहीं, बहन ने कहा कि भाई की हत्या साजिश के तहत की गई। हरिओम पासवान की 3 अक्टूबर को हत्या हुई थी। पहले कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं। इसके बाद युवक को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस ने मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि लापरवाही बरतने पर ऊंचाहार कोतवाल संजय कुमार सहित 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है।

निलंबित पुलिस वाहन चालक मंसूर के मामले में एक्शन, आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

कोडरमा (एजेंसी)। झारखंड के कोडरमा जिले के चंदवारा स्थित पुलिस लाइन के निलंबित पुलिस वाहन चालक मंसूर आलम की आत्महत्या मामले ने पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना में जिले के जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह, डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव, पिकेट प्रभारी रमेश मरांडी और एएसआई अरविंद हांसदा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में कांड संख्या 76/25 दर्ज की गई है। मंसूर बीते तीन माह से निलंबित था। मंसूर पर आरोप है कि ड्यूटी के दौरान लापरवाही और शराब सेवन के कारण सस्पेंड किया था। आत्महत्या से पूर्व मंसूर वीडियो जारी कर आरोपित पुलिस अधिकारियों पर झूठा फंसाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया था। वीडियो वायरल होते ही पुलिस मेंस एसोसिएशन और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने घटना को साजिश करार देकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। इधर, मंसूर की पत्नी ने भी निलंबन के बाद वेतन रोकने से उत्पन्न आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव को आत्महत्या का प्रमुख कारण बताया था। उन्होंने थाने में दिए बयान में संबंधित अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। ज्ञात हो कि मंसूर आलम ने गत मंगलवार (30 सितंबर) को सल्फास खाकर जान देने का प्रयास किया था। इलाज के दौरान बुधवार (1अक्टूबर)को रिम्स, रांची में उसकी मौत हो गई थी।

जेएसएल रियल्टी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए

मुंबई (एजेंसी)। जेएसएल रियल्टी से संबंधित कथित धोखाधड़ी और सत्ता के दुरुपयोग से जुड़े मामले के बारे में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार के बाद जाँच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लूय) से लेकर मुंबई अपराध शाखा को सौंप दी गई है। यह आदेश महाराष्ट्र पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा जारी किया गया था। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए.अंखड की पीठ ने एक जाँच अधिकारी को सत्ता के कथित दुरुपयोग के लिए फटकार लगाई। यह पाया गया कि जिस अधिकारी को पहले एक गलत गिरफ्तारी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, वह अभी भी इस मामले को देख रहा था। अदालत ने आईआईएफएल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, और उसने आरोपी ममता सिंह को अंतरिम राहत दी थी, जिन्हें ईओडब्ल्यू ने 10 सितंबर को गिरफ्तार किया था। पीठ ने सिंह की गिरफ्तारी से जुड़ी कई विसंगतियों को उजागर किया। उनका बयान 18 जून को दर्ज किया गया था, लेकिन उन्हें लगभग तीन महीने बाद बिना किसी स्पष्ट कारण के गिरफ्तार किया गया। अदालत ने सवाल किया कि सिंह को दिव्यांग बच्चे के जन्मदिन की पार्टी के दौरान क्यों गिरफ्तार किया गया और उन्हें अन्य आरोपियों के विपरीत आगे नोटिस क्यों नहीं दिए गए। पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी में देरी के कारणों को न बता पाना जाँच के आचरण पर गंभीर सवाल उठाता है। अधिकारी की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण और पारदर्शिता रहित प्रतीत होती है, जिसमें याचिकाकर्ता के परिसर में की गई तलाशी का कोई रिकॉर्ड भी नहीं है। अदालत ने ज़ोर दिया कि गिरफ्तारी का अधिकार निरंकुश नहीं है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

बिष्णुपुर (एजेंसी)। मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक कैडर को बिष्णुपुर जिले के केरेनफाबी मानिंग लेइकाई इलाके से गिरफ्तार किया है। खुमुकचाम बीरेन मेइती (40) पर दुकानदारों, स्कूलों और कॉलेजों से जबरन वसूली करने का आरोप है। वहीं प्रतिबंधित संगठन के एक और स्वयंभू लेफ्टिनेंट को शनिवार को जिले के निंगथौखोंग इलाके से गिरफ्तार किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खानगेमबाम मंगलेम्बा सिंह (46) सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही पर नजर रखता था और अपने संगठन के सदस्यों को सूचना पहुंचाता था। पीएलए मुख्य रूप से पड़ोसी देश म्यांमार स्थित अपने शिविरों से सक्रिय हैं। यह संगठन 19 सितंबर को नाम्बोल सबल लेइकाई में असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले में भी शामिल था, जिसमें दो जवान मारे गए थे। इस बीच, प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को रविवार को इंफाल वेस्ट जिले के नाओरेमथोंग से गिरफ्तार किया गया है।

पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के रास्ते में क्या आ रहा कोट... कांग्रेस नेता का बयान

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होनी है। इस बीच, कांग्रेस नेता वी.हनुमंता राव ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सोमवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था, जिसका उन्होंने कभी विरोध नहीं किया। कांग्रेस नेता राव ने सवाल उठाया कि अब पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मामले में बाधा क्यों डाली जा रही है। उन्होंने कहा, आखिर कोर्ट इस रास्ते में क्यों आ रहे हैं?

कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को हटाने की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने न्यायपालिका से अपील कर कहा, मैं अदालत से अनुरोध करता हूं कि हमारे रास्ते में न आएं। यह बयान स्थानीय निकायों में आरक्षण की नीति पर चल रही बहस को और हवा दे सकता है। तेलंगाना में विभिन्न राजनीतिक दलों और 60 से अधिक पिछड़ा वर्ग संघों के नेताओं ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए बिना किसी समझौते के संघर्ष करने का संकल्प लिया।

हैदराबाद में गोलमेज बैठक में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मंत्री वक्ति श्रीहरि, श्रीनिवास गौड़, गंगुला कमलाकर, वी हनुमंत राव, पुट्टा मधु और आनंद भास्कर सहित वरिष्ठ नेताओं, सांसदों व विधान पार्षदों ने हिस्सा लिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में चल रही कानूनी लड़ाई पर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण की रक्षा के लिए जानेमाने वकीलों की नियुक्ति की जाएगी।

अब तीन दिन देरी से विदा होगा मानसून, अभी करेगा और झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले छह सालों की तरह इस बार भी मुंबई से मानसून की विदाई में दो से तीन दिन तक की देरी हो सकती है। मुंबई में मानसून की वापसी की तारीख 8 अक्टूबर, लेकिन मौसम विभाग ने बताया कि साइक्लोन शक्ति की वजह से इस साल मानसून की वापसी 8 से 11 तारीख के बीच होगी। इसका मतलब है कि अभी और झमाझम बारिश होगी। मुंबई में मानसून हटने तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। सोमवार को मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है।

आईएमडी ने पालघर और ठाणे के लिए मंगलवार को 'येलो अलर्ट' जारी किया है, जिसमें बिजली चमक, हल्की-मध्यम बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी है। चक्रवात शक्ति ने राज्य में मानसून की वापसी के दौरान तूफानी गतिविधियों को कमजोर कर दिया है। इसके अलावा, एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ दक्षिण की ओर आ रहा है, जो शुष्क उत्तरी हवाओं को ला रहा है। इससे संवहनीय गतिविधियां कम हो सकती हैं। शक्ति से राज्य के तटीय इलाकों पर कोई खतरा नहीं है। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात शक्ति और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के कारण मानसून के विदाई में देरी हो रही है। 2018 के बाद से मुंबई में मानसून की सामान्य तारीख पर विदाई नहीं हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को बताया कि चक्रवात शक्ति, जो पहले बंगाल की खाड़ी से शुरू हुआ और अरब सागर में रौद्र रूप लिया, ने राज्य में मानसून की वापसी की प्रक्रिया को बाधित कर दिया है। मुंबई के मौसम ट्रैकर रुशिकेश अग्रे ने कहा, 'बंगाल की खाड़ी में दबाव प्रणाली ने विदाई को टाला था, लेकिन अब यह सक्रिय हो गई है। मानसून की पूरी तरह से विदाई में एक सप्ताह लग सकता है। तब तक मुंबई में हल्की बारिश होती रहेगी।' इस साल मुंबई में मानसून की शुरुआत सबसे जल्दी 26 मई को हुई थी। इस देरी किसानों और शहरवासियों के लिए चुनौती पैदा कर रही है। मुंबई में लगातार वर्षा से जलभराव की समस्या बढ़ सकती है, जबकि ग्रामीण इलाकों में फसलें प्रभावित होंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवात शक्ति का कमजोर पड़ना और पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव मिलकर मानसून को लंबा खींच रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट, बारिश और तेज हवाओं के साथ मौसम बदलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सोमवार को मौसम फिर से बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके तहत हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ छींटे पड़ने और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। इस बदलाव के कारण अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की उम्मीद है, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। पिछले कुछ दिनों की तुलना में यह तापमान थोड़ा कम रहेगा, जिससे ठंडक महसूस होगी। मौसम के इस बदलाव का मुख्य कारण एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ है, जो उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों को प्रभावित कर रहा है। इस प्रणाली के प्रभाव से अगले 48 घंटों तक बादल छाए रहेंगे और तेज ठंडी हवाएं चलेंगी। आईएमडी ने राष्ट्रीय राजधानी और गुरुग्राम के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है, जो मध्यम से गंभीर जोखिम को दर्शाता है, जबकि नोएडा और गाजियाबाद के लिए येलो अलर्ट जारी है। अधिकारियों ने लोगों से बारिश और तेज हवाओं के दौरान सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्होंने खुले स्थानों पर जाने से बचने, गरज-चमक के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने और ढीली वस्तुओं को मजबूती से बांधने की सलाह दी है, ताकि तेज हवा के कारण नुकसान न हो। सोमवार तड़के दिल्ली और आसपास के इलाकों में भारी बारिश भी हुई। मौसम के इस बदलाव से तापमान में गिरावट आएगी और वातावरण ठंडा और ताजा हो जाएगा। मौसम विभाग का कहना है कि यह स्थिति अगले दो दिन तक बनी रहेगी, इसलिए लोगों को सतर्क रहना आवश्यक है।

कैंसर हॉस्पिटल प्रोजेक्ट व बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर का शुभारंभ

पाटना (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने अपनी सीएसआर पहल के तहत टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) के साथ मिलकर नवी मुंबई में ऐतिहासिक जी+11 मंजिला कैंसर हॉस्पिटल प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट में एक मल्टीस्पेशियलिटी ब्लॉक और 60 बिस्तरों वाला बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) सेंटर बनाया जाएगा। यह देश का सबसे बड़ा और दक्षिण एशिया के प्रमुख बीएमटी सेंटर में से एक होगा। लगभग 2.4 लाख वर्ग फुट में बनने वाला यह हॉस्पिटल हर साल 1.3 लाख ओपीडी मरीजों को सेवाएं देगा और सालाना 600 से अधिक जीवनरक्षक बोन मैरो ट्रांसप्लांट सर्जरी करने की क्षमता रखेगा। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 380 करोड़ है और इसे जुलाई 2027 तक शुरू करने की उम्मीद है। निर्माण कार्य लार्सन एंड टुब्रो (एल&टी) द्वारा ईपीसी मोड में किया जाएगा। एनएसई की यह पहल कोविड-19 महामारी के बाद स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस साझेदारी के तहत नवी मुंबई के खारघर स्थित एसीटीआरईसी कैंपस में यह जी+11 मंजिला मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल ब्लॉक और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर बनाया जाएगा। यह भवन पूरे एसीटीआरईसी कैंपस के लिए एक आउट-पेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी) यूनिट के रूप में भी कार्य करेगा। एनएसई द्वारा निर्मित यह सुविधा कैंसर मरीजों को सामान्य और सुपर-स्पेशियलिटी सेवाएं प्रदान करेगी। 60 बिस्तरों वाले बीएमटी सेंटर में जीवनरक्षक इलाज मुफ्त या बहुत कम लागत पर उपलब्ध कराया जाएगा। मार्च 2023 में एनएसई बोर्ड ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी और टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। अंतिम पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) 11 सितंबर 2025 को प्राप्त हुई, और सीआईडीसीओ से निर्माण के लिए कमेंसमेंट सर्टिफिकेट 1 अक्टूबर 2025 को मिला। भूमि पूजन समारोह में एनएसई और टीएमसी के गणमान्य व्यक्तियों और हितधारकों ने भाग लिया। एनएसई के एमडी और सीईओ, आशिष कुमार चौहान ने कहा, हम टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक पहल में गर्व महसूस कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य कैंसर मरीजों और उनके परिवारों की स्वास्थ्य जरूरतों में सहयोग देना और भारत में कैंसर के खिलाफ लड़ाई में सार्थक योगदान करना है। यह प्रोजेक्ट हर साल हजारों मरीजों के जीवन पर सकारात्मक और दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा।

चंदारिया, साटो और मादेश ने करी मोटर स्पीडवे पर फॉर्मूला 4 इंडियन चैम्पियनशिप में हासिल की जीत

कोयंबटूर (एजेंसी)। जेके टायर द्वारा संचालित, नायरा से फ्यूल्ड और मोबिल 1 से परफॉर्मेंस से भरपूर इंडियन रेसिंग फेस्टिवल के तीसरे राउंड का समापन कोयंबटूर के करी मोटर स्पीडवे पर हुआ। तेज धूप और झुलसाती गर्मी के बावजूद ड्राइवर्स ने अपने लिवरीज को चमकाने के लिए पूरा दमखम लगाया। स्पीड और ग्लोरी के संग यह वीकेंड दर्शकों के लिए रोमांचक मोड़, कड़े मुकाबले और नजदीकी फिनिश से भरपूर रहा – इंडियन रेसिंग लीग, फॉर्मूला 4 इंडियन चैम्पियनशिप, और जेके टायर नेशनल रेसिंग चैम्पियनशिप (फीचर्ड फॉर्मूला एलजीबी4) में एक्शन अपने चरम पर था। गोवा एसेस जेए रेसिंग के राउल हायमैन ने सीजन की दूसरी जीत दर्ज की। दूसरे दिन सभी की निगाहें इंडियन रेसिंग लीग के ड्राइवर इ रेस पर टिकी थीं, जहां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले टॉप ड्राइवर्स ने एक और हाई-ऑक्टेन मुकाबला पेश किया। स्पीड डेमन्स दिल्ली के टीम ओनर अर्जुन कपूर खुद ट्रैकसाइड मौजूद थे, जब गोवा एसेस जेए रेसिंग के ड्राइवर राउल हायमैन (यूके) ने शानदार ड्राइव करते हुए 26:46.480 का टाइम दर्ज कर सीजन की दूसरी जीत अपने नाम की। 16 कॉर्नर्स वाले ट्रैक पर अपनी कार को बेहतरीन कंट्रोल और प्रिसीजन के साथ चलाते हुए, 29 वर्षीय हायमैन ने अपनी शांत और अनुभवी ड्राइविंग से शहान अली मोहसिन (स्पीड डेमन्स दिल्ली) को छह सेकंड के अंतर से पीछे छोड़ा। किच्चा किंग्स बेंगलुरु के रुहान अल्वा ने चौथी ग्रिड से शुरू करके तीसरा स्थान हासिल किया।

प्रोविजनल रिजल्ट (आई आर एल ड्राइवर बी रेस): राउल हाइमन (गोवा एसेस जेए रेसिंग) - 26:46.480 शाहन अली मोहसिन (स्पीड डेमन्स दिल्ली) - 26:52.937 रूहान अल्वा (किच्चा किंग्स बेंगलुरु) - 26:57.632 फॉर्मूला 4 इंडियन चैम्पियनशिप- एफआईए -प्रमाणित फॉर्मूला 4 इंडियन चैम्पियनशिप ने करी मोटर स्पीडवे पर दर्शकों को सांस रोक देने वाला एक्शन दिया, जहां शेन चंदारिया, इट्सुकी साटो और इशान मादेश ने दिन की तीनों रेस में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा। रेस 2 में, केन्या के युवा ड्राइवर शेन चंदारिया (चेन्नई टर्बो राइडर्स) ने लाइट्स-टू-फ्लैग स्टाइल में जीत हासिल की – यह उनकी सीजन की दूसरी जीत रही।

एनसीआरबी के चौंकाने वाले आंकड़े, महाराष्ट्र देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या वाला राज्य

मुंबई (एजेंसी)। देश में किसानों द्वारा आत्महत्या करने की संख्या कम होती नहीं दिख रही है। किसानों द्वारा आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले स्थान पर है। अक्सर देखा जाता है कि बाजार में अपने कृषि उत्पादों के दाम न मिलने, कर्ज के बोझ, बच्चों की शिक्षा, शादी जैसी परेशानियों के कारण किसान आत्महत्या का रास्ता चुन रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश भर में कृषि क्षेत्र से जुड़े 10786 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 4690 किसान और 6096 खेतिहर मजदूर शामिल थे। यह आंकड़ा देश के कुल 171418 आत्महत्या पीड़ितों का 6.3 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार 2023 में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 6669 किसानों ने आत्महत्या की, जबकि 4151 किसानों और 2518 खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि 2023 में देश में महाराष्ट्र में आत्महत्या की दर सबसे ज्यादा थी तमिलनाडु में 19,483 (11.4 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए हैं। मध्य प्रदेश में 15,662 (9.1 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में 13,330 (7.8 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल में 12,819 (7.5 प्रतिशत) आत्महत्याएँ दर्ज की गई हैं। इस बीच, एनसीआरबी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल आत्महत्याओं में से 49 प्रतिशत पाँच राज्यों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में हुई हैं। शेष 51 प्रतिशत आत्महत्याएँ 23 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में हुई हैं। देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य (देश की 17 प्रतिशत आबादी के साथ) उत्तर प्रदेश में आत्महत्या की दर अपेक्षाकृत कम है, जो देश में दर्ज कुल मामलों का केवल 5.3 प्रतिशत है।

आत्महत्या के प्रमुख कारण

पारिवारिक समस्याएँ और बीमारी आत्महत्या के प्रमुख कारण थे, जो 2023 में कुल आत्महत्याओं का क्रमशः 31.9 प्रतिशत और 19.0 प्रतिशत था। आत्महत्या के अन्य कारण थे नशीली दवाओं/शराब का दुरुपयोग (7 प्रतिशत), वैवाहिक समस्याएं (5.3 प्रतिशत), प्रेम संबंध (4.7 प्रतिशत), दिवालियापन या कर्ज (3.8 प्रतिशत), बेरोजगारी (1.8 प्रतिशत), परीक्षा में असफलता (1.4 प्रतिशत), किसी प्रियजन की मृत्यु (1.3 प्रतिशत), पेशेवर/कैरियर संबंधी समस्याएं (1.1 प्रतिशत) और संपत्ति विवाद (1 प्रतिशत)।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**